RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 7 अंक 328
नई दिल्ली, सोमवार, 7 अक्टूबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

ब्रैड पिट से तलाक पर एंजेलिना ने कहा, बहुत दुख हुआ था
विदेश-13

उठा नजरबंदी का पर्दा, सामने आए अब्दुल्ला

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने नेकां प्रतिनिधिमंडल को दी फारुख और उमर से मिलने की इजाजत

- पत्नी और पार्टी सांसदों संग विजय चिह्न बनाते फारुख और नेताओं संग सेल्फी लेते दिखे उमर
- पीडीपी प्रतिनिधिमंडल को भी मिली महबूबा से मुलाकात की अनुमति, आज श्रीनगर में मिलेंगे
- अगस्त में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से नजरबंद हैं तमाम नेता, 62 दिनों बाद पहली बार दिखे

श्रीनगर में अपने आवास पर फारुख अब्दुल्ला, उनकी पत्नी मोल्ली तथा नेकां नेता मोहम्मद अकबर लोन व हसनैन मसूदी

मोहित कंधारी। जम्मू

अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद जम्मू कश्मीर में रविवार को एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम घटित हुआ। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और श्रीनगर से लोकसभा सांसद डॉक्टर फारुख अब्दुल्ला 62 दिनों की नजरबंदी के बाद पहली बार सामने आए। उन्होंने किले में तब्दील श्रीनगर के गुपकार रोड स्थित अपने आवास पर जम्मू में सक्रिय नेकां नेताओं के पन्द्रह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इसी बीच अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सत्रह सदस्यीय पीडीपी प्रतिनिधिमंडल को पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती से सोमवार को श्रीनगर में मिलने की इजाजत दे दी है। हिरासत में लिए जाने के बाद से अभी तक इन नेताओं को राजनीतिक प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की अनुमति नहीं थी। सिर्फ परिवार वाले ही उनसे मिल सकते थे।

नेशनल कांफ्रेंस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई जम्मू संभाग के अध्यक्ष और पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह राणा कर रहे थे। डॉक्टर अब्दुल्ला से भेंट करने से पूर्व जम्मू के नेकां नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से हरी निवास गेस्ट हाउस में मुलाकात की। उनकी बैठक लगभग 30 मिनट तक चली। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने दोनों नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकों में राज्य के घटनाक्रम और स्थानीय निकाय के चुनाव पर चर्चा की। हाथ से विजय का प्रतीक चिह्न बनाते पत्नी मौली अब्दुल्ला और कश्मीर घाटी के दो वरिष्ठ सांसदों के साथ खड़े डॉ. फारुख अब्दुल्ला की तस्वीरें पूरे दिन सुर्खियां बटोरती रहीं। दूसरी ओर बढ़ी हुई दाढ़ी के साथ उमर अब्दुल्ला पार्टी नेताओं संग सेल्फी लेते नजर आए। गत पांच अगस्त को नजरबंद करने के बाद से उमर की यह पार्टी नेताओं के साथ पहली बैठक थी। केंद्र सरकार ने उसी दिन राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाने का ऐलान किया था। उमर से मुलाकात और चर्चा के बाद प्रतिनिधिमंडल फारुख अब्दुल्ला के घर गया। बैठक के बाद राणा ने पत्रकारों से कहा कि कोई भी राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करने के लिए पार्टी नेताओं को रिहा किया जाना जरूरी है। पूरे घटनाक्रम खासकर लोगों को हिरासत में लेने या नजरबंद करने को लेकर लोगों में बेहद नाराजगी है। एक पार्टी के तौर पर उनकी अपील है कि जम्मू कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करने तथा लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए सभी राजनीतिक कैदियों, चाहे वे मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टी से जुड़े हों या अन्य से और जिनका आपराधिक रिकॉर्ड नहीं हैं उन्हें छोड़ा जाना चाहिए ताकि जम्मू कश्मीर के लोगों के दिलों को जीता जा सके। राणा ने कहा कि नेकां के पास विरासत और इतिहास के साथ बेहतरीन पुराना ट्रैक रिकॉर्ड है। पार्टी ने एकमत से संकल्प लिया है कि लोगों की भलाई के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द-भाईचारा और यहां के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को बरकरार रखने के लिए निरंतर काम करती रहेगी।

प्रखंड विकास समिति के चुनाव में नेकां के हिस्सा लेने के सवाल पर राणा ने जवाब दिया कि देखिए कितनी जबर्दस्त नाकेबंदी है। अगर राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करनी है तो नेताओं को छोड़ना चाहिए। जहां तक नेकां का मामला है तो बीडीसी चुनाव लड़ने के लिए आज्ञा पत्र पर पार्टी अध्यक्ष के हस्ताक्षर होते हैं जो कि दुर्भाग्यवश अभी पीएसए के तहत हिरासत में हैं। राणा ने कहा, जम्मू में राजनीतिक नेताओं की गतिविधियों पर लगी पाबंदियों के हटने के बाद, बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्यपाल (एसपी मलिक) से संपर्क कर पार्टी के अध्यक्ष (शेष पेज 10)

तीन कॉरीडोर पर मेट्रो नहीं मेट्रोलाइट चलेगी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो फेज-4

- परियोजना के छह में से तीन कॉरीडोरों को मिल चुकी है मंजूरी, लागत घटाने को मेट्रोलाइट सिस्टम लाने की तैयारी में जुटा केंद्र
- तीन कोच वाली मेट्रोलाइट की क्षमता होगी लगभग 300 यात्री और गति सीमा 25 किलोमीटर प्रति घंटा
- इंदरलोक- इंद्रप्रस्थ, लाजपत नगर- साकेत जी ब्लॉक और रिठाला-बवाना-नरेला कॉरीडोरों पर दौड़ेगी

मेट्रो फेज-4 की लागत घटाने के लिए आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय परियोजना के छह में से तीन कॉरीडोर पर मेट्रोलाइट ट्रेन चलाने की योजना बना रहा है। मंत्रालय का दावा है कि मौजूदा मेट्रो सिस्टम के मुकाबले मेट्रोलाइट सिस्टम लागू करने पर 25 से लेकर 40 फीसदी तक लागत कम हो जाएगी। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो फेज -4 के शेष तीन कॉरीडोरों के लिए मेट्रोलाइट सिस्टम लागू करने पर चर्चा के लिए बीते 26 सितंबर को मंत्रालय में उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। 42.28 किलोमीटर की दूरी कवर करने वाले इन तीन कॉरीडोरों में इंदरलोक से इंद्रप्रस्थ, लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक और रिठाला-बवाना-नरेला शामिल हैं।

बैठक में दिल्ली मेट्रो ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से रिठाला -नरेला कॉरीडोर के आसपास रहने वाली आबादी का ब्योरा मांगा। साथ ही यह भी कहा है कि अगले तीस वर्षों में कॉरीडोर पर कितना ट्रैफिक अनुमानित है, इसकी जानकारी भी दे। केंद्र सरकार ने भी डीडीए से दिल्ली मेट्रो फेज 4 के उक्त तीन कॉरीडोरों पर मेट्रो लाइट सिस्टम की फंडिंग करने को कहा है। बैठक में दिल्ली मेट्रो, दिल्ली विकास प्राधिकरण और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मेट्रोलाइट ट्रेन में करीब 300 यात्रियों को लाने-ले जाने की क्षमता होगी और यह 25 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित गति से दौड़ेगी। इस ट्रेन में तीन कोच (एक साथ लगे हुए) होंगे और इसकी ऊंचाई कम होगी यानी 300 से 350 मिलीमीटर होगी। एक कोच की लंबाई कम से कम 33 मीटर रहेगी और इसका ढांचा स्टेनलेस स्टील अथवा अल्युमिनियम जैसी धातु से निर्मित होगा। सूत्रों ने बताया कि मेट्रोलाइट की अधिकतम परिचालन गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। किसी भी स्थिति में, यहां तक की ऑन बोर्ड सिगनलिंग सिस्टम फेल होने पर भी इसकी रफ्तार 25 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा नहीं होगी। मंत्रालय ने हाल ही में मेट्रोलाइट सिस्टम की मानक विशेषताएं सार्वजनिक की हैं। इसे जमीन और हवा में (एलीवेटेड) दोनों ही तरीके से विकसित किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, मेट्रोलाइट ट्रेन जिसे मौजूदा मेट्रो सिस्टम की तुलना में कम खर्च में विकसित किया जा सकता है,उच्च क्षमता वाली मेट्रो के लिए फीडर सिस्टम के तौर पर भी काम करेगी।

मेट्रोलाइट सिस्टम का अपना अलग रूट (डेडिकेटेड पाथ) होगा। सड़क यातायात से अलग करने के लिए नेटवर्क के दोनों तरफ बाड़ लगाई जा सकती है। (शेष पेज 10)

नवम सिद्धिदात्री

**सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा
सिद्धिदायिनी।।**

नवरात्र के अंतिम दिन यानि नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। मां दुर्गा अपने इस सिद्धिदात्री स्वरूप में भक्तों को हर प्रकार की सिद्धि प्रदान करती हैं। इस दिन भक्तों द्वारा विशेष पूजा करने से विभिन्न प्रकार की सिद्धियों की प्राप्ति होती है। माता सिद्धिदात्री के आशीर्वाद के बाद श्रद्धालु के लिए कोई कार्य असंभव नहीं रह जाता है। इसके अलावा भक्तों को सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

मुंबई की आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई जारी

- अदालत ने 29 प्रदर्शनकारियों को सशर्त जमानत दी

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

मुंबई की आरे कॉलोनी और उसके आसपास के इलाके में रविवार को दूसरे दिन भी लागू निषेधाज्ञा के बीच मेट्रो कार शेड बनाने के लिए पेड़ों की कटाई का काम लगातार जारी है। मुंबई की एक सत्र अदालत ने आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मियों के काम में बाधा डालने और उनपर हमला करने के आरोप में बीते दो दिनों में गिरफ्तार किए गए 29 प्रदर्शनकारियों को रविवार को जमानत दे दी।

दूसरी ओर वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे के पास मुख्य संपर्क सड़क समेत आरे कॉलोनी के पांच प्रवेश केन्द्रों पर भारी सुरक्षा बल तैनात है ताकि लोगों को इलाके में घुसने से रोका जा सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इलाके में शनिवार से लागू धारा 144 के मद्देनजर अधिकतर दुकाने, रेस्त्रां और सड़क किनारे लगने वाली दुकानें बंद हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हालात जल्द सामान्य होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आरे कॉलोनी में आदिवासी बस्तियों में गश्त बढ़ा दी गई है और वहां एकत्रित पाए गए लोगों को हिरासत में लेकर उचित जांच-पड़ताल के बाद छोड़ दिया जा रहा है। आरे कॉलोनी में मुंबई मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (एमएमआरसीएल) द्वारा पेड़ों की कटाई को रोकने की कोशिश कर रहे पर्यावरण कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच शनिवार को झड़प हो गई थी, जिसमें कम से कम (शेष पेज 10)

आज सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुंबई के आरे क्षेत्र में पेड़ों को गिराए जाने के खिलाफ सोमवार को तत्काल सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित की है। शीर्ष अदालत ने पेड़ों को गिराए जाने के खिलाफ ऋषव रंजन नामक शख्स के प्रधान न्यायाधीश को लिखे पत्र के आधार पर रविवार को विशेष पीठ का गठन किया। उच्चतम न्यायालय ने पत्र को जनहित याचिका के तौर पर दर्ज करने का फैसला किया। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर तत्काल सुनवाई करने के बाबत नोटिस डाला गया है जिसके अनुसार, संज्ञान लिया जाए कि मामले में कल सात अक्टूबर, 2019 को सुबह 10 बजे सुनवाई के लिए विशेष पीठ का गठन (शेष पेज 10)

सरकारी बंगले खाली नहीं करने को कहानियां गढ़ रहे पूर्व सांसद

राजेश कुमार। नई दिल्ली

- 16वीं लोस भंग होने के पांच माह बाद भी 50 पूर्व सांसदों ने नहीं खाली किए हैं घर, कई बार भेजी जा चुकी है नोटिस
- एक ने कहा चाभी समेत लापता है नौकर तो पूर्व महिला सांसद ने दिया अपने सांसद पति को वही बंगला आवंटित करने का विकल्प

पिछली लोकसभा भंग हुए पांच माह का समय गुजर चुका है लेकिन, लगभग 40-50 पूर्व सांसद अभी तक सरकारी आवास में डटे हुए हैं। बंगला अथवा फ्लैट खाली करने के लिए इन लोगों को कई बार नोटिस भेजा जा चुका है पर ये हटने का नाम नहीं ले रहे। लुटियन दिल्ली में आवंटित सरकारी आवास को बचाए रखने के लिए पूर्व सांसदों की तरफ से अजीबोगरीब बहाने बनाए जा रहे हैं और कहानियां गढ़ी जा रही हैं। मसलन, उनके बंगले अथवा फ्लैट की देखभाल करने वाला या नौकर चाभी लेकर गायब हो गया है। एक महिला पूर्व सांसद ने अपने सांसद पति को वही घर आवंटित करने का भी विकल्प दिया है।

एक मामले में, वरिष्ठ नौकरशाह सांसद के बंगले में रहते पाए गए जबकि दूसरे मामले में एक पूर्व सांसद एमपी फ्लैट में बतौर गेस्ट टिके हुए हैं। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि पूर्व सांसदों द्वारा बंगले-फ्लैट खाली खाली नहीं करने से करीब चार दर्जन नव निर्वाचित सांसदों को सरकारी आवास पाने के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ रही है और यह लोग अस्थायी घरों में रहने को मजबूर हैं। मकान पर काबिज पूर्व सांसदों को बार-बार नोटिस भेजकर कहा गया है कि 2014 में आवंटित बंगले-फ्लैट खाली कर दें, इसके बावजूद यह लोग हटने का नाम नहीं ले रहे हैं।

सरकारी आवास खाली नहीं करने वाले पूर्व सांसदों की सूची में पप्पू यादव, रंजीत रंजन, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, एचडी देवगौड़ा, मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री कोनार्ड के संगमा आदि के नाम शामिल हैं। लद्दाख से भाजपा सांसद जामयांग नामग्याल लुटियन दिल्ली में आज तक बेघर हैं क्योंकि उन्हें आवंटित किए गए साउथ एवेन्यू के फ्लैट नंबर 16-18 पर ताला जड़ा हुआ है और केयरटेकर अथवा नौकर चाभियों के साथ लापता है। यह (शेष पेज 10)

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी-पीएनजी के दाम कम हुए

नई दिल्ली(पीएनएस)। सीएनजी और पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस के दाम दिल्ली और आसपास के शहरों में कम हुए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लि. के अनुसार प्राकृतिक गैस से जुड़े कच्चे माल की लागत में 12.5 प्रतिशत की कटौती से ईंधन सस्ता हुआ है। वाहनों के लिए कम्प्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) का दाम दिल्ली में 1.90 रुपए किलो कम हुआ है जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में इसमें 2.15 रुपए किलो की कमी आई है। इस कटौती के बाद दाम दिल्ली में सीएनजी का दाम 45.20 रुपए किलो होगा। वहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में यह 51.35 रुपए किलो होगा। आईजीएल द्वारा अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी की कीमत पहले की ही तरह बनी रहेगी। प्राकृतिक गैस के ग्राहकों के लिए कीमत दिल्ली में 90 पैसे प्रति घन मीटर तथा उत्तर प्रदेश में 40 पैसे प्रति इकाई कम होगी। (विस्तृत पेज 12)

मौसम

अधिकतम	32.9°C (-1)
न्यूनतम	21.1°C (-1)

बाजार

सेंसेक्स	37,673	
निफ्टी	11,174	
सोना	39,075	/10g
चांदी	46,490	/kg

क्विक न्यूज

विमान दुर्घटना में दो प्रशिक्षु पायलटों की मौत

हैदराबाद। विकाराबाद जिले में रविवार को एक खेत में विमान दुर्घटना में एक महिला समेत दो प्रशिक्षु पायलटों की मौत हो गई। पुलिस ने यहां संवाददाताओं को बताया कि घटना जिले के बंटवारम मंडल में हुई जिसमें दो पायलटों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं एक ग्रामीण ने बताया कि जब प्रशिक्षु विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ उस वक्त भारी बारिश हो रही थी। उन्होंने बताया कि विमान शहर के एक निजी विमान प्रशिक्षण संस्थान से संबंधित था। संभवतः खराब मौसम के चलते यह हादसा हुआ।

इसरो विज्ञानी बन रचाई शादी, भांडा फूटने पर फरार

पीएचडी छात्रा ने जालसाज पति के खिलाफ रेवाड़ी थाने में दर्ज कराई शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इसरो वैज्ञानिक बन पीएचडी छात्रा से शादी रचाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। भांडा फूटने पर जालसाज पति फरार हो गया। छात्रा को इस झूठ का पता तब चला जब उनके साझा नेटफ्लिक्स एकाउंट के जरिए उसके पति की लोकेशन गुड़गांव में होने का पता चला। जब दोनों का आमना-सामना हुआ तो आरोपी जितेंद्र ने माना कि वह बेरोजगार है और पहले से शादीशुदा है। वह कभी अमेरिका या बेंगलुरु नहीं गया। वह पूरे समय गुड़गांव में ही था। पहली पत्नी के साथ तलाक की प्रक्रिया जारी है। पीड़िता की शिकायत पर रेवाडी थाना पुलिस मामला दर्जकर छानबीन कर रही है।

पुलिस के अनुसार, पीएचडी छात्रा को पता चला कि उसके कथित पति की शादी पहले ही एक दूसरी महिला के साथ हो चुकी है।

आरोपी व्यक्ति और उसके परिवार वाले झूठ का पर्दाफाश होने के बाद से फरार हैं। पीड़िता ने गत एक अक्टूबर को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जितेंद्र ने उनके परिवार के सामने खुद को इसरो वैज्ञानिक के रूप में पेश किया और उससे शादी कर ली। आरोपी ने दावा किया कि उसने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक किया है और यह साबित करने के लिए फर्जी दस्तावेज दिखाए कि वह भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो) में शामिल होने से पहले रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में काम करता था।

महिला का परिवार शादी से पहले जितेंद्र और उसके परिवार से मिलने रेवाड़ी गया। जितेंद्र ने मई में शादी के बाद दावा किया कि वह अंतरिक्ष यात्री का प्रशिक्षण लेने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा में जा रहा है। महिला के पिता ने उसे एयरपोर्ट छोड़ा और अमेरिका से लौटने के बाद उसने महिला से कहा कि वह काम के लिए बेंगलुरु जा रहा है। लेकिन उसकी पत्नी को पता चला कि वह गुड़गांव में किसी जगह से नेटफ्लिक्स इस्तेमाल कर रहा है।

जब दोनों का आमना-सामना हुआ तो जितेंद्र ने माना कि वह बेरोजगार है और पहले से शादीशुदा है, वह कभी अमेरिका या बेंगलुरु नहीं गया और वह पूरे समय गुड़गांव में ही था। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ रेवाड़ी में दहेज का मामला दर्ज है और पहली पत्नी के साथ तलाक की प्रक्रिया जारी है।

भारत को दशहरे पर मिलेगा पहला राफेल

राजनाथ सिंह लड़ाकू विमान प्राप्त करने के बाद पेरिस में करेंगे शस्त्र पूजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दशहरा के अवसर पर मंगलवार को पेरिस में पहला राफेल लड़ाकू विमान प्राप्त करने के बाद शस्त्र पूजा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि दहशरे के दिन ही फ्रांसीसी पोर्ट बोर्डेक्स पर सिंह पहला राफेल विमान स्वीकार करेंगे। उन्होंने बताया कि पूजा करने के बाद सिंह राफेल में उड़ान भर उसका अनुभव भी लेंगे। सिंह वर्षों से शस्त्र पूजा करते आ रहे हैं। पूर्ववर्ती राजग सरकार में गृहमंत्री रहते हुए भी वह शस्त्र पूजा करते थे।

शस्त्र पूजा या आयुध पूजा में अस्त्र-शस्त्र की पूजा की जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों में यह दशहरा उत्सव का हिस्सा है। रक्षा मंत्री सोमवार को तीन दिन की पेरिस यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। दशहरा और भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस पर वह पहला राफेल लड़ाकू विमान स्वीकार करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बोर्डेक्स के मेरीगनैस सबअर्ब पर पहला राफेल लड़ाकू विमान प्राप्त करने के बाद सिंह शस्त्रपूजा करेंगे। पूजा करने के बाद वह विमान में उड़ान भरेंगे।

मंगलवार की सुबह बोर्डेक्स के लिए रवाना होने से पहले सिंह पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों से मिलेंगे। दोनों के बीच रक्षा एवं सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सिंह को राफेल सौंपने का कार्यक्रम पेरिस से करीब 590 किलोमीटर दूर विमान की निर्माता कंपनी दसाल्ट एविएशन के संयंत्र में है।

हालांकि 36 विमानों में से पहला विमान रक्षा मंत्री को मंगलवार को ही मिल जाएगा लेकिन चार विमानों की पहली खेप अगले वर्ष मई में भारत पहुंचेगी। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता भारत भूषण बाबू ने बताया, रक्षा मंत्री मेरीगनैक में फ्रांस के रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले के साथ राफेल सौंपने के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वह विजयदशमी के पावन अवसर पर शस्त्रपूजा भी करेंगे और विमान में उड़ान भी भरेंगे।

बाबू ने कहा कि सिंह नौ अक्टूबर को फ्रांस की शीर्ष आयुद्ध कंपनियों के सीईओ के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान उनसे मेक इन इंडिया में भाग लेने को कहा जाएगा। संभवतः सिंह उन लोगों को 5 से 8 फरवरी तक लखनऊ में आयोजित रक्षा एक्सपो में आने का न्योता देंगे।

एयर फोर्स डे से पहले फुल ड्रेस रिहर्सल, अपाचे हेलीकॉप्टर रहा आकर्षण का केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आठ अक्टूबर को होने वाले 87 वें एयरफोर्स डे से पूर्व रविवार को हिंडन एयर बेस पर फुलड्रेस रिहर्सल में इंडियन एयर फोर्स ने जमीन से आसमान तक अपनी ताकत का बेहतरीन प्रदर्शन किया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान दुनिया का सबसे खतरनाक युद्धक हेलीकॉप्टर अपाचे सबसे बड़ा आकर्षण रहा। दूसरी ओर पहली बार इस तरह के किसी कार्यक्रम में शामिल हुए चिनूक हेलीकॉप्टर ने लाजवाब उड़ान भरी और सभी का मन मोह लिया। स्वदेशी युद्धक विमान तेजस ने भी परेड में अपनी ताकत का शानदार प्रदर्शन किया । मेक इन इंडिया के तहत बने इस विमान ने सबसे अधिक देर तक आसमान का सीना चीरते हुए शक्ति प्रदर्शन किया । इस जंगी जहाज का आसमान में स्लो स्पीड मोशन सबसे खास रहा।

रविवार को हिंडन एयर बेस पर सुबह सवा 8 बजे परेड कमांडर के नेतृत्व में फुल ड्रेस रिहर्सल शुरू हुई। परेड का शुभारंभ पैरा जंपिंग से हुआ जब आकाश गंगा की टीम के पैराट्रूपर्स हवा में 8 हजार फीट की ऊंचाई से कलाबाजी करते हुए परेड स्थल के ऊपर उड़ते नजर आए। सबकी निगाहें आसमान पर थी ठीक 10 बजे हाल में शामिल हुए चिनूक हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी। उसके बाद विंटेज एयरक्राफ्ट डकोटा, हार्वर्ड और टाइगर मोथ भी आसमान में उड़ानें भरी। वायुसेना ने किस तरह अपनी विरासत को सहेजकर रखा है इसकी उपस्थिति दिखाई।

सी 17 ग्लोब मास्टर, मिराज 2000, सुपर हरक्यूलिस, जगुआर, मिग 27 अपग्रेड और सुखोई एम 30 ने करतब दिखाए। सारंग टीम की डॉल्फिन ड्राइव व हर्ट फॉरमेंशन और सुखोई का 'वी' फॉरमेशन ने खूब तालियां बटोरी तथा काफी देर तक लोग उस पर नजर गड़ाए रहे। अधिकांश लोगों ने अपने मोबाइल से आसमान में चल रहे करतब को कैद करने की कोशिश की। सबसे आखिर में सूर्य किरण के 8 विमानों ने अपनी कौशल, क्षमता और एकाग्रता का सटीक नमूना पेश किया।

• एयर वारियर ड्रिल टीम परेड ग्राउंड पर करतब दिखाते हुए।

• जमीन से आसमान तक किया शक्ति प्रदर्शन

तेजस ने करीब 15 मिनट तक आसमान पर अपनी हवाई ताकत और सटीक लैंडिंग का अहसास कराया। वायु सेना दिवस पर तीनों सेनाओं के प्रमुख भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। एयरफोर्स के इस शो की स्पेशल सरप्राइज एयर वॉरियर्स का ड्रिल टू थ्रील का प्रजेंटेशन रहता है। जंगी जहाजों के उड़ान भरने से पहले यह प्रजेंटेशन हुआ। एयर फोर्स के अधिकारियों ने बताया कि इंडियन एयरफोर्स में एयर वॉरियर्स की सिर्फ एक ही टीम है जिसके द्वारा ड्रिल टू थ्रील प्रजेंट किया जाता है। इस टीम मेंबर्स द्वारा थ्री नॉट थ्री की 5.5 केजी की राइफल के साथ प्रदर्शन किया जाता है। बेहद एक्सपर्ट इस टीम के मेंबर्स द्वारा पलक झपकते ही राइफल बदल ली जाती है और घूमती राइफल में जवान द्वारा क्रास किया जाता है।

जमीन से आकाश में वार करने वाले आकाश मिसाइल सिस्टम और राडार सिस्टम अवॉक्स का भी एयरफोर्स की रिहर्सल पर प्रदर्शन किया गया। दोनों सिस्टम आकाश में दिखने वाले दुश्मन को खोजकर तुरंत नेस्तनाबूद करने में सक्षम हैं। वहीं अवॉक्स आकाश में ही विमान में फ्यूल भरने का काम भी कर सकता है। डिस्पले में मौजूद ध्रुव हेलीकॉप्टर और तेजस विमानों के बारे में भी लोगों ने जवानों से जानकारी ली।

पांच सौ जवानों के कंधों पर होगी सुरक्षा व्यवस्था

गाजियाबाद। एयरफोर्स-डे पर मुख्य आयोजन की सुरक्षा व यातायात व्यवस्था का जिम्मा पांच सौ से अधिक जवानों व अधिकारियों को सौंपा गया है, साथ ही कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन ने रूट डायवर्जन की व्यवस्था भी की है। एयरफोर्स-डे के मौके पर की जाने वाली सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट की मुद्रा में है।

एसपी सिटी का कहना है कि एयरफोर्स-डे के मौके पर फुलप्रूफ सुरक्षा-व्यवस्था रहेगी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान व अधिकारी अलर्ट मोड में रहेंगे। साथ ही कई स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में कमांडो भी हर गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे। यातायात व्यवस्था के लिए सौ से अधिक ट्रैफिक कर्मचारियों व अधिकारियों के जिम्मेदारी दी गई है।

• परेड को सलामी देते वायेसना के हेलीकॉप्टर

• परेड ग्राउंड पर छलांग लगाता पैरा जंपर टीम आकाश गंगा का सदस्य।

• एयर शो के दौरान आसमान में अठखेलियां करते सारंग हेलीकॉप्टर।

संक्षिप्त समाचार

महज 6 रुपये के लिए जमकर चले लात-घूंसे

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र के राजनगर इलाके में 6 रुपये के मामूली विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद इस कदर बढ़ा की दोनों पक्षों के बीच जमकर लात घूंसे चले। दरअसल, राजनगर के आरडीसी इलाके में मॉडल शॉप के पास स्थित कैंटीन में कुछ युवक सामान लेने पहुंचे थे। वहां से खरीदे हुए सामान की कीमत 212 रुपये थी लेकिन, युवक कैंटीन संचालक को 206 रुपये दे रहे थे। इसी बात को लेकर कैंटीन संचालक व उनके बीच विवाद हो गया। कुछ ही देर में विवाद ने झगड़े का रूप ले लिया और दोनों तरफ से जमकर एक दूसरे पर लात घूंसे चलने लगे। यह देख वहां आसपास के लोगों का जमावड़ा लग गया। लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया।

टीवी सीरियल बिग बॉस पर परोसी जा रही फुहड़ता के विरोध में प्रतिबंध की मांग को लेकर अभिनेता सलमान खान का पुतला फूंकते ब्राह्मण सभा के लोग।

अभिनेता सलमान खान का पुतला फूंका

गाजियाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा टीवी सीरियल बिग बॉस पर लगातार प्रतिबंध लगाने की मांग पर अड़ गई है। रविवार को गाजियाबाद में बिग बॉस को होस्ट करने वाले सलमान खान का पुतला फूंककर ब्राह्मण सभा के लोगों ने कड़ा विरोध जताया। ब्राह्मण सभा के लोगों का कहना है कि बिग बॉस में जिस तरह से लगातार अश्लील हरकतों को परोसा जा रहा है उससे हमारी संस्कृति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। खासतौर से युवाओं में इसका मैसेज बहुत गंदा जा रहा है। इसलिए बिग बॉस पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि सोमवार को बड़ी संख्या में लोग एकत्र होकर बिग बॉस पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग करते हुए गाजियाबाद के जिलाधिकारी को ज्ञापन देंगे। ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों का कहना है कि बिग बॉस की वजह से छोटे-छोटे बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है।

ममता की छांव सेवा ट्रस्ट द्वारा दुर्गा अष्टमी पर 111 कन्या-लंकड़ो को प्रसाद खिलाया गया।

ट्रस्ट ने कन्या पूजन कर लगाया भोग

गाजियाबाद। पुराना विजय नगर की रविदास कॉलोनी स्थित ममता की छांव सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित इन्दु शिशु विद्या सदन में नवरात्रि के अवसर पर कन्या पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से एक सौ ग्यारह कन्या-लंकडों को विधिवत तिलक लगाकर प्रशाद के साथ दक्षिणा में रुपए व पेन्सिल दी गई। ट्रस्ट की सचिव व प्रिंसिपल सीमा शर्मा, स्कूल के शिक्षक व शिक्षिका राजेश, मंजू, संगीता, गीता, शिवानी, बबीता व ऊषा तथा ट्रस्ट की महिला समिति की संरक्षक तपोजा पिशन, अध्यक्षा मंजू त्रिपाठी, योग प्रभारी अर्चना शर्मा, मीडिया प्रभारी सुशील शर्मा, संरक्षक वी पी सिंह व स्वरूप नारायण, मंत्री आमोद कपूर, कोषाध्यक्ष डा एम एल त्रिपाठी, वित्तीय सलाहकार महेन्द्र खण्डेलवाल, सहमंत्री संदीप गर्ग व ट्रस्टी सुनील पंडित कन्या पूजन के दौरान उपस्थित थे।

शाहबेरी मामले में 25 करोड़ की संपत्ति जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शाहबेरी मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है जिसमें 25 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की प्रॉपर्टी को अटैच किया गया है। इसमें तीन बिल्डरों की प्रॉपर्टी अटैच की गई। एक बिल्डर के 45 फ्लैट, दूसरे बिल्डर के 30 और एक अन्य बिल्डर के 224 वर्ग मीटर का प्लाट अटैच किया गया है। इसकी कीमत 25 से 35 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एसडीएम दादरी को प्रशासक नियुक्त किया गया है।

3 माह के अंदर अटैच प्रॉपर्टी पर दावा करने का दिया समय गया है। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध आरोपियों पर की गई है। अभी 65 बिल्डरों की गिरफ्तारी होनी है और इन पर भी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कर प्रॉपर्टी को अटैच करने की कार्रवाई की जाएगी।

• प्रशासन ने की तीन बिल्डरों पर बड़ी कार्रवाई

यह जानकारी जिलाधिकारी बीएन सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव कृष्ण ने प्रेसवार्ता के दौरान कैम्प कार्यालय में दी। इसी मामले में बिसरख कोतवाली पुलिस ने एक बिल्डर जसवीर मान को अवैध रूप से बने 170 फ्लैट बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में आरोपी बिल्डर जसवीर के भाई को क्लीन चिट मिली है। पुलिस के अनुसार जो फ्लैट बेचे गए उनकी रजिस्ट्री जसवीर ने ही की है, उसके भाई की इसमें कोई भूमिका नहीं थी।

बता दें कि शाहबेरी में अधिग्रहण रद होने के बाद भी बिल्डरों ने यहां अवैध इमारतों का जाल बिछा दिया। बिना नक्शा पास कराए बिल्डरों ने अवैध इमारतें तैयार कर दी। 17 जुलाई 2018 को दो अवैध इमारतें गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई थी।

मौत के बाद मामला मीडिया की सुर्खियों में आया और तब योगी सरकार ने शाहबेरी प्रकरण में सख्त तेवर अपनाए। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद पुलिस प्रशासन ने आरोपियों के प्रति कार्रवाई तेज कर दी है।

लॉटरी प्रक्रिया से हुआ ग्राम पंचायत सचिवों का तबादला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने इस बार गांव में विकास कार्य को व्यवस्थित ढंग से करने के लिए जनपद की 161 ग्राम पंचायतों पर तैनात सचिवों के तबादले लाटरी प्रक्रिया से किए हैं। तबादले करने के बाद उन्होंने पंचायत सचिवों को हिदायत दी है कि वह गांव के विकास कार्यों में कोई बाधा नहीं आने दे और समय सीमा के भीतर विकास कार्यों को कराएं।

डीएम ने बताया कि ग्राम पंचायतों में व्यवस्था बहुत खराब थी। 161 ग्राम पंचायतों में मात्र 58 ग्राम पंचायत सचिव तैनात हैं लेकिन, ग्राम पंचायतों के चार्ज में बड़ी गड़बड़ी थी। इसमें किसी ग्राम पंचायत सचिव के पास 10-10 गांव थे तो किसी के पास एक या दो ही गांव थे।

उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए चारों विकास खंडों में कुल 58 क्लस्टर बनाए गए। जिसमें रजापुर में 14, लोनी में 12, मुरादनगर में 16 और भोजपुर में 16। उन्होंने बताया कि सभी ग्राम पंचायत सचिव को कलक्ट्रेट बुलाकर तबादले के लिए उन्हीं के हाथों से पर्ची उठाई गई जिसकी पर्ची में जो गांव आया उसको वहीं तैनात किया गया।

डिप्थीरिया टीकाकरण अभियान 15 से चलेगा

गाजियाबाद। शासन के निर्देश पर जिले में 15 अक्टूबर से डिप्थीरिया टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान एक लाख से ज्यादा बच्चों को टीका लगाया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि इसके लिए सभी चिकित्सा प्रभारियों की वर्कशॉप की जा चुकी है। जिले के सरकारी और निजी स्कूलों से ऐसे बच्चों की जानकारी मांगी जा रही है जो पिछले साल अभियान के दौरान टीकाकरण से छूट गए थे।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि लगातार डिप्थीरिया के मामले सामने आने के बाद शासन स्तर से टीकाकरण के निर्देश जारी किए गए हैं।

हवन सामग्री वाले रावण के पुतले का किया दहन

गाजियाबाद। साहिबाबाद स्थित स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर में प्रदूषण रहित रावण के पुतले का दहन किया गया। स्कूली बच्चों ने रावण के पुतले में काम, क्रोध, लालच, लोभ जैसी बुराइयों को माला के रूप में दर्शाया था।

प्रधानाचार्य विशोक कुमार ने कहा कि रावण के पुतले में वायु या ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल नहीं किया गया था। पुतले में पटाखों के स्थान पर हवन सामग्री का उपयोग किया गया जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में यहां पढ़ने वाले नन्हें बच्चों ने भगवान श्री राम, लक्ष्मण, सीता व हनुमान का वेश धारण किया हुआ था।

घर पहुंचा चार साल पहले चोरी हो गई बाइक का चालान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद की डिफेंस कॉलोनी से चार साल पहले चोरी हुई मोटरसाइकिल गाजियाबाद में ही चलाई जा रही है। इन चार सालों में चोरों को पकड़ना तो दूर, पुलिस ने मामले की रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की। मोटरसाइकिल का शहर के दिल्ली गेट पर चालान कटा और उसकी कॉपी पीड़ित के घर पहुंची तो वह हतप्रभ रह गया।

डीएलएफ कॉलोनी में रहने वाले प्रदीप कुमार राय की जुलाई 2015 में डिफेंस कॉलोनी से मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। उन्होंने सौ नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी और तुलसी निकेतन चौकी पर शिकायत की लेकिन, रिपोर्ट नहीं दर्ज हुई। उनका आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज कराने और मोटरसाइकिल के बारे में जानकारी लेने के लिए वह दर्जनों बार तुलसी निकेतन चौकी गए लेकिन, उन्हें वहां केवल आश्वासन ही मिला।

• पीड़ित ने एसएसपी से की मामले की शिकायत

मई 2019 में उनके घर चोरी हुई बाइक का चालान की कॉपी पहुंची जिसमें दिल्ली गेट पर चालान काटा गया है। चालान की कॉपी देखकर वह परेशान हो गए। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

महानगर में स्पा व मसाज सेंटर्स की आड़ में देह व्यापार का धंधा चलने का सिलसिला लगातार जारी है। आरडीसी के बाद रविवार को साहिबाबाद के इंदिरापुरम इलाके में पुलिस व प्रशासन की टीम ने तीन स्पा सेंटरों में छापेमारी की। छापे के दौरान स्पा सेंटर के अंदर 9 युवक व 10 युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पुलिस को देखकर वहां पर भगदड़ मच गई, लेकिन पुलिस ने सबको दबोच लिया।

युवक-युवतियों से पूछताछ में पता चला कि इस स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर देह व्यापार का रैकेट चलता है। यह भी पता चला है कि पुलिस को इस बाबत शिकायत भी मिल रही थी। फिर मौका

देखकर पुलिस टीम ने छापा मारा तो इतने बड़े रैकेट का खुलासा हुआ।

बता दें पिछले दिनों भी शहर के एक स्पा सेंटर में देह व्यापार का भंडाफोड़ करते हुए कविनगर थाना पुलिस ने 4 युवतियों के अलावा, स्पा सेंटर मालिक समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान भी मामले की जांच के दौरान कई सनसनीखेज खुलासे हुए थे। यह स्पा सेंटर पुलिस की नाक के नीचे यानी राजनगर डिस्ट्रिक्स सेंटर में चल रहा था। यहां पर छापे के दौरान पुलिस को स्पा सेंटर में कई आपत्तिजनक वस्तुएं भी बरामद हुई थीं।

• छापेमारी में 19 युवक और युवतियां गिरफ्तार

स्पा सेंटर वाट्सएप के माध्यम से ग्राहकों से जुड़ा था और लोगों को लड़कियों की फोटो भेजकर यहां पर आने के लिए प्रेरित करता था। यह भी पता चला है कि वाट्सऐप पर फोटो दिखाकर कीमत तय होती थी। जो लोग वाट्सऐप पर जुड़े होते उन्हीं लोगों की स्पा सेंटर में एंट्री होती थी। अनजान व्यक्ति को साफ तौर पर मना कर दिया जाता था।

20 वर्ष पहले खरीदी जमीन के देने होंगे रुपए और ब्याज भी

किसानों को अतिरिक्त भुगतान करने के चलते लिया प्राधिकरण ने फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के लगभग 50 सेक्टरों के निवासियों की इस साल की दिवाली काली होने वाली है। ग्रेनो प्राधिकरण ने इन सेक्टरों के निवासियों को 20 साल पहले खरीदे गए भूखंड के लिए अब अतिरिक्त पैसे का भुगतान करने का फरमान सुनाया है। प्राधिकरण के इस फरमान से यहां निवास कर रहे लगभग 25 हजार लोगों की मुसीबतें बढ़ गई हैं।

प्राधिकरण की तरफ से 29 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा देने के एवज में विभिन्न सेक्टरों में रहने वालों से 1287 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से अतिरिक्त पैसे वसूले जाएंगे। इस राशि पर एक मई से अबतक का 11 प्रतिशत ब्याज भी देना होगा। इस तरह 200 वर्ग मीटर आकार के प्लॉट के लिए चार लाख 29 हजार 766 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। अधिसूचना के अनुसार, यह रकम तीन-तीन माह के अंतराल पर चार किस्तों में देनी होगी। पहली किस्त 31 अक्टूबर तक जमा करनी है। प्राधिकरण ने इस बाबत शहरवासियों को नोटिस भेजने भी शुरू कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के 39 गांवों के किसानों ने जमीन अधिग्रहण के विरोध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति एसयू खान और न्यायमूर्ति वीके शुक्ला की पीठ ने 22 अक्टूबर, 2011 को अपने फैसले में किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा और 10 प्रतिशत आबादी के विकसित प्लाट देने के आदेश प्राधिकरण को दिए थे। प्राधिकरण ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए किसानों को अतिरिक्त मुआवजे की राशि बांट दी थी। प्राधिकरण अब अतिरिक्त मुआवजे के रूप में किसानों को बांटी गई धनराशि आवंटियों से वसूलने जा रही है। प्राधिकरण का कहना है कि ये आवंटी उन सेक्टरों के हैं, जो कोर्ट जाने वाले 39 गांवों के किसानों की जमीन पर बसे हैं।

ये होंगी किस्तों की राशि

200 वर्गमीटर आकार के भूखंड के आवंटियों को पहली किस्त के रूप में ब्याज सहित एक लाख 27 हजार 258 रुपये 31 अक्टूबर, 2019 को देने होंगे। दूसरी किस्त ब्याज सहित 1,16378 रुपये 31 जनवरी 2020 को, तीसरी किस्त 1,13270 रुपये, 30 अप्रैल, 2020 को और चौथी किस्त 1,10421 रुपये, 31 जुलाई, 2020 को देनी होगी। प्राधिकरण के इस कदम से निवासी हताश और परेशान हैं। धीरे-धीरे उनमें विरोध के स्वर भी फूटने लगे हैं।

चालान काउंटर पर अब बैठेंगी 11 महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा ट्रैफिक पुलिस की महिलाकर्मी अब चालान काउंटर संभालेंगी। इसके लिए 11 महिला कॉन्स्टेबलों की ड्यूटी लगाई है। अभी तक विभाग में दो महिला पुलिसकर्मियों के होने के कारण उनकी ड्यूटी लगाई गई थी। अब ट्रैफिक पुलिस को 210 कर्मियों में 9 महिला सिपाही मिली हैं।

दरअसल सेक्टर-14ए पुलिस ऑफिस में ट्रैफिक चालान जमा होता है। इसके लिए वहां दो काउंटर बनाए गए हैं जहां रोजाना 2-3 हजार लोगों का करीब 7-8 लाख रुपये के चालान का जुर्माना जमा होता है। इसके लिए करीब 12 से 15 लोगों की ड्यूटी लगाई जाती है। एसपी ट्रैफिक अनिल कुमार झा ने बताया है कि काउंटर पर महिलाओं की तैनाती से वहां काम करने वाले पुरुष कॉन्स्टेबलों की ड्यूटी चौराहों पर लगाई जा सकती है।

छह ऑटो किए जब्त, 13 का चालान काटा : सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पर शनिवार को सिटी मैजिस्ट्रेट शैलेंद्र कुमार मिश्र, एआरटीओ प्रवर्तन हिमेश तिवारी, एआरटीओ प्रवर्तन प्रशांत तिवारी के नेतृत्व में ऑटो वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान स्टेशन के बाहर ऑटो खड़ा कर सवारी बैठाने वाले 6 ऑटो को जब्त किया गया और 13 का चालान किया गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 7 अक्टूबर 2019

बिजली कंपनियों पर 1.71 करोड़ का जुर्माना

सौर ऊर्जा खरीद नियमों का पालन नहीं करने पर डीईआरसी ने की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिजली नियामक डीईआरसी ने सौर ऊर्जा खरीद (आरपीओ) नियमों का पालन नहीं करने को लेकर टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) पर 1.71 करोड़ रुपये और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड तथा बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड पर क्रमश 2.88, 2.88 करोड़ का जुर्माना लगाया है।

वितरण कंपनियों पर यह जुर्माना तीन वित्त वर्षों 2012-13, 2013-14 और 2014-15) के लिए लगाए गए हैं। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने अक्षय ऊर्जा खरीद नियमों को पूरा नहीं करने को लेकर पिछले महीने जुर्माना लगाने का आदेश दिया। टीपीडीडीएल के प्रवक्ता ने कहा कि डीईआरसी के आदेश पर गौर किया जा रहा है कि इस संदर्भ में उपयुक्त कदम उठाया जाएगा। उसने कहा आरपीओ के अनुपालन को लेकर पर्याप्त नवीकरणीय ऊर्जा या आरईसी (अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र) बिजली बाजारों में वाजिब दरों पर उपलब्ध नहीं है। प्रवक्ता के अनुसार अगर वितरण कंपनियों को आरपीओ शर्तों को पूरा करने के लिए अधिक राशि खर्च करनी

एक महीने के भीतर भरनी होगी रकम

डीईआरसी मुताबिक सभी बातों और विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण के विभिन्न दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, आरपीओ नियम का पालन नहीं करने को लेकर वितरण कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। वितरण कंपनियों से आदेश की तारीख से एक महीने के भीतर जुर्माना देने को कहा गया है।

पड़ेगी तो इसका नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़ेगा और अंत में ग्राहकों पर अतिरिक्त शुल्क के रूप में बोझ बढ़ेगा बीएसईएस वितरण कंपनियों के प्रवक्ता ने बताया कि प्रतिस्पर्धी दरों पर 1,700 मेगावाट हरित ऊर्जा के लिए दीर्घकालीन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इससे बीएसईएस की कुल ऊर्जा में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर

- ग्रीन एनर्जी और इंडियन विंड पावर की याचिका पर दिया आदेश

वर्ष 2021-22 तक बढ़कर 27 प्रतिशत हो जाएगी। बीएसईएस वर्ष 2021-22 से आरपीओ जरूरतों का 100 प्रतिशत पालन करेगा और हरित ऊर्जा के जरिए प्राप्त अधिशेष ऊर्जा से कंपनी को पूर्व वर्षों में आरपीओ की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी।

ग्रीन एनर्जी एसोसिएशयन और इंडियन विंड पावर एसोसिएशन की टीपीडीडीएल, बीवाईपीएल तथा बीआरपीएल के खिलाफ याचिकाओं पर डीईआरसी ने उक्त आदेश दिया। याचिकाकर्ताओं ने आरपीओ नियम का पालन नहीं करने को लेकर डीईआरसी (अक्षय ऊर्जा खरीद बाध्यता और अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र रूपरेखा क्रियान्वयन) नियम 2012 के तहत कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। आयोग ने 18 सितंबर को दिए अपने आदेश में कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वितरण कंपनियां आरपीओ नियम का पालन करने में असफल रही हैं।

नवरात्र में महाअष्टमी का विशेष महत्व है। महाअष्टमी पर रविवार को शक्ति की देवी मां दुर्गा की पूजा अर्चना के लिए मंडपों श्रद्धालुओं की भीड़उमड़ पड़ी। मिनी कोलकता कहे जाने वाले दिल्ली के चितरंजन पार्क में दुर्गा पूजा का भव्य और पारंपरिक रूप में आयोजन किया जाता है इसे देखने के लिए पूरी दिल्ली से लोग जुटते हैं। फोटो : रंजन डिमरी

रावण भी नहीं हिला सका था अंगद का पांव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आदर्श रामलीला कमेटी अशोक विहार फेस 2 में अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण मूर्छा के मार्मिक दृश्य की सुंदर लीला का मंचन किया गया मंचन के दौरान अनेक आधुनिकतम व कंप्यूटराइज यंत्रों से दृश्य को रोमांचकारी बना दिया। जिससे युद्ध में तलवारों से चिंगारी, तीर के साथ निकलते अंगारे व जंगल बादल वर्षा आदि के विहंगम दृश्यों का विस्मयकारी प्रस्तुतीकरण देख दर्शक उत्साहित हुए।

प्रथम दृश्य में दिखाया गया कि युद्ध से होने वाली क्षति को रोकने के लिए प्रभु राम बाली पुत्र अंगद को शांति दूत बनाकर लंका भेजते हैं। महाबली अंगद और दशानन के मध्य हुए तीखे संवाद ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। अंगद रावण की सभा में पांव जमाकर कहते हैं कि जो भी लंकेश दरबारी उनके पैर हिला देगा तो वह स्वयं ही भगवान राम की ओर से समर्पण कर देंगे। किंतु कोई भी दरबारी उनके पांव को टस से मस भी नहीं कर पाता। इस पर रावण स्वयं अंगद का पैर उठाने के लिए झुकता है। अंगद तुरंत पीछे हट जाते है और कहते है कि हे अहंकारी लंकेश।

यदि चरणों में गिरना है तो सृष्टिकर्ता प्रभु श्रीराम के चरणों में जाओ। वे उदार हृदय वाले हैं। उनके शरण में जाने से पापी भी निष्पाप होकर भव सागर पार हो जाता है। इसी के साथ पूरा पांडाल जय सियाराम के जयकारों से गूंज उठा।

जय श्रीराम

एनआरसी पर झूठ बोल रही है आप : जावडेकर

दिल्ली चुनाव में रणनीति के तहत भाजपा ने पेश नहीं किया सीएम पद का उम्मीदवार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावडेकर ने एनआरसी को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से दिए बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को यह समझ है कि यह कितना महत्वपूर्ण है क्योंकि कोई भी देश अपने यहां घुसपैठियों को नही रहने देना चाहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा दिल्ली विधानसभा में लोकसभा की सफलता दोहराएगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने केजरीवाल ने कहा था कि अगर दिल्ली में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू होता है तो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी को सबसे पहले राष्ट्रीय राजधानी छोड़नी पड़ेगी जिसपर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। जावड़ेकर ने कहा, एनआरसी पर केवल केजरीवाल भ्रमित हैं और यह उनकी समझ है

लेकिन वह देश के लोगों का विचार नहीं है, वे जानते हैं कि कोई भी देश घुसपैठियों को रहने की इजाजत नहीं दे सकता। इसलिए एनआरसी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि नागरिकता संशोधन विधेयक पारित किया जाएगा।

विधेयक में मुस्लिम बहुल देशों अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले हिंदू, जैन, सिख, ईसाई, पारसी लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान है, जो छह साल से अधिक समय से भारत में रह रहे हैं। जावड़ेकर ने आरोप लगाया कि आप आदमी पार्टी (आप) की रणनीति झूठ के इर्दगिर्द है और दूसरों के कार्यों का श्रेय लेने की है। उन्होंने दावा किया कि अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलेगा।

पार्टी की नजर आगामी विधानसभा चुनाव पर

दिल्ली प्रदेश भाजपा नेतृत्व में किसी बदलाव के बारे में पूछे जाने पर जावड़ेकर ने कहा कि पार्टी का ध्यान विधानसभा चुनाव जीतने पर है और वह इसकी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, हम संगठनात्मक चुनाव और उसकी समय सारिणी की घोषणा कर चुके हैं। मौजूदा समय में हम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में बदलने (मनोज तिवारी को) का सवाल ही कहां हैं। हमारी पार्टी में संगठनात्मक चुनाव की एक प्रणाली है। जावड़ेकर ने कहा, नया अध्यक्ष चुनाव के जरिए आता है। हम किसी को नहीं हटाते। जिम्मेदारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को जाती है इसका मतलब हटाना नहीं है।

मुफ्त पानी के नाम पर धोखा दे रहे केजरीवाल : भाजपा

नई दिल्ली। बिजली बिल हाफ , पानी बिल माफ का वादा कर दिल्ली की सत्ता में जिस तरह पहली बार केजरीवाल सरकार ने सेंध लगाई थी।

अब अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है केजरीवाल सरकार पर उसी पानी के मुद्दे पर भाजपा आप सरकार पर हमला करने की तैयारी कर रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी और नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बीआईएस की जाँच रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली का पानी पीने योग्य नहीं है।

राजधानी में पानी के जितने भी नमूने जाँच के लिए गए सब में कमियां पाई गई हैं जिसके कारण गरीब लोग खरीद कर पानी पीने के लिए मजबूर हैं। जो लोग पानी नहीं खरीद सकते वे यह प्रदूषित जल पीने के लिए मजबूर हैं। भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि केजरीवाल जल बोर्ड के चेयरमैन हैं इसलिए उन्हें जवाब देना चाहिए कि दिल्ली के लोगों को पानी के रूप में बीमारी क्यों बांट रहे हैं।

रोहणी में निकाली गई गांधी संकल्प यात्रा

नई दिल्ली। नई दिल्ली। रोहिणी के सेक्टर 7 में गांधी संकल्प यात्रा निकाली गई। इस यात्रा भाग ले रहे लोगों ने प्लास्टिक हटाओ, देश बचाओ। मत करो देश को मैला, उपयोग करो कपड़े का थैला जैसे नारे लगाए। इसमें शामिल लोगों ने स्थानीय निवासियों व व राहगिरों को प्लास्टिक त्याग कर कपड़े का थैला इस्तेमाल करने का अनुरोध किया।

इस दौरान मिलने वाले सभी लोगों को थैले भी भेंट किये और अनुरोध किया कि सभी प्लास्टिक को अपने जीवन से निकाल फेकें व रोजमर्रा के इस्तेमाल में थैले का उपयोग करें। गांधी संकल्प यात्रा रोहिणी सेक्टर 7 से शुरु होकर नाहरपूर मार्किट और साईबाबा से होती हुई सेक्टर सात में समाप्त हुई।

पूर्व विधायक प्रह्लाद सिंह साहनी आप में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस से चार बार विधायक रहे प्रह्लाद सिंह साहनी रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए।

साहनी (68) ने कहा कि वह आम आदमी पार्टी (आप) के कार्य से प्रभावित हुए हैं और वह जहां भी जाते हैं उन्हें आप द्वारा किए गए विकास के कार्य सुनने को मिलते हैं। साहनी दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता शीला दीक्षित के करीबी सहयोगी रह चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट पाने के मकसद से वह पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं, बल्कि दिल्ली के विकास की दिशा में काम करने के इरादे से पार्टी में शामिल हो रहे हैं। पार्टी में साहनी का स्वागत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि वह अपनी टीम के साथ आप में शामिल हो गए हैं।

उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी की शुरुआत एक आंदोलन के तौर पर हुई थी और ऐसा भी वक्त था जब सत्ता आने पर पार्टियां अपना विजन खो देती हैं लेकिन आप के साथ ऐसा नहीं है। सत्ता में आने के बाद से हमने क्रांतिकारी कार्य किए हैं।

प्रह्लाद साहनी 1998 से 2015 तक चांदनी चौक से विधायक रहे। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में उन्हें आप उम्मीदवार अलका लांबा ने हराया था।

पार्टी में शामिल होने पर प्रह्लाद साहनी को बधाई देते मुख्यमंत्री केजरीवाल। फोटो रंजन डिमरी

तिहाड़ में बंद गैंगस्टर ने पक्षपात का लगाया आरोप, बदली गई कोठरी

नई दिल्ली। माफिया सरगना मुन्ना बजरंगी की हत्या के आरोपी गैंगस्टर सुनील राठी के तिहाड़ जेल कर्मियों का व्यवहार पक्षपातपूर्ण, असहयोगात्मक और खतरनाक होने का आरोप लगाने के बाद उसकी कोठरी बदल दी गई है।

यह जानकारी जेल प्रशासन ने दिल्ली की अदालत को दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कमिनी लाउ ने राठी को स्थानातंरित करने का निर्देश दिया था जिसके बाद तिहाड़ जेल प्रशासन ने आज्ञापालन रिपोर्ट में यह जानकारी दी। स्थिति रिपोर्ट में जेल प्रशासन ने अदालत को बताया कि राठी को जेल संख्या पांच से उच्च सुरक्षा वाली जेल संख्या तीन में स्थानांतरित किया गया है।

राठी को चिकित्सा कारणों से जेल कल्याण कैंटीन से अनुकूल बिस्तर की व्यवस्था करने की अनुमति दी गई है एवं स्लिप डिस्क की बीमारी के लिए नियमित तौर पर तंत्रिका तंत्र विशेषज्ञ से इलाज कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

550वें प्रकाश पर्व के मौके पार बाइक रैली निकाले सिख समुदाय के लोग।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर निकाली बाइक रैली

नई दिल्ली। गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के मौके पर दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा दिल्ली से करनाल तक सरबत का भला बाइक राइड का आयोजन किया गया जिसमें गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिह सिरसा की अगुवाई में 1500 के करीब बाइक राइडरज ने पूरे जोश के साथ अपनी मौजूदगी दर्ज करते हुए गुरु साहिब को संदेश घर-घर तक पहुंचाने की मुहिम को बड़ी आवाज दी। इस मौके पर सिरसा ने कहा कि गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के मौके पर इस अनूठी बाइक राइड का मकसद हर व्यक्ति तक गुरु साहिब का संदेश व उपदेश पहुंचाना है। इस मौके पर दिल्ली कमेटी के महासचिव हरमीत सिंह कालका व अन्य कमेटी सदस्यों में हरविंदर सिंह केपी, आत्म सिंह लुबाना, परमजीत सिंह राणा, हरजीत सिंह पप्पा, जतिंदर सिंह शंटी, सरबजीत सिंह विरक भी मौजूद रहे।

सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राकेश कुमार सम्मानित

नई दिल्ली। सीआईएसएफ की वार्षिक परेड में उल्लेखनीय कार्य के लिए डिप्टी कमांडेट राकेश कुमार निखिज को विशिष्ट प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डायरेक्टर जनरल राजेश रंजन ने पहले की निखिज को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित चुके है। राकेश कुमार 28 अक्टूबर, 2012 को सहायक कमांडेंट के रूप में अर्द्धसैनिक बल में शामिल हुए थे। बल की वार्षिक परेड में उन्होंने शानदार संचालन में अपनी गरिमापूर्ण आवज से लोगों का मन मोह लिया था। वहीं राकेश कुमार सोशल मीडिया में भी काफी सक्रिय है। उनका एक वीडियो काफी वारयल हुआ था जिसमें दिखाया गया कि सिविल सेना में साक्षात्कार के दौरान कैसे प्रश्न पूछे जाते है। इस वीडियो में सिविल सेवा की तैयारियों को लेकर कुछ भ्रांतियों को खत्म किया गया था। वीडिया की साक्षात्कार टीम में राकेश शामिल थे।

टीवी शो बिग बॉस पर प्रतिबंध लगाने की मांग

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री श्री प्रकास: जावेड़कर को एक पत्र भेजकर कलर्स टीवी चैनल पर चल रहे टीवी शो बिग बॉस के प्रसारण पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। कैट ने कहा है की इस सीरियल में बेहद अश्लीलता और फूहड़ता का खुले आम घिनौना प्रदर्शन कि सीरियल को घरेलू माहौल में देखना मुश्किल है और हमारे देश के पुराने पारंपरिक सामजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं ! टीआरपी और मुनाफे की लालसा मे बिग बॉस टीवी चैनल के जरिये देश में सामाजिक समरसता को धूमिल कर रहा है जिसे भारत जैसे देश की विविध संस्कृति वाले देश में कतई अनुमति नहीं दी जा सकती है।

गुलेल गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार

पीएनएस। नई दिल्ली

कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे कीमती सामानों को चोरी करने वाले गिरोह का फंडाफोड़ करते हुए दक्षिण पूर्वी जिले की पुलिस ने गुलेल गैंग के तीन बदमाशों को सुरजकुंड बार्डर व एमबी रोड से गिरफ्तार किया।

इन लोगों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल गुलेल, टैंपो व लैपटॉप, स्मार्ट फोन, आई फोन बरामद किए गए हैं। आरोपियों की पहचान नसरुद्दीन, अंकित और जाकिर के रूप हुई है। गिरोह के लुटेरे कार की विंडो का शीशा तोड़कर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिस्वाल के अनुसार, शास्त्री नगर गाजियाबाद के रहने वाले शिकायतकर्ता ने पुल प्रहलादपुर थाने में लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि घर लौटते समय सुरजकुंड रोड पर कुछ सामान खरीदने गए थे। लौटकर आए तो देखा कि कार का शीश टूटा था और उसमें रखा लैपटॉप बैग, मोबाइल फोन समेत कुछ अन्य दस्तावेज गायब थे। उनकी शिकायत पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। पुलिस पिकेट पर वाहनों की जांच कर रहे थे। बदरपुर बार्डर से आ रहे एक संदिग्ध टैंपो पर पड़ी। इसमें तीन लोग सवार थे। जांच में बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

झपटमारी व लूट का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। झपटमारी और लूट की कई वारदातों को अंजाम देने वाले एक कुख्यात बदमाशा को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रिषभ के रूप में हुई है। इसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बारह मामलों को सुझाने का दावा किया है। इनके पास से पिस्टल, जिंदा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की है।

स्पेशल सेल की पुलिस उपायुक्त संजीव यादव के अनुसार 12 अगस्त को निठारी स्थित एक ऑफिस में मनोज कुमार पर चाकू से वार कर 2.7 लाख रुपये लूट लिए। मामला प्रेम नगर थाने में दर्ज किया गया। इसी बीच जानकारी मिली कि मामले का आरोपी बुध विहार गंदा नाले के पास आने वाला है। पुलिस ने ट्रेप लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली व एनसीआर में वारदातों का शतक लगाने वाले तीन धरे गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के मायापुरी इलाके में तीन लोगों को राष्ट्रीय राजधानी में छीना-झपटी के 100 से ज्यादा मामलों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि जहांगीरपुरी के रहनेवाले राजा, आशु और शेख नसीर छीने हुए मोबाइल फोन को पश्चिम बंगाल में भेजने का काम करते थे और फिर वहां से ए सामान पश्चिम बंगाल भेज दिए जाते थे। उन्होंने बताया कि चोरी के दो मोटरसाइकिल, दो स्कूटर और 17 छीने हुए मोबाइल फोन आरोपियों के पास से बरामद हुए हैं।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) दीपक पुरोहित ने बताया कि मायापुरी डिपो पर शनिवार रात में मायापुरी चौक से आ रही गाड़ियों की जांच के लिए तैनात किया गया। जांच के दौरान शाम पांच बजे इन तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

हिन्दी माह के समापन पर कवि सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने हिन्दी माह के समापन अवसर पर दिल्ली हिन्दी अकादमी के सहयोग से कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में एक हिन्दी कवि सम्मेलन आयोजित किया। इस कवि सम्मेलन में हिन्दी के प्रमुख मंचीय कवि सुरेन्द्र शर्मा, महेन्द्र अजनबी, वेद प्रकाश, मोहम्मद खुदनुस, सीता सागर और शालिनी सरगम ने हजारों श्रोताओं को अपनी कविताओं से मंत्रमुग्ध किया ।

मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, उपाध्यक्ष हिन्दी अकादमी सुरेन्द्र शर्मा एवं सचिव हिन्दी अकादमी, जीतराम भटट् विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।

गाजीपुर मंडी के फूलों से सजा वैष्णो देवी मंदिर

डहेलिया, गुलाब, ऑर्किड, लिली, मोगरा के फूलों से महक रहा माता का दरबार

- कांगड़ा देवी व ज्वाला देवी मंदिरों को भी सजाया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वैष्णो देवी मंदिर परिसर इन दिनों दिल्ली के गाजीपुर फूलों की मंडी से आए फूलों से महक रहा है।

इस नवरात्रि गाजीपुर फूल मंडी से आए गुलाब, डहेलिया, ऑर्किड और गेंदे के फूलों से मंदिर परिसर को सजाया गया है। त्रिकुट पर्वत में स्थित मंदिर की दिशा में जैसे-जैसे आगे बढ़ते जाते हैं वैसे-वैसे रंग-बिरंगी फूलों की महक मन को मोहती जाती है। मंदिर परिसर को त्योहारी रंग देने के लिए इसे फूलों से सजाया गया है। डहेलिया, गुलाब, ऑर्किड, लिली, मोगरा ए सभी फूल एक साथ भवन को रंगीन रूप प्रदान कर रहे हैं।

नवरात्रि के दौरान 50,000 से अधिक श्रद्धालु वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आते हैं। फूल मंडी के अध्यक्ष विजय सिंह के अनुसार, न सिर्फ वैष्णो देवी बल्कि कांगड़ा देवी तथा ज्वाला देवी मंदिरों को भी हमारी मंडी के फूलों से सजाया गया है। पिछले कई साल से मंडी से फूल खरीदने की परंपरा चली आ रही है। मंडी के प्रतिनिधियों ने कहा कि भवन और मुख्य भवन के प्रवेश द्वार को सजाने के लिए करीब तीन करोड़ रुपए के फूलों को दो बार में भेजा गया है।

मंडी द्वारा दिए गए आंकड़े के अनुसार गुलाब के 18,000 बंडल, जरबेरा के 22,000 बंडल, ऑर्किड के 7,000 बंडल, ऐंथूरियम के 6,000 बंडल, लिली के 10,000 बंडल और गेंदे के फूलों के साथ अन्य फूल दो बैच में भेजे गए हैं। भवन को सजाने के लिए 350 से 400 व्यक्तियों को भेजा गया है। प्रतिनिधियों ने बताया कि 25 साल से यह परंपरा चली आ रही है।

नामांकन वापसी का आज अंतिम दिन भाजपा को उमेश अग्रवाल से उम्मीद

विधायक उमेश की पत्नी अनीता ने नाम वापस नहीं लिया तो बीजेपी को उठाना पड़ सकता है नुकसान

उमेश व बीजेपी प्रत्याशी सुधीर सिंगला हैं आपस में रिश्तेदार

उमेश कार्यकर्ताओं की सुनेंगे या रिश्तेदारी निभाएंगे, बड़ा सवाल

संजय कुमार मेहरा, गुरुग्राम।

पूर्व मंत्री स्वर्गीय सीताराम सिंगला के बाद बीजेपी को मजबूत बनाने में अगर किसी नेता का नाम आता है तो वह है विधायक उमेश अग्रवाल। उमेश अग्रवाल ने तन-मन-धन से पार्टी को सींचकर मजबूत बनाया है। पार्टी के जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारी पार्टी के लिए वो सब नहीं कर पाए, जो कि उमेश अग्रवाल ने किया है। पार्टी के पुराने पदाधिकारी इस बात को प्रमुखता के साथ कहते रहे हैं।

गुड़गांव विधानसभा से लगातार तीसरी बार टिकट दिए जाने की उनकी मांग को कोई जायज बता रहा था तो कोई नाजायज। फिर भी वे खुद को साबित करके पार्टी की टिकट हासिल करने में लगे थे। टिकट आवंटन के अंतिम दिन की शाम तक उन्हें पूरी उम्मीद थी कि इस बार भी पार्टी उन पर विश्वास जताएगी और टिकट देगी। लेकिन रात साढ़े 10 बजे टिकट की घोषणा के बाद उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। इसी शाम को उन्होंने सेक्टर-5 के हुडा मैदान में कार्यकर्ताओं का बड़ा सम्मेलन भी बुलाया था। इस सम्मेलन में भी सभी को चुनाव संबंधी जानकारियां देते हुए कड़ी मेहनत की बात कही गई। खैर उन्हें टिकट नहीं मिली, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। अपने विधायक रहते हुए किए गए कार्यों और जनता से मिल रहे स्नेह का उन्होंने गहन मूल्यांकन किया। इसके बाद निर्णय ले लिया कि चुनाव मैदान में वे उतरेंगे, लेकिन चुनाव उनकी जगह उनकी पत्नी अनीता लूथरा अग्रवाल निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर लड़ेंगी। नामांकन के अंतिम दिन अनीता लूथरा अग्रवाल ने नामांकन भी कर दिया। अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि विधायक उमेश अग्रवाल को पार्टी के नेता मनाने में जुटे हैं। उनकी पत्नी का नामांकन वापस कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को नामांकन वापसी का अंतिम दिन है। अगर उमेश अग्रवाल अपनी पत्नी का नामांकन वापस नहीं कराते हैं तो फिर चुनाव मैदान में उन्हें डटे रहना होगा और मेहनत भी करनी होगी।

लगातार दो योजनाओं से बीजेपी प्रत्याशी रहे उमेश

राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं हैं कि उमेश अग्रवाल लगातार दस साल से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। भले ही पहले का चुनाव वे हारे, लेकिन दूसरी बार रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की। जनता की जिस तरह से उन्होंने सेवा की है, उससे साबित होता है कि जनता का बड़ा समर्थन उनके साथ है। इसलिए वे बीजेपी प्रत्याशी की जीत का राह में रोड़ा बन सकते हैं। भले ही सामने उनके रिश्तेदार सुधीर सिंगला बीजेपी प्रत्याशी के रूप में हों, लेकिन राजनीति में भावनाओं को एक तरफ रख दिया जाता है। अब गेंद उमेश अग्रवाल के पाले में है कि क्या वे रिश्तेदारी निभाते हुए पत्नी का नामांकन वापस कराएंगे या फिर टिकट काटे जाने के बदले बीजेपी को निर्दलीय चुनाव लड़कर कोई बड़ा सबक देंगे। अभी तक के इनपुट से नहीं लग रहा कि वे नाम वापस लेंगे।

गांधी जयंती पर ओएनजीसी ने मनाया राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस

ईको-फ्रेंडली बैग लॉन्च किया गया

विकलांग बच्चों को उपकरण प्रदान किए

पायनियर समाचार सेवा, नई दिल्ली।

ओएनजीसी (ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन) द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में सेफ एप्रोच के संयुक्त सहयोग से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ओएनजीसी के प्रमुख समन्वय एचपी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। दिल्ली के मंडी हाउस के पास एलटीजी ऑडिटोरियम, कोपरनिकस मार्ग में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

इस आयोजन का उद्देश्य 'सिंगल यूज प्लास्टिक' का उपयोग खत्म करने के लिए जागरूकता फैलाना था। मेहमानों के स्वागत के साथ कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे शुरू हुआ। इस आयोजन का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। फिर सभी अतिथियों के साथ-साथ दर्शकों द्वारा प्लास्टिक के सिंगल उपयोग को रोकने के लिए प्रतिज्ञा ली गई।

इसके बाद गांधी जी के सम्मान में एक नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें उनके संघर्ष और स्वच्छता के बारे में उनके विचारों को दिखाया गया, क्योंकि उस समय केवल एक वही थे, जिन्होंने स्वच्छ भारत का सपना देखा था।

इस कार्यक्रम में ईको-फ्रेंडली स्टेशनरी किट लान्च किया गया, जो कि पर्यावरण के हित में है। विकलांग बच्चों को उनके प्रयोग के लिए उपकरण प्रदान किए गए। से नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक और स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक दिखाया गया। प्रमुख समन्वय एचपी सिंह ने वहां उपस्थित दर्शकों को संबोधित किया। कार्यक्रम में अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। जनता को प्लास्टिक का उपयोग न करने पर जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

इस कार्यक्रम में दिल्ली सीएसआर की इंचार्ज शशि प्रसाद ने ओएनजीसी द्वारा दिल्ली और एनसीआर में ओएनजीसी के माध्यम से कार्यान्वित प्रोजेक्ट के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। कुली कैंप वसंत विहार के प्रधान ने लोगों को ओएनजीसी के कार्य के माध्यम से हुए सकारात्मक बदलाव के बारे में लोगों को बताया व ओएनजीसी को धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में स्वच्छता का संदेश देते हुए वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसका फ्लैग ऑफ ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारी ने किया। कार्यक्रम का समापन संतोष झा एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सेफ एप्रोच के वोट ऑफ थैंक्स द्वारा किया गया।

ईवीएम व वीवीपैट का पीठासीन अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

हरियाणा विधानसभा चुनाव जिला में स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रविवार को जिला में पड़ने वाले चारों विधानसभा क्षेत्रों के पीठासीन अधिकारियों व वैकल्पिक पीठासीन अधिकारियों को ईवीएम तथा वीवीपैट मशीनों के संचालन की ट्रेनिंग दी गई।

अतिरिक्त उपायुक्त एवं बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा ने चुनाव ड्यूटी पर लगाए गए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का निष्पक्ष होकर चुनाव करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में लोकसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, ऐसे में ड्यूटी पर तैनात ज्यादातर पीओ व एपीओ चुनाव प्रक्रिया के बारे में अच्छी तरह से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि जिस ईमानदारी, निष्ठा व निष्पक्ष तरीके से उन्होंने लोकसभा चुनावों में अपनी ड्यूटी की, उसी अपेक्षा के अनुरूप वे हरियाणा विधानसभा चुनावों में भी पूरी मेहनत से काम करें। श्री रजा ने कहा कि सभी पीठासीन व वैकल्पिक पीठासीन अधिकारी ईवीएम, वीवीपेट और कंट्रोल यूनिट को इंस्टॉल करके देख लें, ताकि उन्हें मतदान वाले दिन बूथ सेट करने में किसी प्रकार की दिक्कत ना आए। उन्होंने सभी पीठासीन व वैकल्पिक पीठासीन अधिकारियों से कहा कि वे मॉक पोल ठीक प्रात: 5:30 बजे आरंभ करवाएं और ठीक प्रात: 7:00 बजे मतदान शुरू करवा दें। उन्होंने कहा कि यदि मॉक पोल के दौरान कोई भी पोलिंग एजेंट उपस्थित नहीं है तो वे उसका इंतजार सिर्फ 15 मिनट तक करें और उसके बाद भी अगर कोई उपस्थित नहीं होता तो पीठासीन अधिकारी पोलिंग अधिकारियों की उपस्थिति में ही मॉक पोल आरंभ कर दें। उन्होंने कहा कि ठीक एक घंटे बाद यानि प्रात: सात बजे बूथ पर वास्तविक मतदान शुरू करवा दें।

मतलब रहित थी कृष्ण-सुदामा की मित्रता

राजेंद्रा पार्क में चल रही है श्रीमद् भागवत कथा

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम

श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को कथावाचक श्री बाल योगी जी महाराज ने कृष्ण-सुदामा की मित्रता व सुदामा के चरित्र का वर्णन किया। इस मौके पर उन्होंने समाज को संदेश भी दिया कि किसी से अगर मित्रता करो तो उसमें कोई मतलब न रखो। यानी मतलब रहित मित्रता रखो तो वह जीवन पर्यन्त चल सकती है। जहां मतलब और स्वार्थ आ गया, मित्रता वहीं पर समाप्त हो जाएगी। कथा में सुखदेव विदाई का भी वर्णन किया गया।

यहां रजोंद्रा पार्क स्थित रतन गार्डन में चल रही कथा में आचार्य श्री बाल योगी जी महाराज ने आगे कहा कि सुदामा एक दरिद्र ब्राह्मण थे, जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के साथ संदीपन ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। दरिद्रता तो जैसे सुदामा की चिरसंगिनी ही थी। एक टूटी झोपड़ी, दो-चार पात्र और लज्जा ढकने के लिये कुछ मैले और चिथड़े वस्त्र, सुदामा की कुल इतनी ही गृहस्थी थी। दरिद्रता के कारण अपार कष्ट पा रहे हैं। पत्नी के आग्रह को स्वीकार कर कृष्ण दर्शन की लालसा मन में संजोये हुए सुदामा कई दिनों की यात्रा करके द्वारका पहुंचे। द्वारपाल के मुख से सुदामा शब्द सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण ने जैसे अपनी सुध-बुध खो दी और वह नंगे पांव ही दौड़ पड़े द्वार की ओर। दोनों बाहें फैलाकर उन्होंने सुदामा को हृदय से लगा लिया। भगवान श्रीकृष्ण सुदामा को अपने महल में ले गए। उन्होंने बचपन के प्रिय सखा को अपने पलंग पर बैठाकर उनका चरण धोया। कृष्ण के नेत्रों की वर्षा से ही मित्र के पैर धुल गए। सुदामा खाली हाथ अपने गांव की ओर लौट पड़े और मन ही मन सोचने लगे कृष्ण ने बिना कुछ दिए ही मुझे वापस आने दे दिया। सुदामा जब गांव पहुंचा तो देखा झोपड़ी के स्थान पर विशाल महल है तो वह हैरान सा हो गया। आचार्य श्री ने कहा कि कृष्ण ने बताए बिना तमाम ऐश्वर्य सुदामा के घर भेज दिया। अब सुदामा जी साधारण गरीब ब्राह्मण नहीं रहे। उनके अनजान में ही भगवान ने उन्हें अतुल ऐश्वर्य का स्वामी बना दिया। किंतु सुदामा ऐश्वर्य पाकर भी किसी घमंड में नहीं आए, बल्कि पहले की तरह मन से भगवान के भजन में लगे रहे। सोमवार को हवन व भंडारे के साथ भागवत कथा की समाप्ति होगी।

इस कथा में जितेंद्र, राहुल, पंकज, राजेश, सीके सिंह के अलावा महिला मित्र मंडल से भारती, बबली, बबीता, किरन, सिमरन, प्रियंका, सुनीता, पुष्पा, हेमा, मधु, शिवानी, पूनम, उर्मिला, संतोष, कान्ता, कृति, राधा, अनीता, सुशीला, मनोरमा, वीना, सपना, काजल, आशा, मधु, बरखा व रूपा पटेल आदि 21 सदस्यीय टीम ने अपनी अहम भूमिका निभाई है।

गुरुग्राम के राजेंद्रा पार्क स्थित रतन गार्डन में श्रीमद् भागवत कथा सुनाते कथावाचक श्री बाल योगी जी महाराज।

संक्षिप्त समाचार

छेड़छाड़ और मारपीट करने वालों पर केस दर्ज

सोहना। सोहना सिटी थाना पुलिस ने लाखूवास निवासी की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ व मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। पीड़ित ने आरोपियों पर बेटी के साथ छेड़छाड़ करने से लेकर अस्पताल में जाकर जान से मारने की धमकी देने तथा बीच रास्ते में रोककर महिला की पिटाई करने का आरोप लगाया है। लाखूवास निवासी ने सोहना सिटी थाने में अपने ही गांव के निवासी कृष्ण, गब्बर उर्फ बिजेन्द्र, गोलू, भूरू व अर्जुन पर छेड़छाड़ व मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी बीमार है। उसकी बेटी मंगलवार की सुबह घर से गोबर लेकर खेत में गई थी। वापस आते समय गांव के ही निवासी कृष्ण ने पहले तो छेड़छाड़ की। बेटी के शोर मचाने पर कृष्ण और उसके पिता ने पीटा। जब लड़की को नागरिक अस्पताल गुरुग्राम में दाखिल कराया था, तो रात करीब साढ़े बारह बजे कृष्ण और उसके दस-बारह लड़के वहां पर आए और पुलिस से शिकायत करने पर जान से मार देने की धमकी दी। बुधवार की सुबह साढ़े छह बजे गुरुग्राम से आते समय सोहना की चुंगी नंबर एक पर घेर लिया और उसकी पत्नी को दो लड़कों ने पीटा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

शिविर में 23 लोगों ने किया रक्तदान

सोहना। सोहना के नागरिक अस्पताल में लगा शिविर में 23 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉक्टरों ने लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। रविवार को सोहना के नागरिक अस्पताल में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम द्वारा रक्तदान शिविर लगाया। इस शिविर में आए 23 रक्तदाताओं ने जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया। शिविर संचालक डॉक्टर मनोज शर्मा ने मौजूद लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित व उत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जिस भी व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष है, उसका वजन 50 किलोग्राम से अधिक है। जिसका हीमोग्लोबिन 12.5 है। वह पुरुष/महिला रक्तदान कर सकते हैं। जरूरतमंद के लिए रक्तदान करना सबसे बड़ा परोपकार होता है। रक्तदाता द्वारा एक बार दिया गया खून तीन जरूरतमंद की जान बचा सकता है। मनुष्य विधाता नहीं होता है, लेकिन अपने आत्मविश्वास से रक्त की कमी से मरने वाले की जान बचा सकता है। इस अवसर पर आईसीटीसी काउंसलर दीपक कुमार, अंजना टेक्निकल सुपरवाइजर, स्टाफ नर्स रितु, लैब टेक्निशियन रचिता, नवीन आदि मौजूद थे।

ब्रह्माकुमारीज में वरिष्ठ सदस्यों का अभिनंदन पर्व मनाया

गुरुग्राम। धार्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज द्वारा ओम शांति रिट्रीट सेंटर में संस्था के वरिष्ठ सदस्यों के लिए रविवार को अभिनन्दन पर्व का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संस्था से जुड़े सदस्य व पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद के साथ किया गया। संस्था की निदेशिका बीके आशा ने कहा कि ऐसी महान विभूतियों का सहयोग एक ऐसे समय पर रहा, जब संस्था अपने प्रारंभिक दौर में थी। सभी ने तन-मन-धन से जो सहयोग दिया, संस्था उसकी आभारी है। बीके बृजमोहन ने कहा कि ब्रह्मा बाबा से जो भी मिला, उसके जीवन में उनके व्यक्तित्व की एक अमिट छाप पड़ी। बीके शुक्ला ने कहा कि बाबा केवल शिक्षा ही नहीं देते थे, अपितु हर कार्य पहले करके दिखाते थे। गीत, संगीत, कविता एवं नृत्य नाटिकाओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संस्था की बीके गीता, चक्रधारी, विमला, जयप्रकाश, विद्या सागर, शिव कुमार, युगरतन, जयगोपाल ने भी संबोधित किया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था की बीके उर्मिल, मधु, दिव्या, येशु आदि का सहयोग रहा।

मेरे लिए कार्यकर्ता पहले, पार्टी बाद में: अशोक तंवर

गुरुग्राम। कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहने के बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर रविवार को गुरुग्राम पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस से बागी होकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले अपने समर्थक के अनुरोध पर बुलाई गई सर्वदलीय महापंचायत में भाग लिया।

इस महापंचायत में काफी संख्या में पंच, सरपंच व मौजिज लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर बोलते हुए डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि उनके लिए कार्यकर्ता सबसे पहले हैं, पार्टी बाद में है। वह किसी भी सूरत में कार्यकर्ताओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं कर सकते। चुनाव नजदीक हैं, पार्टियां तो आती जाती रहती हैं। हमें सबसे पहले यह देखना होगा कि विधानसभा पहुंचने वाला हमारा सबसे हितैषी नेता कौन होगा। हमें उसी को चुनकर विधानसभा भेजना होगा।

कंजिकाओं को भोजन करा व्रतों का हुआ समापन

गुरुग्राम। नवरात्रों में मां दुर्गा के 8वें नवरात्रे पर रविवार को मां दुर्गा के व्रत रख रहे व्रतियों ने अष्टमी मनाकर कंजिकाओं को भोजन कराकर अपने व्रतों का समापन किया। कंजिकाओं की व्यवस्था करने में व्रती प्रात: से ही जुट गए थे।

यह भी कड़वा सच है कि अष्टमी पर हर बार की तरह इस बार भी कंजिकाओं की कमी रही। एक-एक कंजिका ने कई घरों में भोजन किया। भोजन करने की बजाय प्रसाद स्वरूप भोजन लिया। व्रतियों ने कंजिकाओं का आशीर्वाद लेकर उन्हें उपहार आदि भी भेंट किए। व्रतियों ने कंजिकाओं के लिए पिछले कई दिनों से उपहार खरीदने में व्यस्त थे। आधुनिकता व समय का अभाव कंजिकाओं को भोजनादि कराने में भी दिखाई दिया। आधुनिकता की इस दौड़ में व्रती भी दिखाई दिए। वे कंजिकाओं के लिए लंच बॉक्स आदि लाए और उनमें ही खाना पैक कर कंजिकाओं को भेंट किया। ऐसा लग रहा था कि व्रती महज औपचारिकता ही पूरी कर रहे हैं, जिसे धर्मप्रेमी भी ठीक नहीं मान रहे हैं। क्योंकि इस पर्व का संबंध व्रतियों की धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा है।

मुआवजा लौटाने के विरोध में गांव ढाणा में हुई 51 गांवों की महापंचायत

पायनियर समाचार सेवा, फर्रूखनगर।

तीन गांवों के सैकड़ों किसानों पर भूमि अधिग्रहण के तहत मिली मुआवजा राशि 3500000 रुपये वापस लौटाने के सर्वोच्च न्यायालय के खिलाफ खंड के गांव ढाणा के शहीद संदीप धनखड़ पार्क परिसर में रविवार को कैप्टन प्रेमपाल की अध्यक्षता में 51 गांवों की महापंचायत कर आयोजन किया गया।

पंचायत ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अगले रविवार 13 अक्टूबर को शहीद संदीप धनखड़ पार्क में फिर से पंचायत आहुत की जाएगी और विधान सभा चुनाव के बहिष्कार का बिगुल बजाया जाएगा। पंचायत में पहुंचे विभिन्न पार्टियों के प्रत्याशी व उनके प्रतिनिधियों को ग्रामीणों न केवल खरी-खोटी सुनाई, बल्कि सहयोग के लिए लिखित में आश्वासन भी मांग लिया। पंचायत में पटौदी की निवर्तमान विधायक बिमला चौधरी व सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत के प्रति गहरा रोष देखने को मिला। किसानों का आरोप है कि दोनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव के दौरान पंचायत में पहुंचकर किसानों को आश्वासन दिया था कि रुष्ट किसान लोस चुनाव का बहिष्कार न करे। उनकी समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। चुनाव के चार माह बाद भी समाधान निकलना तो दूर दोनों नेताओं से पीठ मोड़ कर भी नहीं देखा है।

महापंचायत में किसानों ने रोया अपना दुखड़ा

इस मौके पर किसान नेता राजेंद्र सिंह ढ़ाणा, सरपंच प्रवीण धनखड़, कर्मबीर सिंह धनखड़, पूर्व सरपंच मूलचंद, धर्मसिंह पहलवान, तेजपाल, मुरारी लाल शर्मा, सतेंद्र उर्फ सिटी धनखड़, सोहन लाल शर्मा, मास्टर देविंद्र सिंह, जसबीर मलिक, रामपाल धनखड़, घासीराम, निहाल सिंह आदि किसानों ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की जमीन फेस दो, तीन, चार आईएमटी मानेसर के लिए वर्ष 2003/2004 में अवार्ड करने के बाद किसानों को नहीं के बराबर 225000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया था। मुआवजे की बढ़ोतरी की मांग को लेकर किसानों ने जिला न्यायालय वर्ष 2009-2010 में अपील दायर की न्यायालय ने फेस वन आईएमटी मानेसर जो 1994 में स्थापित किया गया था, उसको बेस बना कर 2815356 रुपये प्रति एकड़ कर दिया। जो किसानों को सरकार ने 2011-2012 में दे दिया था। किसान 2011 में उच्च न्यायालय पहुंचे और मुआवजा राशि 3740000 रुपये प्रति एकड़ सरकार द्वारा नहीं देने पर सर्वोच्च न्यायालय चले गए। सर्वोच्च न्यायालय ने दो जुलाई 2013 को केस को वापस उच्च न्यायालय भेज दिया।

प्राकृतिक दिखी वाटिका, डिजिटल हुआ लंका दहन

पर्यावरण प्रदूषण न हो, इसलिए लिया गया डिजिटल लंका दहन का निर्णय

हनुमान जी से मित्रता से लेकर लका दहन तक की लीला

पायनियर समाचार सेवा, गुरुग्राम।

गुरुग्राम स्थित श्रीदुर्गा रामलीला में अशोक वाटिका में रावण-सीता व सीता-हनुमान संवाद।

शबरी के झूठे बेर खाते हुए की लीला के बाद रविवार को दिखाया कि भगवान राम ने उस वन को भी छोड़ दिया और आगे बढ़ गए। रास्ते में उन्हें ब्राह्मण के भेष में हनुमान जी मिले। जैकमपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला के नौवें दिन यहां से शुरुआत करके लंका दहन की तक की लीला का मंचन किया गया। पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए यहां पर डिजिटल तरीके से लंका दहन किया गया। यहां प्राकृतिक रूप से अशोक वाटिका दिखाई गई। हरियाली, पेड़-पौधे व कबूतर, खरगोश मंच पर विचरते नजर आए।

लीला में दिखाया गया कि जब राम और लक्ष्मण ऋष्यमूक पर्वत के पास से गुजरते हैं तो उन पर सुग्रीव की नजर पड़ती है। सुग्रीव अपने भाई के छिपकर उस पर्वत पर रहते हैं। वे हनुमान जी से कहते हैं कि आप जाकर पता लगाओ कि वे कौन हैं। अगर वे बाली के भेजे हुए हों तो मैं तुरंत ही इस पर्वत को छोड़कर भाग जाऊंगा। यह सुनकर हनुमान जी ब्राह्मण का रूप धारण कर उनके पास पहुंचे और पूछने लगे कि-हे वीर, आप कौन हैं, जो क्षत्रिय के रूप में वन में फिर रहे हैं। इस पर राम जी ने जवाब दिया-हम कोसलराज दशरथ जी के पुत्र राम-लक्ष्मण हैं। हम पिता का वचन मानकर वन आए हैं। हमारे साथ सुंदर सुकुमारी स्त्री थी। यहां वन में राक्षस ने मेरी पत्नी जानकी को हर लिया है। हे ब्राह्मण हम उसे ही खोजते हुए यहां फिर रहे हैं। हनुमान जी राम, लक्ष्मण को ऋ ष्यमूक पर्वत पर मंत्रियों सहित रह रहे वानरराज सुग्रीव के पास ले जाते हुए कहते हैं वे सीता जी की खोज करवा देंगे। इसके बाद हनुमान जी ने दोनों को अपने कंधों पर बिठाया और ले गए पर्वत पर। वहां पर श्री राम की मुलाकात सुग्रीव से हुई। सुग्रीव ने सारी बात सुनी और आश्वस्त किया कि वे सीता जी अवश्य मिल जाएंगीं। इसके बाद रावण-सीता को मनाते हुए कहते हैं, सीता तिनका हाथ में लिए हुए बैठी हैं-सीते तुम को अब तक पर्दा है, आंखों के नीचे ही रखती हो, तिनके की ओर देखती हो बातें दशमुख से करती हो, तिनका क्या लक्ष्य तुम्हारा है जो इसे बीच में लाती हो, क्या तिनका मुझे समझ रखा है, जो तिनका मुझे दिखाती हो। जवाब में सीता जी कहती हैं-तिनके से भी जीव, तिनका ही मेरा पर्दा है, घूंघट का पर्दा क्या, पर्दा तो आंखों ही का है। यहां खास बात यह रही कि रामलीला में लंका दहन डिजिटल तरीके से किया गया। किसी अन्य चीज से लंका बनाकर प्रदूषण फैलाने से यहां परहेज किया गया।

हुक्का की गुड़गुड़ाहट पर मतदाता लगाने लगे हार-जीत के आंकड़े

नरेश कुमार, सोहना।

क्षेत्र के मतदाता हुक्का पर उम्मीदवारों को मिलने वाले वोटों का आंकड़ा लगाते हुए।

विधानसभा चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे अब मतदाता हुक्के की गुड़गुड़ाहट पर भी उम्मीदवारों के जीत-हार के आंकड़े लगाने लगे हैं। वहीं उम्मीदवारों ने अपने रूठे मतदाताओं को मनाना आरंभ कर दिया है। 21 अक्तूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव की तिथि नजदीक आती देख मतदाताओं से लेकर उम्मीदवारों की धड़कनें तेज होने लगी हैं। सुबह चार बजे से लेकर देर रात तक हुक्का चलता रहता है और मतदाता आर्थिक उतार-चढ़ाव की तरह से उम्मीदवारों की जीत-हार का अंदाजा लगा रहे हैं।

गौत्र-पाल व रूठों को मनाने का सिलसिला

चुनावी समर में उतरे उम्मीदवारों ने गौत्र-पाल की बैठकें करना शुरू कर दिया है। चुनावी मैदान में दौड़ लगाने के बाद रात के समय में बैठकों का दौड़ शुरू हो गया है। इसके अलावा उम्मीदवारों ने रूठे मतदाताओं को मनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। अपने नजदीकियों के संग रूठने वालों को मनाकर अपना वोट बैंक का ग्राफ बढ़ाने में जुट गए हैं।

सोशल मीडिया पर जीत-हार के आंकड़े

वहीं सामाजिक संगठनों से लेकर आपसी भाईचारे के बने सोशल मीडिया के ग्रुपों में भी देर रात तक मतदाताओं की जीत-हार के आंकड़े सैंसेक्स की तरह से घट-बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया ग्रुपों में उम्मीदवारों की मजबूती और कमजोरी का खुलासा कर रहे हैं।

सहपाठी ने दोस्तों के साथ मिलकर कर दी छात्र की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मामूली सी बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद दो स्कूली छात्रों को उनके एक सहपाठी ने अपने साथियों के साथ मिलकर सेक्टर 16 के निकट रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने बृहस्पतिवार की दोपहर को लोहे के सरियों और पंच से दोनों की बेरहमी से पिटाई की। दोनों को घायल कर आरोपी फरार हो गए। दोनों को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां एक छात्र की गंभीर हालत को देखते हुए उसे आईसीयू वार्ड में दाखिल कराया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पहले से दर्ज मामले में हत्या की धारा जोड़ ली है।

थाना सेक्टर 17 में दर्ज मामले के मुताबिक इंद्रा कॉम्पलैक्स निवासी दीक्षित मावी ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह सेक्टर 16 स्थित संत निरंकारी स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता है। उसकी कक्षा के छात्र हनुमान नगर निवासी छात्र सौरभ शर्मा से उसकी गहरी दोस्ती थी। करीब एक सप्ताह पहले उसकी इसी स्कूल में पढ़ने वाले जतिन गौड़ के साथ मामूली सी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। वह तो मामले को भूलकर बैठ गया था, लेकिन जतिन ने अपने मन में रंजिश पाल रखी थी। अन्य दिनों की तरह

दीक्षित मावी ने बताया कि बृहस्पतिवार को दोपहर को छुट्टी के बाद वह सौरभ शर्मा के साथ पैदल अपने घर की तरफ जा रहा था। तभी सेक्टर 16 स्थित सर्किट हाउस के पास जतिन गौड, मयंक शर्मा, ऋतिक नारंग, उज्जवल, आशु और चार पांच अन्य युवकों ने उन्हें रोक लिया। सभी आरोपी लोहे के सरिए, पंच और अन्य हथियारों से लैस होकर आए थे। दीक्षित का आरोप है कि इन लोगों ने आते ही उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। इसके कारण सौरभ उसे बचाने के लिए आगे आया और बीच बचाव-करवाने लगा। तभी आरोपियों ने सौरभ को सरिए और पंचों से पीटना शुरू कर दिया। मौके पर लोगों की भीड़ लग जाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इस मारपीट की घटना में सौरभ के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं। दोनों को तुरंत सेक्टर 16 स्थित क्यूआरजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां सौरभ की गंभीर हालत को देखते हुए उसे आईसीयू वार्ड में दाखिल किया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार की दोपहर को सौरभ ने दम तोड़ दिया। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सेक्टर की तर्ज पर कॉलोनियों का विकास कराएंगे : ललित

फरीदाबाद। तिगांव क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी ललित नागर ने कहा कि प्रदेश में निश्चित तौर पर कांग्रेस की सरकार बनेगी और इन कॉलोनियों का विकास अब सेक्टरों की तर्ज पर किया जाएगा। यहां वह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे, जो सेक्टरों में रहने वाले लोगों को मिलती हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी ललित नागर रविवार को जब क्षेत्र की धीरज नगर, गिर्राज विहार, सरपंच कालोनी, सूर्या विहार, सूरदास कालोनी, दलजीत कालोनी, चेतन मार्किट आदि कालोनियों में पहुंचे, तो वहां लोगों ने उन्हें पलक-पांवड़े बिछा दिए और अपनी-अपनी कालोनियों में छत्तीस बिरादरी की ओर से उन्हें पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत कर अपने खुले समर्थन का ऐलान किया।

कांग्रेस प्रत्याशी ललित नागर ने कहा कि पिछले 10 साल से कॉलोनियों के लोग उनके भाई बनकर उनके हर संघर्ष में खड़े रहे हैं और उन्होंने विधायक नहीं, बल्कि लायक बेटे की तरह उनका सेवक बनकर कर्ज उतारने का काम किया है। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी कॉलोनियों में विकास कराने की आवाज उन्होंने सड़क से लेकर विधानसभा के पटल पर उठाई और सरकार को मजबूर किया कि इन पिछड़ी कॉलोनियों में कम से कम मूलभूत सुविधाएं तो उपलब्ध करवाई जाएं। इसी का परिणाम है कि आज इन कॉलोनियों में जो भी विकास कार्य दिख रहे हैं, वह सब मेरे संघर्ष का ही परिणाम है।

चुनाव : थानेदारों को असामाजिक तत्वों की कड़ी निगरानी के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस किसी तरह का जोखिम उठाने के मूड में नहीं हैं। शांतिपूर्ण मतदान करवाने के लिए पुलिस की तरफ सुरक्षा के तमाम इंतजाम किए जा चुके हैं। चुनावी तैयारियों को लेकर जिले के तीनों डीसीपी द्वारा सभी थाना और चौकियों के प्रभारियों की बैठक ली गई, जिसमें पुलिस अधिकारियों ने उन्हें असामाजिक तत्वों की कड़ी निगरानी सहित कई तरह के दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस आयुक्त केके राव के दिशा निर्देश पर जिले में तैनात सभी डीसीपी, एसीपी समेत अन्य सभी पुलिस अधिकारी इन दिनों शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के दौरान पूरी तरह से शांति बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसे लेकर शहर में पुलिस की तरफ से सख्त नाकाबंदी करवाई गई। पुलिस और आईआरबी की कंपनियां हर रोज जिले के अलग-अलग हिस्सों में फ्लैग मार्च कर रही हैं। इसके अलावा शांतिपूर्ण मतदान करवाने के लिए पुलिस अधिकारियों द्वारा रणनीति बनाने के लिए बैठकों का आयोजन भी किया जा रहा है।

इसी के तहत डीसीपी बल्लभगढ़ राजेश कुमार, डीसीपी एनआईटी अर्पित जैन और डीसीपी सेंट्रल लोकेंद्र सिंह द्वारा रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के तमाम थाना और चौकियों के प्रभारी को बुलाया गया था। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि बैठक में तीनों डीसीपी ने थाना एवं चौकी प्रभारियों को चुनाव के दौरान पूरी एहतियात बरतते हुए शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए कई तरह के दिशा निर्देश दिए। उन्हें जिले में लगाए गए सभी नाकों पर 24 घंटे पुलिस कर्मचारी तैनात करने के आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा अपने अपने इलाके में गश्त कर असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए कहा गया है।

क्षयरोग की संख्या पर 2025 तक लगेगी लगाम

कविता। फरीदाबाद

जिले में चलाए गए एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान के तहत नौ क्षयरोग जांच केंद्रों के अंतर्गत आने वाली आठ लाख जनसंख्या के बीच क्षयरोग के मरीजों की तलाश की गई। तीन अक्टूबर तक चले इस अभियान में 600 लोगों में क्षयरोग के लक्षण पाए गए और जिनके बलगम के नमूने और एक्स-रे करवाये गए। मरीजों की वर्तमान संख्या को देखते हुए 2025 तक क्षयरोग की संख्या पर काबू पाया जा सकेगा।

जिला डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शीला भगत ने कहा कि जिले में क्षयरोग को आगामी वर्ष 2025 तक जड़ से समाप्त करने के लिए गत 18 सितम्बर से तीन अक्टुबर तक क्षयरोग विभाग की तरफ से एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान चलाया गया था। जिसके तहत टीमों ने स्लम बस्तियों में जाकर लोगों के बलगम की जांच के साथ-साथ डोर टू डोर क्षयरोग के मरीजों का पता लगाया और क्षयरोग के प्रति उन्हें जागरूक किया।

लक्ष्य से अधिक मरीज

डॉ. शीला भगत ने बताया कि जिले के क्षयरोग के नौ केन्द्रों में एक पखवाड़े के दौरान आठ लाख की जनसंख्या पर एक लाख 20 हजार 150 मरीजों की जांच का लक्ष्य दिनों के लिए रखा गया था, लेकिन 150 स्वास्थ्य टीमों ने एक लाख 81 हजार 709 लोगों को इस लक्ष्य में शामिल किया। इस दौरान 600 लोगों में क्षयरोग के लक्षण पाए गए, जिसमें 11 मरीजों की पुष्टि जांच रिपोर्ट के आधार पर हुई है। टीमों के द्वारा खोजे गए मरीजों की सूचना मिलने पर एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान के तहत मेडिकल टीमें बस्तियों में पहुंची और वहां लोगों की जांच की।

टीमों ने किया यह पता

डॉ. शीला भगत ने बताया कि टीमों ने घर-घर जाकर मरीजों से टीबी से जुड़ी खास जानकारी पूछीं कि क्या आपको दो सप्ताह व उससे अधिक समय तक लगातार खांसी आने की शिकायत है। खांसी के साथ बलगम आ रहा है या नहीं। शाम को बुखार बढ़ जाता है। वजन घटने, भूख न लगने, सीने में दर्द, बलगम के साथ खून आने की समस्या तो नहीं है। लोगों को जागरूक करेंगी कि आस पड़ोस इन परेशानियों से ग्रस्त लोग दिखाई दिया है, तो वह बताएं।

अभियान के आंकड़े

जांच स्थान	टारगेट	कपलीट	जांच	पॉजिटिव
यूपीएचसी डबुआ	2700	3160	41	02
पीएचसी पल्ला	10000	11360	65	01
सीएचसी खेड़ीकलां	25200	15980	72	00
डीटीसी फरीदाबाद	14350	11362	77	03
पाली	21500	14760	91	01
बल्लभगढ़ अस्पताल	6100	9086	69	01
एफआरयू-एक	6800	7090	47	00
पीएचसी तिगांव	3800	88140	64	03
पीएचसी मोहना	19700	20790	74	00

भतीजा बनकर बदमाश ने बुजुर्ग महिला से गहने ठगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मायके जाने के लिए बल्लभगढ़ बस अड्डे के पास ऑटो का इंतजार कर रही दो बुजुर्ग बहनों को एक युवक ने सम्मोहित करके अपनी स्कूटी पर बैठा लिया। कुछ दूरी पर जाकर आरोपी ने एक महिला को स्कूटी से उतार कर वाहन की गति बढ़ा दी। आगे जाकर आरोपी ने डिजायन की फोटो खींचने के बहाने महिला के गहने उतरवा लिए और फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर सात में दर्ज मामले के मुताबिक बल्लभगढ़ के आदर्श नगर में रहने वाली कृष्णा ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसकी बहन गुड्डन डूंडसा में रहती है। दोनों बहनों ने भूपानी गांव स्थित अपने मायके जाने का कार्यक्रम बनाया। शनिवार सुबह 11 बजे गुड्डन बस अड्डे पहुंच कर कृष्णा का इंतजार कर रही थी। कृष्णा के पहुंचने पर दोनाह्यें फल खरीदने लगीं। तभी एक युवक वहां आया और दोनों बहनों को बुआ कहकर संबोधित करने लगा। आरोपी ने दोनों को झांसे में लेकर गांव छोड़ने की बात कहकर स्कूटी पर बैठा लिया। कुछ दूरी पर जाकर आरोपी ने कृष्णा का बहाने से स्कूटी से उतरने के लिए कहा। कृष्णा के उतरते ही आरोपी ने स्कूटी दौड़ा दी। कुछ दूरी पर पहुंचकर उसने गुड्डन को कहा कि उसके पिता ज्वैलर्स के पास जेवरात बनवाने गए हैं। वह अपने गहने उतार कर उसे दे दें। वह फोटो खींचकर पिता को भेज देगा। महिला के इनकार करने के बावजूद आरोपी ने सोने की चेन और दो अंगूठी उतरवा लीं। इसके बाद आरोपी स्कूटी दौड़ाकर मौके से फरार हो गए। महिला का बैग भी आरोपी की स्कूटी में रखा हुआ था। उसने किसी तरह कृष्णा से मिलकर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

सीमा त्रिखा का लोगों ने किया स्वागत

फरीदाबाद। एसजीएम नगर के सी ब्लाक की गली नंबर 12 में रविवार को हिमांचल वेलफेयर एसोसिएशन ने बैठक का आयोजन कर बड़खल सीट से भाजपा प्रत्याशी सीमा त्रिखा का जोरदार स्वागत कर उन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाने का आश्वासन दिया। उपस्थित कॉलोनी वासियों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी सीमा त्रिखा ने कहा कि वे छह साल की केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और पांच साल की हरियाणा की मनोहर लाल सरकार के आधार पर उन्हें वोट दें। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि फरीदाबाद में हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। इसके लिए फरीदाबाद से होकर गुजरने वाले हाइवे को सिक्स लेन करने, मेट्रो का विस्तार करने, आगरा कैनाल पर दर्जनभर पुल बनाने, मंझावली पर पुल बनाकर नोएड़ा को जोड़ने, फरीदाबाद और गुडग़ांव को जोडऩे के लिए मेट्रो प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाना आदि ऐसे अनेक काम हैं, जिन्हें लोग सराह रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की मनोहर सरकार ने खर्ची पर्ची का सिस्टम बंद कराया।

सुर तरंग प्रतियोगिता का आयोजन

फरीदाबाद। राजस्थान भवन में 39वां सुर तरंग म्यूजिक कॉम्पटीशिन का आयोजन संगम कला ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बॉम्बे से इंडियन आईडॉल फैम तजेन्द्र सिंह भी आए। इस मौके पर 157 प्रतिभागी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें जीतने वाले पहले विनर को दिल्ली में होने वाले नेशनल लेवल प्रतियोगिता में जाने का मौका मिलेगा। दिल्ली में यह प्रतियोगिता नवंबर माह में आयोजित होंगी।

धूमधाम से मनाई अग्रसेन जयंती

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद इलाके के गोपाल वाटिका गार्डन में वैश्य समाज के हजारों लोगों ने महाराजा अग्रसैन की 5143वीं जयंती को बड़ी ही धूमधाम से मनाई। जयंती के उपलक्ष में वैश्य समाज के बहुत से बच्चों ने आकर्षक कार्यक्रम भी पेश किए। इस मौके पर बीजेपी पार्टी के उम्मीदवार नरेंद्र गुप्ता, उद्योग मंत्री विपुल गोयल और फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार लखन सिंगला, राजेश नागर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत समारोह के अध्यक्ष वेद बंसल ने दीप जलाकर की, कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत गले में पटका पहनाकर, शॉल पहनाकर और फूल माला और महाराजा अग्रसेन के प्रतीक चिन्ह देकर उनका सम्मान किया।

मानव रचना एल्युमिनी में छात्रों ने याद किए गोल्डन डेज

फरीदाबाद। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के 2001 से 2017 बैच, फैकल्टी ऑफ अप्लाइड साइंसिस की ओर से 2009 से 2017 बैच और फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज की ओर से एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। करीब 1000 पूर्व छात्रों ने आकर कॉलेज में अपने पुराने दिनों को याद किया। पूर्व छात्रों के लिए उनके जूनियर्स ने सिंगिंग, डांस और प्ले का आयोजन करके उनका मनोरंजन किया। फैकल्टी ऑफ अप्लाइड साइंसिस और फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज की ओर से गेम्स, कल्चरल प्रोग्राम और फैशन शो का आयोजन किया, जिसमें पूर्व छात्र-छात्राओं ने रैंप वॉक भी किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. हरीश राय, अभिरुचि पासी, गुरजीत कौर चावला, दिव्या सांघी, पूजा शर्मा, प्रियंका वर्मा समेत कई फैकल्टी मेंबर्स और छात्र मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी में लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित : लखन

फरीदाबाद। फरीदाबाद क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी लखन कुमार सिंगला ने आज अपने चुनावी प्रचार अभियान के तहत गांव अजरौंदा, सेक्टर-8, सेक्टर-11, संत नगर, वाल्मीकि बस्ती, सेक्टर-7 सहित कई जगहों पर जनसंपर्क करके लोगों से अपने लिए समर्थन मांगा। जगह-जगह लखन सिंगला का लोगों ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत करते हुए उनके इस चुनावी समर में जुट जाने का संकल्प लिया।

लखन कुमार सिंगला ने भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले पांच सालों के भाजपा शासनकाल पर अगर निगाह दौड़ाई जाए, तो भाजपा ने केवल और केवल कागजों में विकास किया है, जबकि जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और है। उन्होंने भाजपाईयों की कथित स्मार्ट सिटी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, लोग खुले में शौच करते हैं, सीवरेज व नालियां ओवरफ्लो हो रही हैं, क्या यही स्मार्ट सिटी की परिभाषा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर आई मोटी रकमों को भाजपाईयों ने अधिकारियों से सांठगांठ कर हड़पने का काम किया है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद स्मार्ट नहीं, बल्कि डर्टी सिटी बन गई है। लोगों को बिजली, पानी, सडक़ें व सीवरेज जैसे जन मुद्दों के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं।

मोदी और मनोहर सरकार के प्रदर्शन से नरेंद्र गुप्ता की जीत पक्की : गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में प्रदेश में जो अभूतपूर्व कार्य हुए हैं, उनका परिणाम आने वाले विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा। लोग भाजपा सरकार की नीति एवं योजनाओं से संतुष्ट हैं। जिस प्रकार से मनोहर सरकार ने पारदर्शी एवं ईमानदार शासन प्रणाली प्रदान की है, वह अभूतपूर्व है। इसलिए नरेंद्र गुप्ता की जीत पक्की है।

फरीदाबाद क्षेत्र के भाजपा उममीदवार नरेन्द्र गुप्ता का स्वागत रविवार को सेक्टर-19 स्थित आर्य समाज मंदिर में किया गया। कार्यक्रम में राजेश अरोड़ा, मदनलाल तनेजा, महेश आर्य, अशोक आर्य, डॉ. ओमप्रकाश बधवा, राजकुमार आर्य, गुलिहार, यश बबर, सुभाष आहूजा पार्षद, राजकुमार छिबर, जितेन्द्र राणा, सुनील गर्ग, ओमप्रकाश वधवा, तपन पाराशर आदि ने नरेन्द्र गुप्ता का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर लोगों ने नरेन्द्र गुप्ता को जीत का आशीर्वाद दिया और कहा कि उनको भारी मतों से विजयी बनाकर विधानसभा में भेजना है।

इसी तरह सेक्टर 11 स्थित अग्रवाल सेवा सदन में अग्रवाल समाज द्वारा नरेन्द्र गुप्ता का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। यहां पर उपस्थित भारी भीड़ का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, चेयरमैन अजय गौड़ एवं जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने शिरकत की।

गुर्जर ने फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र गुप्ता को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र गुप्ता बहुत सरल एवं सुलझे हुए इंसान हैं। जिस प्रकार से भाजपा ने उन पर भरोसा दिखाया है, उसी प्रकार क्षेत्र की जनता को भी उन पर भरोसा दिखाना होगा। ताकि वह क्षेत्र के विकास मे अपना अतुलनीय योगदान अदा कर पाएं।

प्रत्याशी नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जनता की सेवा करने का जो मौका मुझे भाजपा नेतृत्व ने दिया है, मेरे लिए सममान की बात है। मैं भरोसा दिलाता हूं कि अपना सर्वस्व आमजन की सेवा के लिए न्यौछावर कर दूंगा और हर पल आप लोगों के बीच उपस्थित रहूंगा। गुप्ता ने कहा कि फरीदाबाद क्षेत्र मेरा अपना घर है और यहां के लोग मेरा परिवार। इनकी सेवा और क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दूंगा। इसके अलावा सेक्टर 10 पार्क, सेक्टर 86 पार्क, ग्रेंड्युरा पार्क में लोगों ने भाजपा प्रत्याशी का जोरदार स्वागत किया और उन्हें जीत का आशीर्वाद प्रदान किया।

लंका दहन, बाली सुग्रीव युद्ध लीलाओं का हुआ मंचन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर में विभिन्न स्थानों पर चल रही रामलीलाओं का बीती रात भव्य मंचन किया गया, जिसमें कही लंका दहन, बाली सुग्रीव युद्ध का दृश्य बड़े ही रोचक तरीके से दिखाया गया।

लंका दहन : प्राचीन शिव मंदिर पर चल रही रामलीला में हनुमान और अक्षय कुमार का युद्ध दिखाया गया। अक्षय कुमार का वध करने के बाद मेघनाथ के द्वारा बांधे जाने पर हनुमान जी महाराज को रावण के दरबार में पेश किया गया। रावण ने मृत्युदंड देने का आदेश दिया, परंतु विभीषण जी के आने पर रावण को समझाया गया किसी के दूत को मारना अनुचित है। इसलिए लंकेश ने हनुमान जी के पूंछ में आग लगाने का आदेश दिया और लंका दहन का दृश्य दिखाया गया।

अंगद रावण संवाद हुए: श्री धार्मिक लीला कमेटी 5 नंबर एम ब्लाक की रामलीला में लंका हदन हुई व अंगद रावण संवाद हुआ। हनुमान जी का रावण को समझाना दिखाया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि माता जानकी को श्रीराम को वापिस लौटा दो और युद्ध से बचो। इससे क्रोधित होकर रावण हनुमान की पूंछ जलाने को कहता है और उसी जली पूंछ से हनुमान लंका को जला देते हैं। उसके बाद श्रीराम रावण को समझाने के लिये अंगद को दूत बताकर भेजते हैं और अंगद रावण के दरबार में अपना पांव जमाकर अपना पराक्रम दिखाता है और युद्ध का ऐलान कर देता है। उसके बाद मेघनाथ लक्ष्मन का युद्ध होता है, जिसमें लक्ष्मन को मूर्छित दिखाया गया।

बाली और सुग्रीव युद्ध : सेक्टर 15 में चल रही श्रद्धा रामलीला कमेटी में सबसे पहले बाली सुग्रीव का युद्ध दिखाया गया। उसके बाद सुग्रीव का राम के पास आना और लक्ष्मण जी की शरण में जाना। अगले पर्दे पर सुग्रीव बाली युद्ध और बाली का राम द्वारा मारे जाने का दर्शाया गया। इसके बाद हनुमान जी का अशोक वाटिका जाना और सीता जी से मिलने का दृश्य और उसके बाद अशोक वाटिका के सारे फल खाना और मालियों से लड़ना दर्शाया गया। उसके बाद अक्षय कुमार का आना और मरना। फिर रावण का मेघनाथ को भेजना और मेघनाथ का हनुमान को पकड़ना दर्शाया गया। इसके तुरंत बाद रावण और हनुमान संवाद दर्शाया गया और लंका दहन किया गया। अंतिम दृश्य में हनुमान जी का सीता जी से निशानी लेकर जाने को दर्शाया गया।

सीता का अपहरण

सेक्टर 37 में श्री रामलीला सेवा समिति द्वारा आयोजित रामलीला में शनिवार रात को वनवास के दौरान लंकापति रावण द्वारा माता सीता के अपहरण, भगवान राम द्वारा उनकी खोज व हनुमान द्वारा लंका दहन का मंचन किया गया, जिसमें सीता माता की खोज के लिए प्रभु राम व लक्ष्मण जंगल-जंगल फिरते हैं। रास्ते में उनकी मुलाकात वानरों से होती है। वानर इसकी खबर राजा सुग्रीव को देते हैं, जो भाई बाली द्वारा राज्य से निष्कासित कर दिया गये। सुग्रीव राम व लक्ष्मण के बारे में जानकारी जुटाने को अपने होशियार वानर हनुमान को उनके पास भेजते हैं, हनुमान प्रभु राम को पहचान जाते हैं और राजा के पास ले जाते हैं।

एयरफोर्स का 100 मीटर दायरा हटवाएंगे : नीरज

फरीदाबाद। एनआईटी 86 क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा ने कहा कि उनके पिताश्री पूर्व मंत्री स्व. शिवचरणलाल शर्मा ने एयरफोर्स स्टेशन से 900 मीटर के दायरे को 300 मीटर कराया था और 300 से 100 मीटर। वह जनसमूह के बीच शपथ लेते हैं कि एयरफोर्स के 100 मीटर के दायरे को भी समाप्त कराएंगे, ताकि क्षेत्र की जनता अमन-चैन से रह सके। उन्होंने कहा कि विकास कहां और कैसे करना है, यह उन्हांने अपने स्व. पिताजी से सीखा है और वह क्षेत्र को विकासयुक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

नीरज शर्मा ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में एक दर्जन से ज्यादा तूफानी दौरे किए, जहां उन्हें हर वर्ग का भरपूर समर्थन मिला। विधानसभा क्षेत्र की डबुआ कॉलोनी में ए, बी, सी, डी, ई ब्लॉक रेजीडेन्ट वैलफेयर एसोसिएशनों ने नीरज शर्मा को खुला समर्थन दिया, वहीं सर्व ब्राह्मण संघ ने भी पगड़ी पहनाकर कांग्रेस प्रत्याशी का जोरदार स्वागत किया। डबुआ सब्जी मंडी स्थित कम्युनिटी सेंटर में अवधेश कुमार, बी के वार्ष्णेय, राकेश वत्स, रामभरोसे वशिष्ठ, मुरारीलाल कौशिक, सत्यप्रकाश कौशिक, देशराज, जोगेन्द्र झा, सुखबीर त्यागी, कोमल जैन, पं. गोकल चंद शर्मा, जीतलाल गुप्ता, सुमित गुप्ता ने नीरज शर्मा को पुरजोर समर्थन दिया।

Possession Notice

The undersigned being the authorized officer of the Punjab National Bank high value branch M.G. Road Gurgaon under the Securitisation & Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Act 2002. [54 OF 2002] and in exercise of powers conferred under section 13 (12) read with rule 9 of Security Interest [Enforcement] Rules, 2002 issued a demand notice dated 06th day of August 2019 calling upon the borrower Mr. Mazhar Khan S/o Sh. Naseem Khan to repay the amount mentioned in the notice being Rs. 18,38,221/- (Rupees Eighteen Lakhs Thirty Eight Thousand Two Hundred Twenty One Only) within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him/her under section 13(4) of the said act read with rule of 9 of the said Rules on this day 04-10-2019 of the year 2019.

The borrower in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the property and any dealings with the property will be subject to the charge of the Punjab National Bank. B.O. High Value Branch M.G. Road Gurgaon for an amount of Rs. 18,38,221/- and interest thereon.

Description of the immovable property

All that part and parcel of the property consisting of built up of ground floor of Property bearing no. 1091-B, Type-LIG, Housing Board Colony, Sector-31-32-A, erected on Plot of Land measuring area 20.34 sq yards out of Khasra No. 93, situated at Tehsil & District-Gurgaon.

Bounded:
On the North : West: Entrance
On the South : East: Other Property
On the North : East: 1091-A
On the South : West: other Property

Authorised Officer
Punjab National Bank,
High Value Branch, M.G. Road, Gurgaon

Date: 04.10.2019 **Place: Gurgaon**

कविता पाठ पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए: नायडू

एजेंसी। भुवनेश्वर

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने रविवार को विद्यालयों से कविता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह सामाजिक बदलाव का एक सशक्त माध्यम हो सकती है। शांति को प्रगति के लिए पूर्व-शर्त बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शांति, प्रसन्नता, भाईचारा और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए कविता एक शक्तिशाली माध्यम हो सकती है।

भुवनेश्वर में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कवियों के 39वें विश्व सम्मेलन के अवसर पर कवियों व लेखकों को मानद उपाधि से सम्मानित किया

नायडू ने यहां कवियों के 39वें विश्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, मैं विद्यालयों से कविता पाठ और उनके प्रोत्साहन को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाने का आग्रह करता हूं। उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं विश्वविद्यालयों से साहित्य, कला और मानविकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए भी कहता हूं। हमें कवियों और लेखकों, कलाकारों तथा गायकों की भी उतनी ही ज़रूरत है जितनी हमें डॉक्टरों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की आवश्यकता है। नायडू ने कहा कि कविता को शांति को बढ़ावा देना चाहिए, लोगों को सार्वभौमिक भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और सहिष्णुता विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा, कविता एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकती है जो सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को तेज बना सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक प्रबुद्ध और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए कला और संस्कृति को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कला समाज में रचनात्मकता का पोषण करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रचनात्मक आवाज के बिना, समाज स्थिर हो जाएगा।

आईआईएम अमृतसर का नाम गुरु नानक देव के नाम पर रखा जाए : हरसिमरत

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने रविवार को केंद्र सरकार से अपील की कि अमृतसर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) को सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव को समर्पित किया जाए। उन्होंने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक से अपील की कि इसका नाम श्री गुरु नानक देवजी 550वां शताब्दी आईआईएम रखा जाए। खाद्य प्रसंस्करण मंत्री ने सोमवार को आईआईएम की आधारशिला रखने के अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्री का स्वागत करते हुए कहा, आईआईएम को गुरु साहब को समर्पित करना 550वें प्रकाश पर्व पर उपयुक्त अवसर होगा। उन्होंने एम्स बठिंडा के बाद एक और विश्वस्तरीय संस्थान का गठन होने के अवसर पर पंजाबियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, संप्रग सरकार की दस वर्षों की उपेक्षा के बाद पंजाब अंतत: को प्राथमिकता मिली है और यहां आईआईएम और एम्स जैसी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

हैदराबाद में विजय दशमी उत्सव के तहत आरएसएस के स्वयंसेवकों ने निकाला पथसंचलन

वित्त मंत्रालय 14 अक्टूबर से शुरू करेगा बजट तैयारी की प्रक्रिया

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय 2020-21 के सालाना बजट की तैयारी प्रक्रिया 14 अक्टूबर से शुरू करेगा। मंत्रालय को अन्य बातों के अलावा आर्थिक वृद्धि में नरमी और राजस्व संग्रह में कमी के महत्वपूर्ण मसलों का समाधान करना है। यह नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के दूसरे कार्यकाल और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का दूसरा बजट होगा।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की बजट इकाई के बजट परिपत्र (2020-21) के अनुसार, बजट पूर्व । संशोधित अनुमान को बैठकें 14 अक्टूबर 2019 से शुरू होगी। व्यय सचिव की अन्य सचिवों और वित्तीय सलाहकारों के साथ चर्चा पूरी होने के बाद वित्त वर्ष 2020-21 के लिए बजट अनुमानों को अस्थाई तौर पर अंतिम रूप दिया जाएगा। बजट पूर्व बैठकें 14 अक्टूबर से शुरू होगी और नवंबर के पहले सप्ताह तक जारी रहेगी। वित्त वर्ष 2020-21 का बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने फरवरी के अंत में पेश होने वाले बजट की वर्षों से चले आ रही परंपरा को समाप्त किया है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पहली बार 2018-19 का बजट एक फरवरी 2017 को पेश किया था। इससे मंत्रालयों को बजट राशि वित्त वर्ष की शुरूआत से आबंटित की जाती है। इससे जहां एक तरफ सरकारी विभाग बेहतर तरीके से व्यय की योजना बना पाते हैं वहीं कंपनियों को व्यापार और कराधान योजना बनाने में मदद मिलती है। पूर्व में जब बजट फरवरी के अंत में पेश किया जाता था तब तीन चरणों में संसद में बजट पारित होने की प्रक्रिया मई के मध्य में पूरी हो पाती थी। इससे राशि आबंटित होते-होते मानसून आ जाता। इससे सरकारी विभाग अगस्त के अंत या सितंबर से ही परियोजनाओं पर खर्च शुरू कर पाते।

इस सप्ताह दक्षिण और पूर्वोत्तर में मानसून रहेगा मेहरबान

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले तीन महीने से सक्रिय दक्षिण पश्चिम मानसून की बारिश की कमी को महसूस कर रहे उत्तर और मध्य भारत के इलाकों में बीते सप्ताह मानसून मेहरबान रहा। एक से छह अक्टूबर के दौरान जम्मू कश्मीर से लेकर राजस्थान तक लगभग सभी राज्यों में सामान्य से काफी अधिक बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक सप्ताह में जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, दिल्ली और राजस्थान सहित नौ राज्यों में सामान्य से बहुत अधिक, उत्तर प्रदेश सहित तीन राज्यों में सामान्य से अधिक तथा हरियाणा में सामान्य बारिश हुई। उल्लेखनीय है कि उत्तर और मध्य क्षेत्र के ए राज्य जून से सितबंर के दौरान सामान्य या सामान्य से कम बारिश के दायरे में थे। पिछले सप्ताह दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश की कमी दर्ज किए जाने के बाद विभाग ने अगले सप्ताह दक्षिण पश्चिम मानसून की संभावित वापसी शुरु होने से पहले दस अक्टूबर तक दक्षिण और पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। विभाग ने अक्टूबर के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय स्तर पर मानसून की सामान्य बारिश का स्तर 22.5 मिमी रहने का अनुमान व्यक्त किया था, लेकिन पूरे देश में इस अवधि में 22.1 मिमी (अनुमानित सामान्य स्तर से दो प्रतिशत कम) बारिश हुई। इस दौरान 11 राज्यों में सामान्य से कम और आठ राज्यों में सामान्य से बहुत कम बरिश हुई। बारिश की कमी वाले राज्यों में दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्य शामिल हैं। विभाग ने अगले सप्ताह के लिए जारी पूर्वानुमान के तहत दस अक्टूबर तक मध्य महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों, कर्नाटक, केरल, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। जबकि छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना के कुछ इलाकों में च्रकवाती हवाओं के साथ बारिश की आशंका व्यक्त की है। उल्लेखनीय है विभाग ने विलंबित चल रहे दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी पूर्वी राजस्थान से दस अक्टूबर के बाद शुरु होने की संभावना जताई है। मौसम संबंधी मानकों के मुताबिक दक्षिण पश्चिम मानसून की हर साल वापसी पश्चिमी राजस्थान से शुरु होती है। इसके लिए कम से कम पांच दिन तक बारिश नहीं होना अनिवार्य शर्त है। इसके मुताबिक अगले पांच दिनों तक उत्तरी क्षेत्र में बारिश नहीं होने पर मौसम विभाग दस अक्टूबर के बाद मानसून की वापसी शुरु होने की आधिकारिक घोषणा कर सकेगा। आधिकारिक तौर पर दक्षिण पश्चिम मानसून केरल तट से दस्तक देने के बाद भारत में एक जून से 31 अगस्त तक सक्रिय रहता है। इसकी वापसी एक सितंबर से पश्चिमी राजस्थान से शुरु होती है और 30 सितंबर तक इसकी पूरे देश से वापसी हो जाती है। पिछले साल भी विलंबित रहने के कारण मानसून की वापसी अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से शुरु हुई थी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून के विलंबित होने में अल नीनो के प्रभाव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जून में अल नीनो के कारण भारत में मानसून की गति धीमी पड़ने की वजह से उत्तरी राज्यों में मानसून के शुरुआती चरण में काफी कम बारिश दर्ज की गई।

रिलायंस जियो, वोडाफोन आइडिया ने सितंबर में 94 करोड़ रुपए का स्पेक्ट्रम बकाया चुकाया

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने सितंबर में स्पेक्ट्रम की बकाया राशि के रूप में दूरसंचार विभाग को करीब 94 करोड़ रुपए दिए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि वोडाफोन आइडिया ने 54.52 करोड़ रुपए जबकि रिलायंस जियो ने करीब 39.1 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया है। यह भुगतान समय पर किया गया है। रिलायंस जियो ने ई-मेल का जवाब नहीं दिया है जबकि वोडाफोन आइडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी कारोबार से जुड़े मामलों पर टिप्पणी नहीं करती है। सरकार ने कंपनियों को स्पेक्ट्रम का पैसा टुकड़ों में चुकाने की सहूलियत दे रखी है। सरकार ने पिछले साल संकटग्रस्त दूरसंचार क्षेत्र को राहत देते हुए स्पेक्ट्रम भुगतान के मद में दी जाने वाली किस्तों की संख्या को 10 से बढ़ाकर 16 कर दिया था। संकट के बीच हाल ही में वोडाफोन समूह के चेयरमैन जेरार्ड क्लिस्टरली और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक रीड ने दूरसंचार सचिव अंशु प्रकाश से मुलाकात की।

जातिवाद की जगह राष्ट्रवाद के चलते महाराष्ट्र में भाजपा को बढ़त: सहस्त्रबुद्धे

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बारे में रविवार को कहा कि पार्टी द्वारा जाति की पहचान को राष्ट्रवाद की भावना से बदलने में मिली सफलता और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की जाति निरपेक्ष छवि से पार्टी को फायदा मिल रहा है। सहस्त्रबुद्धे जो खुद महाराष्ट्र से हैं, ने कहा कि राज्य की राजनीति हमेशा से जाति आधारित थी, लेकिन पिछले पांच वर्षों में भाजपा सरकार ने प्रत्एक जाति समूह में अपनी पहचान बनाने में सफलता हासिल की है।

उन्होंने बताया, आज भाजपा ने राज्य में जाति की पहचान को सफलतापूर्वक खत्म करके उसे एक मजबूत राष्ट्रवाद की भावना में बदल दिया है, राष्ट्रवादी परिप्रेक्ष्य में एक सामाजिक सांस्कृतिक समूह में। उन्होंने कहा कि एक समय विपक्षी दल भाजपा को सिर्फ ब्राह्मणों और वैश्यों की पार्टी कहते थे, लेकिन अब कांग्रेस और राकांपा के मजबूत गढ़ रहे उत्तरी और पश्चिमी महाराष्ट्र में भाजपा की मजबूत पकड़ है। सहस्त्रबुद्धे ने पार्टी के विस्तार में फड़नवीस के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ अपने क्षेत्र या आसपास के इलाकों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, बल्कि पूरे राज्य का एक विकास सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा, इससे पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री के प्रभाव वाले इलाकों के आसपास ही विकास कार्यों का फोकस रहता था, लेकिन फड़नवीस ने पूरे राज्य के लिए काम किया। राज्य में मराठा आरक्षण सहित भाजपा सरकार के साहसी फैसलों का जिक्र करते हुए सहस्त्रबुद्धे ने कहा, पिछले पांच वर्षों में फड़नवीस जाति निरपेक्ष नेता बनकर उभरे हैं। राज्य में भाजपा और शिवसेना गठबंधन को उन्होंने समान विचारधारा वाले दलों का स्वाभाविक साझेदारी बताया।

नागपुर में धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बौद्ध भिक्षु

दुर्गा पूजा मेला देखकर लौट रही दो लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म

सुपौल। बिहार के सुपौल जिला के निर्मली थाना क्षेत्र में दूर्गा पूजा मेला देख कर शनिवार देर शाम घर लौट रही दो नाबालिग लड़कियों के साथ चार लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। सुपौल अनुमंडल पुलिस अधिकारी बैद्यनाथ सिंह ने रविवार को बताया कि इस मामले में आरोपी चार लोगों में जरौली गांव निवासी रोहित कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया तथा फरार तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में निर्मली पुलिस ने पीड़िताओं के बयान पर चारों आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बैद्यनाथ ने बताया कि दोनों पीड़िताओं को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। शनिवार को दोनों लड़कियां शनिवार को दुर्गा पूजा मेला देखने के लिए निर्मली आई थी और देर शाम लगभग नौ बजे अपने घर लौट रही थीं। रास्ते में सुनसान जगह देख दोनों के साथ चार लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

एक ऐसा गांव जहां नाक काटकर छह महीने पहले ही कर दिया जाता है रावण का अंत

एजेंसी। इंदौर

शारदीय नवरात्र की समाप्ति के बाद रावण का पुतला जलाकर मनाए जाने वाले दशहरे का उल्लास चरम पर है। रावण का दहन इस बार मंगलवार को होगा, लेकिन मध्यप्रदेश के रतलाम जिले का एक गांव ऐसा है जहां 10 सिरों वाले इस पौराणिक पात्र की मूर्ति की नाक काटकर छह महीने पहले ही उसका प्रतीकात्मक अंत कर दिया जाता है।

दरअसल, इस गांव में शारदीय नवरात्रि के बजाय गर्मियों में पड़ने वाली चैत्र नवरात्रि में रावण के अंत की परंपरा है। यह अनूठी रिवायत सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल भी है, क्योंकि इसे निभाने में मुस्लिम समुदाय के लोग भी बढ़-चढ़कर मदद करते हैं। इंदौर से करीब 190 किलोमीटर दूर चिकलाना गांव में इस परंपरा के पालन से जुड़े परिवार के राजेश बैरागी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया, चैत्र नवरात्रि की यह परंपरा मेरे पुरखों के जमाने से निभाई जा रही है। इसके तहत गांव के एक प्रतिष्ठित परिवार का व्यक्ति भाले से रावण की मूर्ति की नाक पर वार कर इसे सांकेतिक रूप से काट देता है। उन्होंने कहा, "हिन्दी की प्रसिद्ध कहावत नाक कटना का मतलब है-बदनामी होना। लिहाजा रावण की नाक काटे जाने की परंपरा में यह अहम संदेश छिपा है कि बुराई के प्रतीक की सार्वजनिक रूप से निंदा के जरिए उसके अहंकार को नष्ट करने में हमें कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। बैरागी ने बताया कि परंपरा के तहत ढोल-नगाड़ों की थाप पर गांव के हनुमान मंदिर से चल समारोह निकाला जाता है। इसके साथ ही, राम और रावण की सेनाओं के बीच वाकयुद्ध का रोचक स्वांग होता है। इस दौरान हनुमान की वेश-भूषा वाला व्यक्ति रावण की मूर्ति की नाभि पर गदा से तीन बार वार करते हुए सांकेतिक लंका दहन भी करता है। उन्होंने बताया कि परंपरा के मुताबिक इस बार अप्रैल में चैत्र नवरात्रि खत्म होने के अगले दिन रावण की मूर्ति की नाक काटकर उसका प्रतीकात्मक अंत कर दिया गया था। बैरागी ने बताया, "शारदीय नवरात्रि के बाद पड़ने वाले दशहरे पर हमारे गांव में रावण के पुतले का दहन नहीं किया जाता है। करीब 3,500 की आबादी वाला चिकलाना गांव हिंदू बहुल है। लेकिन यह बात इसे अन्य स्थानों से अलग करती है कि चैत्र नवरात्रि के अगले दिन रावण की नाक काटने की परंपरा में गांव का मुस्लिम समुदाय भी पूरे उत्साह के साथ मददगार बनता है। चिकलाना के उप सरपंच हसन खान पठान बताते हैं, इस परंपरा में सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं। इस दौरान मुस्लिम समुदाय भी आयोजकों की हर मुमकिन मदद करता है और पूरे गांव में त्योहार का माहौल होता है। पठान ने बताया कि हमारे गांव में पहले इस परंपरा के लिए हर साल रावण का मिट्टी का पुतला बनाया जाता था।

केरल राज्य चलचित्र अकादमी ने हस्तियों के खिलाफ मुकदमे की निंदा की

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य चलचित्र अकादमी ने भीड़ हिंसा पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र लिखने वाले अडूर गोपालकृष्णन और 49 अन्य हस्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की घटना की निंदा की। अकादमी ने कहा कि यह मुकदमा फिल्म निर्देशकों, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं को संविधान में मिली अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन है। अकादमी ने शनिवार को यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, अडूर गोपालकृष्णन ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने हमेशा अपनी फिल्मों में मानवीय मूल्यों को प्रदर्शित किया। मानवता विरोधी घटनाओं के प्रति चिंता जताने वाले ऐसे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करना सभ्य लोकतांत्रिक समाज के लिए भी ठीक नहीं है। अकादमी ने सरकार पर विरोधियों की आवाज को दबाने का भी आरोप लगाया और गोपालकृष्णन के साथ एकजुटता प्रकट की।

पीएमसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष वरयम सिंह नौ अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजे गए

एजेंसी। मुंबई

पंजाब एवं महाराष्ट्र सहकारी (पीएमसी) बैंक के पूर्व अध्यक्ष वरयम सिंह को एक स्थानीय अदालत ने रविवार को नौ अक्टूबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। बैंक में 4,355 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

सिंह (68) को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शनिवार को माहिम चर्च इलाके से गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस हिरासत में वह चौथे व्यक्ति हैं। आर्थिक अपराध शाखा इस मामले में बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक जॉय थॉमस और हाउसिंग डेवलपमेट ऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआईएल) समूह के प्रमोटरों राकेश तथा सारंग वधावन को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सिंह के वकील ने रविवार को अदालत से कहा कि पीएमसी का प्रबंध निदेशक रहने के नाते थॉमस घोटाले के लिए जिम्मेदार हैं और एचडीआईएल को रिण आवंटित करने में उनके मुवक्किल की कोई भूमिका नहीं थी। गौरतलब है कि आर्थिक अपराध शाखा ने बैंक को 4,355.43 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप में एचडीआईएल और पीएमसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है। शुक्रवार को अदालत को बताया गया कि 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक को सौंपे गए ऋण खातों के विवरण में पीएमसी ने एचडीआईएल और उस समूह के 44 ऋण खातों को 21,049 फर्जी ऋण खातों में बदल दिया। उन ऋणों का ब्यौरा कोर बैंकिंग सिस्टम में दर्ज नहीं किया गया, जबकि बैंक के निदेशक मंडल और अधिकारियों को इसकी पूरी जानकारी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी धनशोधन कानून के तहत अलग जांच कर रहा है। ईडी ने आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए मुंबई और आस-पास के छह ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की।

ममलापुरम का चीन के साथ संबंध से मोदी-चिनफिंग सम्मेलन को मिलेगा प्रोत्साहन

कांचीपुरम (तमिलनाडु)। अगले सप्ताह कांचीपुरम के समीप हो रही भारत-चीन बैठक के मद्देनजर बहुत उम्मीदें हैं, ऐसे में चीन के साथ ममलापुरम के प्राचीन संबंध से इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बल मिलने की संभावना है। शक्तिशाली पल्लव शासकों का ममलापुरम लंबे समय तक फूलता-फलता बंदरगाह रहा था। पल्लव वंश का चीन के साथ संबंध रहा था। उन्होंने अपने शासनकाल में वहां दूत भेजे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बैठक की तैयारी जोरशोर से चल रही हैं। ऐसे में जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों पर नजर डालते हैं तो पता चलता है कि बैठक स्थल ममलापुरम का करीब 2000 साल पहले चीन के साथ संबंध था। मशहूर पुरातत्वविद एस राजावेलू ने पीटीआई भाषा से कहा कि तमिलनाडु के पूर्वी तट पर बरामद हुए पहली और दूसरी सदी के सेलाडॉन (मिट्टी के बर्तन) हमें चीनी समुद्री गतिविधियों के बारे में बताते हैं।

भाजपा विधायक काउ को पार्टी ने थमाया नोटिस

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड में चल रहे जिला पंचायत चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी विधायक उमेश शर्मा काउ का कथित आडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पार्टी ने रविवार को उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने को कहा है।

देहरादून जिले के रायपुर क्षेत्र से विधायक काउ को अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। प्रदेश पार्टी मीडिया प्रमुख देवेंद्र भसीन ने यहां बताया कि जिला पंचायत चुनाव में पार्टी समर्थित उम्मीदवार के खिलाफ विधायक काउ का एक आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय भटट ने अनुशासनहीनता के दायरे में मानते हुए इसका संज्ञान लिया है। भसीन ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी महामंत्री राजेंद्र भंडारी ने काउ को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के अंदर अपना पक्ष रखने को कहा है। उन्होने कहा कि अगर विधायक तीन दिन में अपना पक्ष स्पष्ट नहीं करते तो यह माना जाएगा कि उन्हें इस संबंध में कुछ नहीं कहना है। प्रदेश में इस समय त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव चल रहे हैं और अब तक भाजपा अपने 90 पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को अनुशासनहीनता के चलते पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा चुकी है। काउ वर्ष 2016 में तत्कालीन हरीश रावत सरकार के खिलाफ बगावत करने वाले नौ कांग्रेस विधायकों में शामिल थे। बाद में वह अन्य कांग्रेस विधायकों की तरह भाजपा में शामिल हो गए थे और पिछला 2017 का विधानसभा चुनाव उन्होंने भाजपा के टिकट पर लड़ा और जीता था। गौरतलब है कि काउ के साथ ही कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल हुए खानपुर विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन को भी अनुशासनहीनता के चलते कुछ समय पहले पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है।

कोच्चि में चार गैरकानूनी इमारतों को ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू

कोच्चि। केरल सरकार ने रविवार को कहा कि यहां बने चार गैरकानूनी अपार्टमेंट परिसरों को ध्वस्त करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा मंजूर की गई 138 दिवसीय कार्य योजना के तहत कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार ने कहा कि भवनों को ध्वस्त करने की दक्षता रखने वाली कंपनियों को चुन लिया गया है। मुख्य सचिव टॉम जोस ने अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद कहा, भवनों को चार या पांच दिन में ध्वस्त करने के लिए उन्हें सौंप दिया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। तय योजना के मुताबिक सफल बोलीदाता को ए स्थान 11 अक्टूबर को सौंप दिए जाएंगे। इन गैर-कानूनी अपार्टमेंट परिसरों में स्थित फ्लैट के निवासियों ने चार अक्टूबर तक परिसर को छोड़ दिया है। उच्चतम न्यायालय ने 27 सितंबर के अपने आदेश में कहा था कि 138 दिनों के भीतर अपार्टमेंट परिसरों को ध्वस्त किया जाए। इसके साथ ही केरल सरकार को आदेश दिया गया कि प्रत्एक फ्लैट मालिक को चार सप्ताह के भीतर 25-25 लाख रुपए की अंतरिम क्षतिपूर्ति दी जाए।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान के करौली जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक दलित नाबालिग छात्रा के रिश्तेदार के साथ मारपीट कर छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने रविवार को भाषा को बताया कि कोटे गांव की दलित नाबालिग छात्रा के रिश्तेदार के साथ मारपीट कर उसके साथ छेड़छाड़ का वीडियो शनिवार को वायरल होने के बाद पीड़िता के भाई की ओर से चार आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करवाया गया। दर्ज शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में शामिल एक नाबालिग आरोपी की तलाश की जा रही है।

उन्होंने बताया कि घटना एक पखवाड़े पहले की है जब छात्रा अपने ममेरे भाई के साथ मंदिर जा रही थी। आरोपियों ने रास्ते में रोककर लड़के के साथ मारपीट की और छात्रा के साथ कथित रूप से छेड़खानी कर उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। थानाधिकारी विजय सिंह ने बताया कि पीड़िता के भाई की ओर से दर्ज मामले में चार नामजद आरोपियों में से तीन आरोपियों रघुवीर माली (35), पिंटू माली (22) और महेश माली (21) को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि फरार नाबालिग आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), पोक्सो अधिनियम और अनुसूचित जातिजनजाति अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी रघुवीर माली दहेज हत्या के मामले में पूर्व में भी गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कश्मीर के हालात सामान्य, अनुच्छेद 370 हटाने से लोग खुशः जावड़ेकर

एजेंसी। नई दिल्ली

सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि जम्मू कश्मीर में हालात सामान्य हैं और अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त किए जाने से वहां के लोग खुश हैं क्योंकि उन्हें अब शेष देश के नागरिकों की तरह ही फायदे और अधिकार मिलेंगे। जावड़ेकर ने पीटीआई के पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घाटी में मीडिया पर किसी तरह की पाबंदी नहीं है और बिना किसी कठिनाई के अखबारों का प्रकाशन किया जा रहा है।

उन्होंने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि भाजपा हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को वापस लेने के फैसले को चुनावी मुद्दे की तरह इस्तेमाल कर रही है। जावड़ेकर ने कहा, अनुच्छेद 370 जनता की आकांक्षा पर खरा उतरा है। पूरे देश में लोग इसका स्वागत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, घाटी के लोग सरकार के कदम का स्वागत कर रहे हैं। वे इस कदम का स्वागत कर रहे हैं जो उन्हें फायदा पहुंचाएगा। जावड़ेकर ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों को अब सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा जो उन्हें अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त किए जाने से पहले नहीं मिल रहे थे। उन्होंने कहा, शिक्षा के अधिकार के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 25 प्रतिशत छात्रों को प्रवेश मिलेगा। यह जम्मू कश्मीर पर लागू नहीं था, लेकिन अब लागू होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर की जनता को अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) के लिए अनेक योजनाओं के लाभ नहीं मिलते थे, लेकिन अब उन्हें ए फायदे मिलेंगे। इसी तरह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को राज्य में कोई राजनीतिक आरक्षण नहीं मिलता था लेकिन अब वह भी मिलेगा। जावड़ेकर ने कहा, गृह मंत्री ने 126 कानूनों की सूची दी जो कश्मीर में लागू नहीं होते लेकिन अब वहां लागू हैं। लोग इनका फायदा उठा रहे हैं और इसलिए वे खुश हैं। कश्मीर घाटी, जम्मू तथा लद्दाख में अब सभी केंद्रीय योजनाएं लागू हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अनुच्छेद 370 की वजह से ही जम्मू कश्मीर में पिछले 50-60 साल से अलगाववाद को बढ़ावा देता रहा है। जावड़ेकर ने कहा, इसी प्रावधान की वजह से अलगाववाद और आतंकवाद बढ़े। अब दोनों समाप्त हो चुके हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मीडिया के एक वर्ग में कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर लग रहे आरोपों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, देश के मीडिया को सच सामने रखना होगा। जावड़ेकर ने इन दावों को भी खारिज कर दिया कि बच्चे स्कूल नहीं जा रहे। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी दोनों तरह के स्कूलों में छात्र हैं। उन्होंने कहा, केवल आठ थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगी है, अन्यथा कोई भी बात नहीं है। पहले दो महीने में गोलीबारी की कोई घटना नहीं हुई और कोई आम नागरिक हताहत नहीं हुआ। कश्मीर में मीडिया की आजादी पर उन्होंने कहा कि भारत में मीडिया की आजादी पर केवल आपातकाल में एक बार हमला हुआ था।

मुंबई में दुर्गा पूजा महोत्सव में भाग लेते अभिनेता अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ जया बच्चन, काजोल, अयान मुखर्जी एवं अन्य

हरियाणा-महाराष्ट्र चुनाव में अनुच्छेद 370 सहित राष्ट्रीय मुद्दों पर रहेगा भाजपा का खास जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा ने महाराष्ट्र और हरियाणा में दशहरे के बाद चलने वाले अपने तूफानी चुनाव अभियान को अंतिम रूप दे दिया है और पार्टी नेताओं का कहना है कि उसके प्रमुख मुद्दों में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, मोदी सरकार का भ्रष्टाचार निरोधक अभियान और देशव्यापी एनआरसी लागू करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इस तरह पार्टी इन चुनावों के लिए स्थानीय मुद्दों के साथ ही राष्ट्रीय मुद्दों पर भी पूरा जोर देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र में 10 रैलियों को और हरियाणा में चार से पांच रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। अनुमान है कि भाजपा अध्यक्ष और गृह मंत्री अमित शाह दोनों राज्य में इसके मुकाबले दोगुनी रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। दोनों राज्यों में 21 अक्टूबर को चुनाव होने हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि ये संख्या अनुमानित है और इसमें बदलाव हो सकता है।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा खत्म करने के फैसले पर लोगों की राय जानी और लोगों की राय बेहद उत्साहजनक थी। इसके साथ ही कथित रूप से भ्रष्टाचार में शामिल प्रमुख विपक्षी नेताओं सहित कई बड़ी हस्तियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर भी लोगों की राय अनुकूल है। इन कार्वाइयों को विपक्ष ने राजनीतिक बदला करार दिया है। एक भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस जैसे विपक्षी दल इन मुद्दों पर पूरी तरह रक्षात्मक हैं। इनता ही नहीं, उनके कई नेताओं ने पार्टी लाइन से अलग अनुच्छेद 370 पर सरकार के फैसले का समर्थन किया है। मोदी और शाह सहित भाजपा के प्रमुख नेताओं ने इन राज्यों में जीत का पूरा भरोसा जताया है। पार्टी का मानना है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की साफ-सुथरी छवि है और उन्होंने ईमानदार और सक्षम सरकार चलाई है। भाजपा को उम्मीद है कि वह इन राज्यों में पहले के मुकाबले अधिक बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। पार्टी ने महाराष्ट्र में शिवसेना सहित गठबंधन साझेदारों के साथ मिलकर 288 सीटों में 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, जबकि हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों में 75 पर जीत हासिल करने की बात कही गई है।

घर खरीदार को केंद्रीय मंत्री के नाम पर धोखा देने वाला गिरफ्तार

एजेंसी। मुंबई

केंद्रीय मंत्री का रिश्तेदार होने का दावा करके कथित रूप से एक घर खरीदार से चार लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सुनीत रत्न प्रीतम अठावले (38) ने महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएचएडीए) द्वारा बनाए गए एक फ्लैट के फर्जी दस्तावेज देकर शिकायतकर्ता हकीम सलीम शाह से चार लाख रुपए धोखे से ले लिए। आरोप है कि अठावले ने बोरीवली के शिंपोली क्षेत्र में मकान आवंटन के फर्जी कागज तैयार किए और उस पर एनएचएडीए अध्यक्ष उदय सामंत के फर्जी हस्ताक्षर किए और उसे शाह को दिया।

महागठबंधन अटूट, नीतीश के लिए गठबंधन के दरवाजे बंद : तेजस्वी

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में 21 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में मतभेद के बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्ष गठबंधन में कोई विरोधाभास नहीं है और यह अटूट है। तेजस्वी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला भी बताया और भविष्य में धर्मनिरपेक्ष गठबंधन में उनके लौटने की किसी संभावना से इनकार किया।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने एक साक्षात्कार में नीतीश पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा को अपना जनाधार बढ़ाने में मदद की तथा धर्मनिरपेक्ष एवं समाजवादी राजनीति को जोखिम में डाल दिया। यह पूछे जाने पर कि अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले क्या नीतीश कुमार के महागठबंधन में लौटने की संभावना है, तेजस्वी ने कहा कि समावेशी राजनीति के लिए धर्मनिरपेक्षता एवं समाजवाद एक जीवनपर्यन्त प्रतिबद्धता है और नीतीश ने इसका सदा के लिए त्याग कर दिया है। राजद नेता ने कहा, उन्होंने(नीतीश ने) न सिर्फ हमारे साथ विश्वासघात किया बल्कि उन मूल सिद्धांतों का भी त्याग कर दिया जिस पर धर्मनिरपेक्ष-समावजादी राजनीति टिकी हुई है। केवल हम नहीं बल्कि वे लोग भी जो प्रगतिशील राजनीति में यकीन रखते हैं, वे गिरगिट जैसे रंग बदलने वाले व्यक्ति को अपनाने को अनिच्छुक हैं।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने राज्य में आई हालिया बाढ़ के प्रति भाजपा-जदयू गठबंधन सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर उसकी आलोचना करते हुए कहा कि समूचे राज्य ने असहाय होकर नीतीश कुमार नीत सरकार की असंवेदनशीलता को देखा और वे मतदान केंद्रों पर इसका जवाब देंगे। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, बाढ़, जलजमाव, चमकी बुखार (एईएस)से होने वाली मौतें, मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड कोई प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि भ्रष्टाचार के जरिए सरकार निर्मित आपदाएं हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि बिहार गंभीर संकट में है और मुजफ्फरपुर बालिका गृह में जो कुछ हुआ, चमकी बुखार से हुई मौतें और बाढ़ के दौरान राज्य सरकार के उदासीन रवैए को लेकर लेकर लोग गुस्से में है।

दाऊद का साथी वसूली के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी। मुंबई

भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक कथित सहयोगी को मुंबई में एक कारोबारी से पांच लाख रुपए की वसूली का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि रियाज भाटी (50) को अपराध शाखा की यूनिट-ढ्ढ ने दक्षिण मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट इलाके से शुक्रवार को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी इस साल जून में जुहू पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई। अधिकारी ने कहा कि गोरेगांव के शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि भाटी उसका कारोबारी साझेदार था जिसने साझेदारी तोड़ने के बाद अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों के नाम पर उससे पैसा मांगना शुरू कर दिया था।

यूनिट-। के वरिष्ठ निरीक्षक विनायक मेर ने कहा कि भाटी को भारतीय दंड संहिता की धारा 384 (वसूली) के तहत गिरफ्तार किया गया और उसे नौ अक्टूबर तक पुलिस की हिरासत में रखा जाएगा।

मुंबई में पीएमसी बैंक के जमाकर्ताओं ने रिजर्व बैंक के सामने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

चीनी विश्वविद्यालयों के साथ करार से पहले विदेश, गृह मंत्रालय की लेनी होगी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश के शैक्षणिक संस्थानों के लिए चीन के किसी विश्वविद्यालय से करार या एमओयू करने तथा चीनी भाषा केंद्र खोलने से पहले विदेश मंत्रालय एवं गृह मंत्रालय से मंजूरी लेनी होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रो रजनीश जैन ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया, ऐसे विश्वविद्यालय, जिन्होंने पहले ही चीनी विश्वविद्यालयों के साथ करार या एमओयू कर लिया है, उन्हें इस पर अमल के लिए गृह मंत्रालय से मंजूरी लेनी होगी। जब तक मंजूरी प्राप्त नहीं कर ली जाती है, तब तक एमओयू के तहत कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। इस आदेश के दायरे में निजी विश्वविद्यालय एवं अकादमिक संस्थान भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि पहले विश्वविद्यालय या स्वायत्त शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी देश के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक एवं शिक्षक आदान-प्रदान करने के लिए ऐसा नियमन नहीं था। मौजूदा समय में भारतीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों ने दुनिया के तमाम देशों के साथ शैक्षणिक और शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के लिए करार किए हैं। शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने में जुटी सरकार इसे और ज्यादा बढ़ावा देना चाहती है। पिछले दो सालों में शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 20 से ज्यादा देशों के करीब 250 से ज्यादा प्रोफेसर भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने के लिए आ चुके हैं। बहरहाल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का यह परामर्श ऐसे समय में सामने आया है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का 11 अक्तूबर को भारत आने का कार्यक्रम है।

समस्या पर रोक लगाने के लिए ई-सिगरेट पर पाबंदी के लिए अध्यादेश लाया गयाः हर्षवर्द्धन

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि ई-सिगरेटों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अध्यादेश लाने का फैसला अत्यंत आवश्यक हो गया था क्योंकि युवाओं के बीच यह समस्या विकराल होती जा रही थी और इस तरह के उत्पादों को अनुमति देने से सरकार के तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की अवहेलना होती। ई-सिगरेटों पर प्रतिबंध को अत्यंत प्रभावी मानते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि अध्यादेश लाकर इस समस्या को शुरूआत में ही समाप्त कर दिया गया।

सरकार ने 18 सितंबर को एक अध्यादेश जारी करके धूम्रपान के इस तरह के वैकल्पिक उपायों के निर्माण, उत्पादन, आयात, निर्यात, वितरण, ढुलाई, बिक्री, भंडारण या विज्ञापन को संज्ञेय अपराध घोषित किया था जिसमें जेल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। केंद्रीय मंत्री ने विशेष साक्षात्कार में कहा, प्रतिबंध की सफलता उपभोक्ता आधार के आकार पर निर्भर करती है। जितना बड़ा आकार होगा, पाबंदी की सफलता की दर उतनी कम होगी। ई-सिगरेट का उपभोक्ता आधार बहुत छोटा है और प्रतिबंध अत्यंत प्रभावी होगा।

मंत्री ने कहा कि ई-सिगरेट जैसी इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन प्रदाय प्रणालियां (एंड्स) धूम्रपान नहीं करने वालों के बीच सामान्य है। एक वर्ग ने यह कहकर सरकार की आलोचना की है कि परंपरागत सिगरेट उद्योग के हितों को बचाने के लिए ई-सिगरेट पर पाबंदी लगाई गई है। इस बारे में जब स्वास्थ्य मंत्री से पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह बिल्कुल सच नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने परंपरागत तंबाकू सेवन पर रोकथाम के लिए भी अनेक कदम उठाए हैं। ई-सिगरेट को परंपरागत सिगरेटों से सुरक्षित और कम नुकसान वाला बताने के तर्कों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, ई-सिगरेट परंपरागत सिगरेटों से सुरक्षित हैं या कम नुकसान पहुंचाती हैं, इस बात के ठोस सबूत नहीं हैं। दूसरी तरफ ई-सिगरेट के इस्तेमाल से निजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर नुकसान के पर्याप्त सबूत हैं। उन्होंने इस संबंध में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा प्रकाशित श्वेतपत्र का जिक्र किया।

जज रविशंकर बने पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी। चंडीगढ़

न्यायमूर्ति रवि शंकर झा को रविवार को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप शपथ दिलाई गई। पंजाब के राज्यपाल वी पी सिंह बदनौर ने न्यायमूर्ति झा को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के 35वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति झा इससे पहले मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, विधानसभा अध्यक्ष राणा के पी सिंह और मुख्य सचिव करण अवतार सिंह भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायाधीश भी उपस्थित थे। इस मौके पर नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश के परिवार के सदस्य भी पहुंचे थे।

रावण और पुतले बनाने वाले कलाकार दोनों पर मंदी की मार

एजेंसी। नई दिल्ली

विजयादशमी के सबसे बड़े दिन के लिए रावण के पुतले जोर-शोर से तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कोने-कोने में भेजा जाएगा, लेकिन प्रशासनिक अव्यवस्था और मंदी की मार के चलते इस बार के दशहरे में इन पुतलों को बनाने वालों के लिए त्योहार का रंग कुछ फीका सा है।

दिल्ली की भीड़-भाड़ वाली मुख्य सड़क से दूर, मंद रोशनी में पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर में पुतला बाजार सज चुका है। 2018 से पहले यह बाजार टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास तितारपुर गांव में लगा करता था, जिसे अब सुभाष नगर स्थानांतरित कर दिया गया है। पुतला निर्माण से जुड़े कलाकारों का कहना है कि कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होने होने के कारण कारोबार और जीवन दोनों पर मार पड़ी है। दिल्ली के तितारपुर पुतला बाजार को एशिया में अपनी तरह के सबसे बड़े बाजार में से एक माना जाता था, जहां दशहरा से कुछ दिन पहले से ही इसके व्यस्त बाजार में बड़े-बड़े सिर वाले रावण के रंग-बिरंगे पुतले सड़क पर एक कतार में खड़े दिखाई देने लगते थे। हालांकि अब पुतला बनाने वाले कलाकारों को जिन दो जगहों पर भेजा गया है वहां सुविधाओं के नाम पर सिर्फ बड़ी-बड़ी घास के मैदान हैं। कलाकारों ने बताया कि वहां न पानी है, न बिजली है और न शौचालय की सुविधा है। ए कलाकार अपनी साल भर की बेहद कम मेहनताना वाली नौकरियों को छोड़कर त्योहारी मौसम में कुछ अतिरिक्त धन कमाने की उम्मीद से पुतले बनाते और बेचते हैं। बहरहाल, इन सबके बावजूद ये कलाकार लंबे और दस सिर वाले शक्तिशाली रावण तथा उसके भाइयों कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं जबकि उन्हें पर्याप्त आय होने की उम्मीद कम है। ए पुतले पांच फीट से करीब 50 फीट के होते हैं और इनकी कीमत प्रति फीट करीब 500 रुपए है जो पिछले सालों के मुकाबले कम है। ये कलाकार मुख्यतः राजस्थान, हरियाणा और बिहार से दिहाड़ी मजदूर होते हैं। ऐसे ही एक कारोबारी महेंद्र रावणवाला ने बताया, जब हम यहां आए तो अधिकारियों ने हमें शौचालय, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने का वादा किया था। अब हम ऐसी जगह पुतले बना रहे हैं जो जंगल से भी बदतर है। कमाई तो दूर, हमें पीने के पानी के लिए हर दिन 300-400 रुपए खर्च करने पड़ते हैं। रावणवाला ने बताया, यहां जो थोड़ी बहुत रोशनी दिख रही है उसकी व्यवस्था भी हमने ही की है और इसके लिए हमने 2,000 रुपए खर्च किए।

नई दिल्ली में टैगोर गार्डन के पास रावण बनाने व बेचने के काम में लगा एक परिवार

मनमोहन सिंह की तीर्थ यात्रा

करतारपुर पर अमरिंदर की सटीक रणनीति

भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच कांग्रेस सरकारी नीति की आलोचक व जिम्मेदार विपक्षी पार्टी की तरह व्यवहार का प्रयास कर रही है। पाकिस्तान ने कांग्रेसी नेताओं के बयानों का प्रयोग कश्मीर के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए किया था। इस बार भी कांग्रेस पाकिस्तान सरकार द्वारा वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को करतारपुर कारीडोर उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने से हतप्रभ रह गई। यह कारीडोर 1522 में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव द्वारा स्थापित दरबार साहेब को भारत के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से जोड़ेगा। स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी आमंत्रण प्रोटोकाल की अनदेखी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पीछे छोड़ने तथा विपक्षी दल को परेशान करने की चाल है। पाकिस्तान कांग्रेस को सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ अपने मुहरे की तरह पेश करना चाहता है। इस्लामाबाद का ढोंग स्पष्ट है क्योंकि इसके पहले उसने गुरुद्वारे तक वीज़ा–मुक्त आवागमन का तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का प्रस्ताव नहीं माना था।

लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह ने शानदार रणनीति बनाई। पाकिस्तान की छलावे से भरी राजनीति ध्वस्त करते हुए उन्होंने प्रस्ताव किया कि मनमोहन सिंह अब राज्य सरकार के आधिकारिक जत्थे या प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में गुरुद्वारे जाएंगे।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तीर्थयात्रा होने के कारण यह जत्था पाकिस्तान द्वारा आयोजित किसी समारोह में भाग नहीं लेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भारत में होने वाले आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। स्पष्ट रूप से जम्मू कश्मीर के मामले पर अब पश्चिमी दुनिया व इस्लामी देशों द्वारा राज्य पुनर्गठन पर भारत के समर्थन के बाद पाकिस्तान सिखों को खुद से अलग नहीं करना चाहता है क्योंकि एक समय खालिस्तान उसका ट्रंप कार्ड था। इमरान खान द्वारा नाभिकीय युद्ध की धमकी और 'हाय तोबा' मचाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता को भारी धक्का लगा है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना ने खालिस्तान–समर्थक अतिवादी एजेंडे के माध्यम से पंजाब में समस्यायें खड़ी करने का निर्णय किया है। पहले पाकिस्तान ने करतारपुर गलियारे की घोषणा करते हुए कई खालिस्तानी अलगाववादियों को समिति में रखा था जिससे भारत असहज था। पूर्व पाक सेना प्रमुख जनरल मिर्जा असलम बेग ने खुलेआम सेना व सरकार से करतारपुर गलियारे का प्रयोग खालिस्तानी आतंक फैलाने और 'भारत में समस्यायें पैदा करने' के लिए कहा था। हाल में पाकिस्तानी सेना ने खालिस्तान–समर्थक तत्वों का प्रयोग कश्मीर पुनर्गठन को चुनौती देने के लिए किया है। भारत भले ही करतारपुर को दोनों देशों की जनता के बीच संपर्क का साधन माने, पर पाकिस्तान इसे कभी राजनीति से अलग नहीं समझेगा। पाकिस्तान इस मामले में अपनी पहल का प्रचार कर रहा है जिसकी शुरुआत कैप्टेन अमरिंदर सिंह द्वारा अमृतसर के निकट निरंकारी समागम पर ग्रेनेड हमले में पाकिस्तान व आईएसआई का आरोप लगाने के बाद हुई थी। पाकिस्तान कट्टरपंथी खालिस्तान भावनायें भड़का कर पंजाब में अशांति पैदा करना चाहता है। भारत को सतर्क रहना होगा कि कारीडोर के पाकिस्तानी पक्ष में आधार शिविर संगत के नाम पर खालिस्तानी प्रचार का हिस्सा न बन जाए। वैसे भी पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा को करतारपुर में खालिस्तानी चेहरे गोपाल सिंह चावला से हाथ मिलाते देखा गया था। पाकिस्तान स्वयं को अल्पसंख्यक अधिकारों और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता के पैरोकार की तरह पेश

स्वच्छ भारत अभियान का यथार्थ

समय आ गया है कि सरकार स्वच्छ भारत अभियान के बारे में कुछ कठोर सच्चाइयां स्वीकार करे। उसे अपना रास्ता ठीक करना होगा नहीं तो जनकल्याण की यह योजना अज्ञान के अंधकार में खो जाएगी।

अजय कुमार
(लेखक पूर्व आईपीएस व पूर्व सांसद हैं)

इस सप्ताह हमने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी मेरे लिए नायक हैं और मेरा पूरा विश्वास है कि दुनिया भर के करोड़ों लोग उनको नायक की तरह सम्मान देते हैं। उनकी जन्म जयंती हमरे लिए यह जांचने का उपयुक्त अवसर है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम का मूलाधार रहे उनके मूल्य व सिद्धान्त देश में कहां तक समाहित हुए हैं और इनका कहां तक पालन होता है। जहां तक हमारी राष्ट्रीय चेतना का सवाल है, गांधीजी कुछ मूल्यों के साथ थे। मुझे विश्वास है कि वे अपने बच्चों से भी इसी रास्ते पर चलने की उम्मीद करते थे। उनके द्वारा दिया गया ऐसा एक आदर्श 'सत्य' का महत्व है। उनके लिए 'सत्य' का इतना महत्व था कि इसे उनकी आत्मकथा के शीर्षक–सत्य के साथ मेरे प्रयोग, में स्थान मिला। इस विषय पर बापू के अनेक उल्लेखनीय उद्धरण हैं। मुझे उनका यह उद्धरण सबसे ज्यादा पसंद है–'कोई गलती बार–बार प्रचार से सत्य नहीं हो जाती है, न ही सत्य इस कारण गलत नहीं हो जाता है कि कोई उसे देखता नहीं है।'

2 अक्टूबर, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण भारत को 'खुले में शौच से मुक्त'–ओडीएफ घोषित कर दिया। जब मैंने यह दावा सुना तो 'सत्य' पर गांधीजी का उद्धरण मेरे दिमाग में कौंध गया। उपरोक्त उद्धरण में बापू के शब्द पिछले महीने हुई एक और घटना के कारण विरोधाभासी रूप में सामने आए। प्रधानमंत्री के जोरदार दावे के लगभग एक सप्ताह पहले दो छोटे दलित बच्चों को मध्य प्रदेश के एक गांव में इस आरोप में पीट कर मार डाला गया कि वे ऊंची जाति के एक व्यक्ति के खेत में खुले में शौच कर रहे थे। दो छोटे बच्चों के साथ हुई यह घटना जल्दी ही आंखों से ओझल हो गई, पर इससे हमें भविष्य में भी व्यथित होना चाहिए। ऐसी स्थिति की कल्पना करें जब आप एक शहर से दूसरे शहर को अपने बच्चों के साथ सड़क मार्ग से जा रहे हों और मीलों तक कोई शौचालय सुविधा न मिले। यदि आपका बच्चा बीमार हो और उसे फौरन शौच करना पड़े। भले ही यह स्थिति आदर्श न हो, पर आपके सामने कोई विकल्प नहीं होगा और बच्चे को किसी खेत में शौच के लिए जाना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में उस भय या शर्म की कल्पना करें जिससे आपको गुजरना पड़ सकता है। अब उन करोड़ों भारतीयों की कल्पना करें जिनको रोज इस स्थिति से गुजरना पड़ता है। इसके बावजूद आपसे कहा जा रहा है कि भारत ओडीएफ हो गया है।

जिस भावकेडी गांव में दो छोटे बच्चों की हत्या हुई, उसे ओडीएफ घोषित किया गया था। इस प्रकार सरकार के अनुसार, इस गांव के हर घर में एक शौचालय था जिसे स्वच्छ भारत अभियान–एसबीए की व्यापक योजना के अंतर्गत बनवाया गया था। लेकिन बच्चों की मौत से स्पष्ट है कि आंकड़े चाहे जो हों, सच्चाई संभवतः बिल्कुल अलग है।

'सत्य' यह है कि इस योजना की सफलता को बढ़ा–चढ़ा कर पेश किया जा रहा है ताकि एक छवि की रक्षा की जा सके, जिसे तैयार किया गया है। अनेक रिपोर्टों से स्पष्ट है कि एसबीए के अंतर्गत शौचालयों के निर्माण से स्थाई स्वच्छता सुविधाओं के निर्माण में सहायता नहीं मिली है। शौचालयों के निर्माण के बावजूद स्वच्छता में सुधार नहीं हुआ है क्योंकि शौचालय के भौतिक निर्माण के अलावा अन्य आवश्यकतायें, जैसे पानी की लगातार उपलब्धता व उपयुक्त सीवेज प्रणाली, पूरी नहीं हुई हैं।

भारत की स्वच्छता सुविधाओं में वास्तविक सुधार का एक कारण यह है कि भले ही शौचालयों का निर्माण कागज पर अच्छा लगता हो, पर खुले में शौच की समस्या से उस समय तक नहीं निपटा जा सकता है जब तक हम इससे जुड़ी जाति व्यवस्था तथा लोगों की सोच बदलने को संबोधित न करें। सरकार द्वारा संभवतः समग्र स्वच्छता सुविधाओं के निर्माण के बजाय शौचालय निर्माण को चुनने के पीछे कारण यह है कि पहले वाले की तुलना में इसका प्रचार करना ज्यादा आसान है, जबकि वास्तव में यह देखा जाना चाहिए कि क्या पूरे देश में समग्र रूप से स्वच्छता में सुधार हुआ है या नहीं।

एसबीए में जाति व्यवस्था तथा स्वच्छता में सुधार के बीच नजदीकी संबंध पर विचार तक नहीं किया गया, जबकि इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसका कारण यह है कि शौचालयों की सफाई करना समाज के बड़े तबके में अशुद्ध मानी जाती है और यह काम केवल नीची जातियों के लिए आरक्षित माना जाता है। किसी स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए इस सोच में परिवर्तन सुनिश्चित करना चाहिए।

एक लोकप्रिय डिजिटल पोर्टल के अनुसार एसबीए के कारण वास्तव में दलितों का उत्पीड़न तीन तरीकों से और बढ़ गया है। पहला, स्वच्छता के ढांचे, जैसे प्लम्बिंग व सेप्टिक टैंकों में आवश्यक सुधार के बिना शौचालयों की संख्या में वृद्धि से शौचालयों की हाथ से सफाई करने वाले लोगों की आवश्यकता बढ़ गई है। चूंकि उच्च जातियां ऐसा करने की इच्छुक नहीं हैं, इसलिए यह काम दलितों को करना पड़ रहा है। इसलिए उनमें हाथ से मैला सफाई की घटनायें बढ़ गई हैं।

दूसरा, दलितों को अक्सर जन–कल्याण योजनाओं से बाहर कर दिया जाता है जिसमें एसबीए में मिलने वाली शौचालयों की ग्रांट भी शामिल है। इसके अलावा, खबरों के अनुसार, अधिकारियों पर शौचालय निर्माण के लिए दबाव था। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई जब व्यक्तियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक पहुंच बंद करने की धमकी दी गई।

तीसरा, शौचालय बनाने के विकल्प व क्षमता के बावजूद खुले में शौच करना जाति के आधार पर एक प्रकार का विशेषाधिकार है और दलितों को ऐसा करने का अधिकार कम है। इस प्रकार वे दुहरी मुसीबत में फंस गए। उनको न तो शौचालय निर्माण करवाने का विशेषाधिकार मिला और न उनको मार डाले जाने के भय के बिना खुले में शौच का अधिकार था।

मुद्दा यह नहीं है कि हम सभी भारतीयों के लिए बेहतर सफाई सुनिश्चित करने में सफल नहीं हुए। यह एक व्यापक व जटिल समस्या है, जिसके समाधान के लिए प्रतिबद्ध प्रयासों तथा स्पष्ट कार्ययोजना आवश्यक है। समस्या यह है कि जमीनी परिणामों पर गौर किए बिना तथा एसबीए की सफलता के वास्तविक आंकलन के बिना हमने स्वयं अपनी पीठ ठोंकी तथा केवल वे चीजें सुनीं जिनसे हमें खुशी मिलती थी।

स्वच्छ भारत अभियान के कठोर परीक्षण से बचने का प्रयास कर हम स्वयं को मूर्ख बना रहे हैं। इस दृष्टिकोण का दीर्घकालीन प्रभाव यह है कि प्रचार के शोर में सत्य की खोज पीछे छूट जाती है। यह स्थिति विनाशकारी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी हाल में कहा है कि आलोचना को दबाने से गलतियां होंगी और सरकारों को इस स्थिति से बचना चाहिए। इस प्रकार गांधीजी के ये शब्द आज भी 'सत्य' सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा था, 'सत्य इसलिए गलत सिद्ध नहीं हो जाता है कि कोई उसे देखता नहीं है।' त्रासदी यह है कि जब तक हम 'सत्य' देखेंगे तब तक और ज्यादा निरपराध लोगों का जीवन हमारी जानबूझ कर की गई अनदेखी से समाप्त हो जाएगा।

वैश्विक ध्यानाकर्षण का केंद्र बना कश्मीर

कल्याणी शंकर
(लेखिका वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

निःसंदेह प्रधानमंत्री मोदी की एक सप्ताह की अमेरिका यात्रा से भारत व अमेरिका के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। इस अत्यंत व्यस्त सप्ताह में उन्होंने द्विपक्षीय व बहुपक्षीय सम्मेलनों में भाग लिया जिसमें संयुक्त राष्ट्र महासभा व जलवायु कार्रवाई सम्मेलन को संबोधित करना भी शामिल है।

न्यूयॉक जाने के पहले मोदी का एजेंडा क्या था? प्रधानमंत्री ने कहा था कि, ''संयुक्त राष्ट्र में अपनी सहभागिता के साथ मैं टिकाऊ विकास लक्ष्यों में प्राप्त अपनी सफलताओं का उल्लेख करूंगा। 23 सितम्बर को जलवायु कार्रवाई सम्मेलन में मैं जलवायु परिवर्तन संबोधित करने में भारत की जावचंत कार्रवाइयों का उल्लेख करूंगा जो वैश्विक लक्ष्यों व हमारी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हैं। मुझे विश्वास है कि इस यात्रा से भारत स्वयं को जीवंत अवसरों वाले देश, विश्वसनीय साझीदार व वैश्विक नेता के रूप में प्रस्तुत कर सकेगा। इससे हमें अमेरिका के साथ संबंधों में नई ऊर्जा लाने में भी मदद मिलेगी।''

क्या मोदी अपना एजेंडा पूर्ण करने में सफल हुए? ह्यूस्टन के हाउडी मोदी आयोजन में 50,000 भारतीयों ने भाग लिया जो अमेरिकियों के दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण बिंदु था। ह्यूस्टन में शक्ति प्रदर्शन का अर्थ मोदी व ट्रंप द्वारा अपने श्रोताओं को संबोधित करना था। मोदी ने इस यात्रा का प्रयोग उभरते हुए वैश्विक नेता के रूप में अपनी छवि निर्माण के लिए किया। ह्यूस्टन आयोजन शानदार था जिसने अमेरिकी अवस्थापना को तथा भारतीय अमेरिकियों के बिजनेस समुदाय को आश्वस्त किया कि मोदी दूरदर्शी नेता हैं। मोदी ने राकस्टार के रूप में भी अपनी स्थिति मजबूत की जब ट्रंप ने उनकी तुलना लोकप्रिय अमेरिकी गायक व अभिनेता एल्विस प्रिसले से की।

मोदी व ट्रंप ने एकदूसरे की प्रशंसा कर अपने शानदार समीकरण का प्रदर्शन किया। मोदी ने कहा कि इस ग्रह के सभी लोग ट्रंप को जानते हैं और बाद में ट्रंप ने इसका जवाब देते हुए उनको देश का पिता कह डाला। मोदी ने भारतीय अमेरिकियों को अबकी बार ट्रंप सरकार की याद दिलाकर ट्रंप का प्रचार भी कर दिया।

अनिवासी भारतीयों ने अपनी मजबूत स्थिति दिखाते हुए 50,000 भारतीय अमेरिकियों का एकत्र किया जिन्होंने मोदी का बहुत खुशी से स्वागत किया। उनको गर्व था कि अमेरिकी राष्ट्रपति मोदी के साथ मंच साझा कर रहे थे।

उन्होंने ब्रांड मोदी के माध्यम से उभरती विश्व शक्ति के रूप में ब्रांड इंडिया को भी आगे बढ़ाया। व्यापक लक्ष्य को सामने रखते हुए प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र बैठक के साथ अनेक छोटे व बड़े देशों के नेताओं के साथ बैठक की। इस प्रकार, उन्होंने देशों के अन्य बड़े समूहों से संबंध मजबूत किए। पहली बार मोदी ने बहुपक्षीय सर्वोच्च स्तरीय संवाद विकसित करते हुए प्रशांत द्वीपीय देशों व कैरीकॉम– कैरिबियन समुदाय व साझा बाजार, के नेताओं से वार्ता की। उन्होंने विभिन्न नेताओं व समूहों के साथ 40 बैठकें कीं और संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई सम्मेलन में मोदी ने भारत की पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन नीति रेखांकित की। इसमें खासकर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सहभागिता व जल तथा परिवहन संबंधी भारत की नीतियां शामिल थीं। जहां तक निवेश का सवाल है, प्रधानमंत्री ने इस पर जोर देते हुए प्रमुख अमेरिकी कम्पनियों को भारत आने व निवेश करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने ह्यूस्टन व न्यूयॉर्क में प्रमुख कार्यकारी अधिकारियों के साथ भारत में सभी सुविधाओं का वादा किया था। इसके परिणाम आने वाले महीनों में पता चलेंगे कि वो हमारी अर्थव्यवस्था में पैसा लगाते हैं या नहीं जो फिलहाल ढलान की ओर है।

उनकी यात्रा की शुरुआत ह्यूस्टन से हुई जहां भारत व अमेरिका ने अपने ऊर्जा संबंध मजबूत किए। भारत की राज्य संचालित पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने लगभग 5 मिलियन टन एलपीजी प्रतिवर्ष प्राप्त करने के लिए अमेरिकी कम्पनी टेलूरियन इंक से समझौता किया। हालांकि, ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक में भी कुछ समझौतों की उम्मीद थी पर वे मूर्त रूप नहीं ले सके। दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा एक बड़ी समस्या है और अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय बाजारो में ज्यादा पहुंच चाहते हैं।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझीदार है और ट्रंप चाहते हैं कि नई दिल्ली सूचा व प्रसारण तकनीक उत्पादों के मामले में टैरिफ कम करे, चिकित्सा उत्पादों पर मूल्य की सीमा हटाए व अनेक अन्य कदम भी उठाए। दूसरी ओर, भारत चाहता है कि अमेरिका जनरलाइज्ड सिस्टम आफ प्रेफरेंसेज का दर्जा बहाल करे जिसे वाशिंगटन ने तीन महीने पहले समाप्त कर दिया था।

राजनयिक पक्ष में मोदी ने अपनी बैठकों में दुनिया के नेताओं को जटिल कश्मीर मुद्दा समझाने का प्रयास किया। उन्होंने दावा किया कि चीजें सामान्य हो रही हैं और पाकिस्तान पर सीमापार से आतंकवाद का आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी ने एक राजनेता जैसा भाषण दिया जबकि उम्मीद के अनुसार इमरान खान ने कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण किया। मोदी ने विकास, शांति व सुरक्षा में भारत की भूमिका रेखांकित करते हुए अनुच्छेद 370 को कोई उल्लेख नहीं किया। ट्रंप ने मोदी तथा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मुलाकात कर स्थिति सुधारने का सुझाव दिया। ट्रंप ने दोनों को अपना महाने मित्र बताते हुए दोनों से वार्ता का अनुरोध किया। जहां ट्रंप ने संवाद की बात की वहीं उनके प्रशासन ने कश्मीर में मानवाधिकारों व सामान्य स्थिति बहाल करने की बात कही। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अब भी कश्मीर पर नजर बनी हुई है। भारत चाहे या न चाहे कश्मीर अब सारी दनिया की नजर में है।

हालांकि, इस यात्रा को सफल बताकर इसकी प्रशंसा की गई, पर व्यापार संबंधी समस्याएं बनी हुई हैं तथा नई दिल्ली के तमाम राजनयिक प्रयासों के बावजूद कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण हो गया है। कुल मिलाकर इस यात्रा से मोदी का कद अमेरिकियों की नजर में बहुत बढ़ गया है और देश में भी उनकी छवि मजबूत हुई है। इससे यह दृष्टिकोण भी मजबूत हुआ है कि भारत–अमेरिका संबंध एक सदाबहार साझीदारी में बदल गए हैं।

आप की बात

चरम पर दलबदल

यदि लोकसभा चुनाव परिणाम को विपक्ष का सफाया करने वाला राजनीतिक गणित माना जाए तो क्षेत्रीय राजनीति पर इसका प्रभाव संघीय पार्टियों की प्रासांगिकता समाप्त करने वाला प्रतीत होता है। एक समय केन्द्र के स्तर पर बनने वाले शक्तिशाली राजनीतिक गठबंधनों की रीढ़ समझे जाने वाली राज्य स्तरीय पार्टियां अब कबीलाई मुखियों जैसी हो गई हैं जो अपने छोटे से समर्थक समूह को किसी प्रकार एकजुट रख कर राष्ट्रीय पार्टियों द्वारा उदरस्थ किए जाने से बचती हैं। इस परिदृश्य में वे, या तो अपने खास क्षेत्रों में लौट जाएं या राजनीति में बने रहने के लिए बड़ी पार्टियों के इशारे पर चलें। महाराष्ट्र में अनेक नेता कांग्रेस व रांकापा छोड़ कर भाजपा–शिवसेना गठजोड़ में चले गए हैं और विपक्ष का सफाया हो गया है। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बसपा के 6 विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कर दलित एकजुटता का सिद्धान्त धूल में मिला दिया है। वर्तमान परिदृश्य में महाराष्ट्र में चुनाव जैसे निरर्थक हो गया है क्योंकि टकराव केवल सत्तारूढ़ भाजपा व शिवसेना के बीच सीटों के प्रतिशत तथा सत्ता में साझे पर है। यह लूट का माल बांटने की लड़ाई जैसा है।

– **विजेता पाटनी**, कानपुर

चुनावी व्यापार का दौर

चुनाव में एक नई चीज है सोशल मीडिया का उपयोग। लगभग सभी ने गूगल और फेसबुक में विज्ञापन के लिए स्थान खरीदा है। एक सर्च पेज खोलिए और आपको इनमें से एक या अधिक प्रत्याशियों के मुस्कुराते हुए चेहरे एवं धूल व गंदगी से भरे शहर को स्वर्ग बनाने वाले वादे नजर आएंगे। सौभाग्य से कोई सड़कों को बच्चे के गालों जैसा चिकना बनाने का वादा नहीं कर रहा। प्रोत्साहन, होर्डिंग और सोशल मीडिया ही केवल मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रयुक्त माध्यम नहीं है। कुछ प्रत्याशियों ने मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नवीन पद्धतियां खोज ली हैं। धार्मिक प्रवचन एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करना, नई पद्धति है धार्मिक पर्यटन। एक प्रत्याशी ने अत्यंत खर्चीली वैष्णो देवी की यात्रा आयोजित की। प्रत्येक दिन, लगभग एक महीने से, कुछ वातानुकूलित वोल्वो बसें लोगों को धर्मस्थल ले जाती हैं। उनके खाने, रहने, एवं यात्रा का ख्याल रखा जाता है। बसें विशाल बैनर एवं भगवा रंग की पोशाक पहने प्रत्याशी के चित्र साथ लेकर चलती हैं। शायद ही कोई बिजली का खंभा अथवा पेड़ या दीवार बची होगी जिस पर ढेर सारे पोस्टर न लगे हों।

– **वीरेंद्र कश्यप,** नोएडा

अवसंरचना में निवेश

सरकार को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश के लिए खजाने का मुंह खोलना होगा। यह इसलिए जरूरी है ताकि इस निवेश का असर चालू वित्त वर्ष में ही महसूस हो और मंदी पर काबू पाया जा सके। यदि लगे तो राजकोषीय अनुशासन के मामले में कुछ छूट ली जा सकती है, लेकिन यह केवल बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश की शर्त पर ही हो। वैसे भी यह क्षेत्र शिद्दत से सुधार का इंतजार कर रहा है और इसमें अर्थव्यवस्था को व्यापक रूप से फायदा पहुंचाने की विपुल संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री को संवाद स्थापित करने की कला में महारत हासिल है। अपने इस कौशल का उपयोग उन्हें सभी क्षेत्रों के उद्यमियों और निवेशकों का प्रत्येक मोर्चे पर हौसला बढ़ाने में करना होगा। उन्हें आधुनिक भारत का सपना इस तबके के बीच लोकप्रिय बनाना होगा। इस साल 15 अगस्त को पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि संपत्ति सृजित करने वालों का सम्मान करना होगा। प्रधानमंत्री को यह आश्वस्त करना होगा कि वास्तविक गलतियां और नुकसान स्वीकार्य होंगे तथा कानूनी ढंग से कमाई स्वागतयोग्य है।

– **अमित बाजपेयी**, सुल्तानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई–मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

सुरक्षा परिषद में मंजूर प्रस्ताव के बावजूद अभी कश्मीर घेरेबंद है तथा 8 मिलियन लोग कश्मीर में फंसे हैं।

– **रेसिप तैयब इर्दोगान**
तुर्की के राष्ट्रपति

कोई और टिप्पणी करने के पहले हमारा तुर्की से अनुरोध है कि वह जमीनी स्थिति की सही समझ विकसित करे।

– **रवीश कुमार**
विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

सब जानते हैं कि देश में क्या हो रहा है। वास्तव में यह सारी दुनिया जानती है। स्पष्ट है कि हम एक तानाशाही राज्य की ओर बढ़ रहे हैं।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

योगी सरकार धूमधाम से मनाएगी विजयदशमी का जश्न

● मुख्यमंत्री गोरखपुर में तो प्रभारी मंत्री जिलों में हिस्सा लेंगे

● सुरक्षा के इंतजाम भी चौकस रखने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विजयदशमी का जश्न योगी सरकार धूमधाम से मनायेगी। गोरखपुर में होने वाले विजयादशमी महोत्सव में सीएम योगी आदित्यनाथ भी हिस्सा लेंगे जबकि प्रदेश के अन्य जिलों में सरकार के प्रभारी मंत्री। सत्य पर असत्य की जीत के इस जश्न पर सरकार समाज को अपना संदेश देना चाहती है।

सूत्रों के मुताबिक सीएम योगी ने अपने मंत्रियों को निर्देश दे रखे हैं कि जिलों में होने वाले दशहरा के मुख्य आयोजनों में सरकार के मंत्री मौजूद रहकर जश्न का हिस्सा बनें। इसके साथ ही दशहरे की सवारी में भी बढ़चढ़ कर भाग लेने के निर्देश हैं। सीएम योगी गोरखपुर स्थित गोरक्षा पीठ में होने वाले विजयदशमी महोत्सव में भाग लेंगे। आठ अक्टूबर को यहां मुख्य आयोजन रखा गया है। सरकार के मंत्रियों की जिम्मेदारी तय करने के साथ ही सीएम ने अधिकारियों को दशहरा के मौके पर साफ-सफाई तथा सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिये हैं।

इधर दशहरे को लेकर गृह विभाग की सक्रिय हो गया है। दिल्ली में आतंकवादियों के घुसपैठ की सूचना के बाद प्रदेश में हाई अलर्ट है। दशहरा तथा दुर्गा पूजा ऐसा पर्व है, जिसमें भीड़ एकत्र होती है और आतंकवादी इसका फायदा उठा सकते हैं। जिसे देखते हुये पुलिस तथा सुरक्षा बलों को लगातार गश्त करने के निर्देश हैं।

महानवमी नारी शक्ति के सम्मान का पर्वः योगी

● मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से यह पर्व पारस्परिक सद्भाव एवं सौहार्द के वातावरण में मनाने का आह्वान किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र में महाअष्टमी एवं महानवमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि यह पर्व नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का पर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगत की समस्त व्यवस्थाओं को आदिशक्ति भगवती संचालित करती हैं। इनके अनंत रूप हैं।

आदिशक्ति प्रधान नौ रूपों में नवदुर्गा बनकर सम्पूर्ण पृथ्वीलोक पर अपनी करुणा की वर्षा करती हैं। नवरात्र में मां के इन नौ रूपों का पूजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव से किया जाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना मातृशक्ति के प्रति सनातन परम्परा के सम्मान का प्रतीक है। इसी क्रम में नवरात्र में महाअष्टमी एवं महानवमी पर बड़ी संख्या में भक्तगण कन्या पूजन करते हैं। यह पर्व केवल व्रत और उपवास का नहीं बल्कि नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शारदीय नवरात्र में दुर्गा पूजा के सार्वजनिक एवं सामुदायिक आयोजन से सामाजिक समरसता सुदृढ़ होती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से यह पर्व पारस्परिक सद्भाव एवं सौहार्द के वातावरण में मनाने का आह्वान किया है।

ब्लाक से लेकर गांवों तक मोर्चे के सम्मेलन आयोजित करेगी बीजेपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी की 11 सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए योगी सरकार के मंत्री क्षेत्रीय सम्मेलन में सरकार के पक्ष में माहौल बनाने का काम तो कर ही रहे हैं लेकिन संगठन के विभिन्न मोर्चे भी ब्लाक से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम और सम्मेलन आयोजित करेंगे। यह कार्यक्रम रविवार से कुछ विधान सभा सीटों पर शुरु भी हो गए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों को जिनके जिले में चुनाव होने हैं, निर्देशित किया है कि विभिन्न मोर्चों के कार्यक्रम ब्लाक से लेकर ग्राम स्तर तक आयोजित किए जाएं। इन सम्मेलनों में केंद्र और राज्य सरकार के किए गए कार्यक्रमों का बखान किया जाएगा और विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इन कार्यक्रमों के मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी भी हिस्सा ले रहे हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए बीजेपी सभी बूथों तक पहुंचना चाहती है ताकि उप चुनाव में पार्टी कहीं कोई कोर कसर न रह जाए। इसलिए संगठन ने टिकट देने में जाति के साथ-साथ संगठन के ही लोगों को प्रत्याशी बनाया है जबकि किसी बाहरी को इस बार मौका नहीं मिला है। हर विधान सभा सीट पर संगठन ने एक मंत्री तथा दो प्रदेश पदाधिकारियों को लगाया है। पार्टी में खोले गए वार रूम में जहां संगठनात्मक चुनाव पर नजर रखी जा रही है तो वहीं उप चुनाव को लेकर भी पार्टी हर बूथ पर होने वाले कार्यक्रमों पर भी नजर बनाए रखे हैं।

प्रदर्शनी में अब तक 47.50 लाख रुपये के बिके खादी के सामान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● खादी महोत्सव में मालविका हरिओम की गजलों ने बांधा समां

उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 12 दिवसीय खादी महोत्सव में 100 से अधिक स्टॉल लगाये गये हैं। रविवार की शाम तक खादी प्रदर्शनी में 47.50 लाख रुपये तक की बिक्री हो चुकी है। दशहरे की छुट्टियों के कारण स्टालों पर भारी संख्या में लोग अपनी पसन्द के सामानों की खरीदारी करते देखे गये।

प्रदर्शनी में क्षेत्रीय गॉधी आश्रम लखनऊ एवं बाराबंकी द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के सूती, ऊनी, पॉली-खादी, रेशम के सूट, चादर, रजाई-गद्दे आदि वस्तुएं उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी में आए आगंतुकों द्वारा भारी मात्रा में खरीदारी की जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदर्षनी में विभिन्न प्रकार के रत्नए रुद्राक्षए यंत्रए मोती की मालाए मिट्टी के बर्तन तथा हर्बल उत्पाद आदि भी उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी में राजस्थान, गुजरात, वाराणसी, उत्तराखण्ड एवं बिहार राज्यों से भी उद्यमी पधारे हैं जो अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

जैसे राजस्थान के बीकानेरी पापड़ एवं नमकीन, उत्तरांचल के कम्बल एवं जैकेट, वाराणसी के रेशम एवं सिल्क साड़ी तथा गुजरात के हस्तशिल्प कला से निर्मित उत्पाद भी प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण हैं जिनकी काफी बिक्री हो रही है। महोत्सव में रविवार की शाम का अंदाज कुछ अलग ही रहा, मौका था प्रसिद्ध गायिका मालविका हरिओम द्वारा प्रस्तुत की गयी गज़ल व गीत, जिसकी शुरूआत उन्होंने गांधी को समर्पित गीत वैष्णव जन तो तेने कहिये से की, इसके बाद गजल मेरे जैसे बन जाओगे, बाद मेरे भी फैज बना, रखना एवं गाड़ी हौले चलाओ गाड़ीवान गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल खुशनुमा हो गया और लोगों ने इसका आनन्द उठाया।

उनके साथी कलाकार के रूप में गिटार पर राकेश आर्या, तबले पर शेख इब्राहिम एवं की बोर्ड पर मयंक सिंह भी शामिल थें। इसके बाद देर रात तक फरमाइषों का दौर चलता रहा और लोग उसका आनन्द उठाते रहें तथा तालियों से उनकी हौसला आफजाई करते रहे।

राष्ट्रवाद और विकास ही हमारी मूल विचारधाराः स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह कोपागंज मऊ में आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्टी हर कार्यकर्ता का सम्मान करती है।

भाजपा की राजनीति का कोई निजी स्वार्थ नहीं है हमारी पार्टी तिरंगे के सम्मान को लेकर राजनीति करती है, राष्ट्रवाद और विकास ही हमारी मूल विचारधारा है। मोदी और योगी तिरंगे के सम्मान में ही कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमारी सरकार में पिछड़े दलित व अन्य का सम्मान है। पहली बार हमारी सरकार ने बाबा साहब से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ घोषित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने सरदार बल्लभ भाई पटेल की दुनिया कि सबसे ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया। हर राष्ट्रवादी हर क्रांतिकारी का सम्मान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री वाराणसी से चुनाव लड़े बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से काशी के कल्याण का कार्य लगातार किया जा रहा है। हमारे देश के प्रधानमंत्री गरीबों के लिए आवास दे रहे हैं, शौचालय बनवा रहे हैं, आयुष्मान भारत योजनाएं गरीबों को 5 लाख के बीमा का लाभ दे रहे हैं। वंचितों का कल्याण हो रहा है ऐसा नेतृत्व आपके वोट ने इस देश को दिया है। उन्होंने कहा कि यह वंशवादी पार्टी नहीं राष्ट्रवादी पार्टी है यह भारत के जनता कि पार्टी है। आपका वोट विजय राजभर को नहीं सीधा मोदी के हाथों को मजबूत करेगा।

आपके वोट कि बदौलत सरकार दुश्मनों को करारा जवाब दे रही है। इस पार्टी में आम कार्यकर्ता राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री बनता है यह दल आपके प्रति पूरी तरह समर्पित है। मैं सभी बूथ अध्यक्षों का अवाहन करता हूं की अपना बूथ जितवाकर मोदी और योगी के हाथों को मजबूत करें। कुंभ मेले में बाल्मीकि समाज का पाव पखारने का कार्य मोदी ने किया। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी विजय राजभर, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र दत्त शुक्ल, प्रदेश मंत्री कामेश्वर सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष दुर्ग विजय राय, विधायक धनंजय कन्नोजिया, हरिनारायण राजभर, मुन्ना दुबे, योगेन्द्र राय सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्याज्ञान प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 25 अक्टूबर तक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के ग्रामीण इलाकों के प्रतिभावान छात्रों के विद्याज्ञान स्कूल में दाखिले को लेकर आवेदन पत्र जमा करने की तिथि विस्तारित कर दी गयी है। पूर्व निर्धारित तिथि 15 अक्टूबर के स्थान पर अब 25 अक्टूबर तक आवेदन फार्म जमा हो सकेंगे। विद्याज्ञान के तहत छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ नि:शुल्क छात्रावस, भोजन, यूनिफार्म, पुस्तकें, कम्प्यूटर शिक्षा, खेलकूद, संगीत शिक्षा प्रदान की जाती है। इसके लिए परिवार की मासिक आमदनी एक लाख रुपए होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र का निवासी होना जरूरी है। आवेदन के लिए खंड शिक्षा अधिकारी, ग्रामीण स्कूल या विद्याज्ञान की वेबसाइट से आवेदन पत्र प्राप्त कर जमा किये जा सकते हैं।

सीएम व बेसिक शिक्षा मंत्री कार्यालय से होगी विद्यालयों की निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रेरणा एप के तहत शामिल सात घटकों को लेकर जिलाधिकारी व बीएसए को निर्देश जारी

प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में क्वालिटी आफ एजूकेशन से अवस्थापना सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए लांच किये गये प्रेरणा एप की निगरानी अब मुख्यमंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री के कार्यालय से होगी। इसके लिए दोनो कार्यालयों में डैशबोर्ड स्थापित किया जायेगा। जिससे जनपदवार रिपोर्ट तुरंत मिल सकेगी।

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा रेणुका कुमार ने सभी जिलाधिकारियों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर प्रेरणा एप के सात घटकों के अनुपालन को सुनिश्चित कराने को कहा है। प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति से लेकर मध्यान्ह भोजन और पठन-पाठन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य परियोजना विभाग की तरफ से प्रेरणा एप तैयार कराया गया है। इस एप को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस पर लांच किया था। एप की अगली कड़ी में शिक्षा विभाग की तरफ से मुख्यमंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री के कार्यालय में डैशबोर्ड स्थापित किया जा रहा है।

जिससे एक क्लिक पर शिक्षकों-छात्रों से लेकर मध्यान्ह भोजन और कायाकल्प योजना की पूरी जानकारी मिल सके। अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार के स्तर से जारी आदेश में में कहा गया है कि प्रधानाध्यापक से लेकर शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों की तरफ से विद्यालय से संबंधित आधारभूत व्यवस्थाओं को बेसिक डेटा 20 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दिया जाय।

जिससे पंचायतीराज विभाग व नगर विकास विभाग से समन्वय स्थापित कर आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सके। मध्यान्ह भोजन के तहत अक्टूबर से लेकर दिसम्बर 2019 तक लाभान्वित होने वाले बच्चे की अनुमानित संख्या की जानकारी देनी आवश्यक है। जिससे बजट जारी किया जा सके। वहीं मध्यान्ह भोजन योजना की सभी जानकारी माह के दस तारीख तक उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। विद्यालय खुलने के समय व बंद होने के समय उपस्थिति का ब्यौरा छात्र-छात्राओं सहित प्रतिदिन देना अनिवार्य होगा। जो स्वत: ही डैशबोर्ड पर प्रदर्शित होता रहेगा।

विधान परिषद सभापति ने दी दुर्गापूजा और विजयदशमी की बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सभापति रमेश यादव ने दुर्गापूजा व विजयदशमी के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। श्री यादव ने अपने संदेश में कहा कि असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय और हार पर जीत का यह पर्व परस्पर स्नेह व सौहार्द की भावना का प्रसार करने तथा सभी के जीवन में सुख-समृद्धि व खुशहाली लाने में सहायक होगा। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव महानवमी एवं विजयदशमी पर्व पर बधाई देते हुए कहा है कि अन्याय और अहंकार की ताकतें हमेशा पराजित होती रही हैं। न्याय और सत्य की जीत होती है। उन्होंने कहा कि नवरात्र में दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का उद्देश्य भी समाज विरोधी तत्वों के प्रतिरोध की शक्ति प्राप्त करना है। श्री यादव ने कहा कि विजयदशमी पर्व का यही संदेश है कि समाज को तोड़ने और सामाजिक सौहार्द को हानि पहुंचाने वाली ताकतों का विरोध हर स्तर पर होना चाहिए।

निजी क्षेत्र के बिजली घरों का कराया जाए ऑडिट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पीएम मोदी को इस बावत लिखा पत्र

उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उप्र के सभी निजी बिजली घरों का आडिट कराए जाने की मांग की है। उपभोक्ता परिषद ने कहा कि कुछ बड़े निजी घराने ऊर्जा क्षेत्र में कब्जा कर रहे हैं। बड़े-बड़े प्रोजेक्ट लगा रहे हैं। बिजली महंगी दरों पर बेच रहे हैं और उसका खामियाजा जनता भुगत रही है लेकिन जब उनके वित्तीय मानकों की सीएजी आडिट कराने की बात आती है तो वह विरोध पर उतर आते हैं और कानून न होने की वजह से वह बच निकलते हैं।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने पूरे मामले पर नरेन्द्र मोदी को एक पत्र भेजा है जिसके माध्यम से उपभोक्ता परिषद ने यह मांग उठायी है जब तक देश के निजी घरानों जो ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश कर रहे हैं, उनकी परियोजनाओं और बिजली घरों के वित्तीय मानकों की अनिवार्य रूप से सीएजी आडिट कराए जाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा नया कानून नहीं बनाया जाता तब तक निजी घराने मनमानी करते रहेंगे। साथ ही अपनी कैपिटल कास्ट को मनमाने तरीके से बढ़ाकर उसका भार जनता पर डालते रहेंगे।

यह दुर्भाग्य की बात है कि सरकारी क्षेत्र में ऊर्जा निगमों की आडिट होती है लेकिन निजी घराने अपनी आडिट नहीं कराते और अपने द्वारा ही निजी आडिटर के माध्यम से आडिट कराकर अपने अनाप शनाप खर्चे को सत्यापित करा लेते हैं और अंततः उसका भार जनता पर पड़ता है। उपभोक्ता परिषद ने यह भी मांग उठायी है कि लोकसभा में विद्युत अधिनियम 2003 में कुछ संशोधन लम्बित है। यदि उसमें निजी क्षेत्र के लिए अनिवार्य रूप से सीएजी आडिट का प्राविधान करा दिया जाता है तो निश्चित ही ऊर्जा सेक्टर में बड़ा सुधार सामने दिखेगा।

अपने पत्र में परिषद ने यह भी कहा है कि देश में 2019 तक उत्पादन के क्षेत्र में जो कुल संस्थापित क्षमता है वह 360456 मेगावाट है जिसमें राज्य क्षेत्र में केवल 102818 मेगावाट स्थापित क्षमता है। केन्द्रीय क्षेत्र में 90177 मेगावाट क्षमता है और वहीं निजी क्षेत्र में 167462 मेगावाट क्षमता है। राज्य क्षेत्र में कुल क्षमता का 28.5 प्रतिशत, केन्द्रीय क्षेत्र में 25 प्रतिशत और वहीं पूरे देश में निजी क्षेत्र में कुल संस्थापित क्षमता लगभग 46.5 प्रतिशत है। लगभग आधी क्षमता निजी घरानों की है। ऐसे में जब तक इनके वित्तीय मानकों की गहन जाँच नहीं होगी ऊर्जा क्षेत्र में सुधार संभव नहीं है और इसी के चलते बिजली दरों में लगातार वृद्धि हो रही है।

बीजेपी के कैंट प्रत्याशी ने गुरुद्वारे में लंगर कराया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान सभा उप चुनाव में लखनऊ कैंट से बीजेपी प्रत्याशी सुरेश चंद्र तिवारी ने गुरु नानक देव जी की 550 वीं जयंती के उपलक्ष में गुरुद्वारे में हो रहे कार्यक्रमों के चलते बीते शुक्रवार को अखंड पाठ रखवाया था। यह अखंड पाठ की समाप्ति पर लंगर का आयोजन किया गया। अखंड पाठ की समाप्ति के उपरांत सदर गुरुद्वारे के ग्रंथि ने तिवारी को सरोपा भेंट किया तथा उनकी ऐतिहासिक जीत के लिए अरदास की। मीडिया प्रभारी सतवीर सिंह राजू ने बताया कि अरदास के बाद तिवारी ने संगत को लंगर वितरित किया उसके बाद स्वयं लंगर चखा।

अगले चुनाव में हम भाजपा को हटाने में जरूर कामयाब होंगेः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पूर्व सांसद रमाकांत सहित बसपा व कांग्रेस के कई नेता सपा में शामिल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए आज बसपा, कांग्रेस और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं तथा पदाधिकारियों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने अखिलेश यादव को अगले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने आशा जताई कि इनके आने से पार्टी मजबूत होगी और 2022 में भाजपा सत्ता में नहीं आ पाएगी।

समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से रमाकांत यादव पूर्व सांसद आजमगढ़, अशोक गौतम पूर्व जिलाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी मऊ, अतहर खां पूर्व सदस्य विधान परिषद अम्बेडकरनगर, रुक्मिणी देवी निषाद पूर्व सांसद फूलन देवी की बहन तथा कानपुर, उन्नाव, हापुड़ मिर्जापुर, कुशीनगर के बसपा, कांग्रेस और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। समाजवादी पार्टी के डॉ. लोहिया सभागार में अखिलेश यादव ने विपक्षी दलों से आए नेताओं को सदस्यता दिलाने के पश्चात् बैठक में पूर्व सांसद स्व. भालचंद्र यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। बाद में दो मिनट मौन रहकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। के सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के अवसर पर नेता विरोधी दल विधान परिषद अहमद हसन, अबू आसिम आजमी, पूर्व मंत्री बलराम यादव, दुर्गा प्रसाद यादव, आलम बदी, दयाराम पाल, संग्राम सिंह यादव, राकेश कुमार गुड्डू, नफीस अहमद, नंदकिशोर यादव, हवलदार यादव आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस मौके पर अखिलेश ने कहा कि सपा की यह जो ताकत बढ़ रही है उससे भरोसा हो रहा है कि वर्ष 2022 (उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव) में सबका सहयोग मिलेगा तो भाजपा को हटाने में हम जरूर कामयाब होंगे। अखिलेश ने कहा कि बीच में कुछ कारणों से दूरियां बनी थी, लेकिन अब कोई दूरी नहीं रहेगी। आने वाले समय में हम लोग मिलकर काम करेंगे। ईवीएम से मतदान का लगातार विरोध करने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष से काम नहीं कर रहा है। समाजवादी पार्टी की तमाम शिकायत के बाद भी ध्यान नहीं दिया गया। रामपुर में डीएम तथा एसपी को नहीं बदला गया है। यह लोग विधानसभा उप चुनाव में धांधली करा सकते हैं। भाजपा सरकार तो ईवीएम का लाभ लेने के साथ जिला व पुलिस प्रशासन का भी साथ लेने में माहिर हो चुकी है उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र तथा राज्य सरकार के आम जनता बेहद त्रस्त है।

हमको इलाहाबाद के डीजे असोशिएसन का पत्र मिला है कि कारोबार से जुड़े एक करोड़ लोगों का रोजगार छीन लिया गया है। देश के सारे कारोबार पर भाजपा सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। राष्ट्रपिता गांधी ने अहिंसा और सत्य का सिद्धांत दिया, लेकिन कमाल की भाजपा है कि वह उनके रास्ते पर चलना ही नहीं चाहती। विधानसभा में सरकार झूठ बोल रही है। प्रदेश में मेट्रो से लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेस तक हमारे प्रोजेक्ट है। अपने लोगों को एडजस्ट करने के लिये पूर्वांचल एक्सप्रेस का टेंडर निरस्त किया गया। हमने को इसका टेंडर कराने के बाद काम भी फाइनल कर दिया था।

पूर्व सांसद रमाकांत यादव ने कहा कि आज जो देश के हालात हैं, उनमें देश का नौजवान, किसान और मजदूर एक आशा भरी निगाह से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ देख रहा है। उन्होंने कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि एक सिपाही के रूप में आप जहां कहेंगे वहां मैं खड़ा रहूंगा। रमाकांत वर्ष 1996 में सपा के टिकट पर आज़मगढ़ से सांसद चुने गए थे। उसके बाद 1999 में भी वह इसी सीट से एक बार फिर पार्टी सांसद बने। वर्ष 2004 में वह बसपा और 2009 में भाजपा के टिकट पर आज़मगढ़ सीट से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इस मौके पर बसपा के पूर्व विधान परिषद सदस्य अतहर खां और पूर्व सांसद फूलन देवी की बहन रुक्मणी देवी निषाद भी सपा में शामिल हुईं।

नई शिक्षा नीति पर अमल को कई राज्यों ने मांगी अतिरिक्त वित्तीय सहायता

एजेंसी। नई दिल्ली

नई शिक्षा नीति को नवंबर तक लागू करने के प्रयास में जुटी केंद्र सरकार को कई राज्यों की अतिरिक्त वित्तीय समर्थन की मांग ने परेशानी में डाल दिया है। बिहार, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्यों ने शिक्षा पर खर्च संबंधी प्रावधानों पर अमल के लिए अतिरिक्त धन मांगा है। हालांकि नई शिक्षा नीति के मसौदे के ज्यादातर प्रावधानों पर अधिकांश राज्यों ने सहमति व्यक्त की है, लेकिन केरल ने इसे निजीकरण एवं व्यवसाईकरण को बढ़ावा देने वाला बताते हुए अस्वीकार्य कर दिया है। नीति के मसौदे में शिक्षा पर जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने की सिफारिश की गई है। इसी विषय को लेकर केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केब) की हाल ही में हुई बैठक में इन राज्यों के शिक्षा मंत्रियों ने केंद्र के समक्ष यह मांग रखी। इस बैठक में मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक मौजूद थे। केब की बैठक से जुड़ी मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संक्षेप रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के शिक्षा मंत्री के एन प्रसाद वर्मा ने कहा, इस नीति को लागू करने में धन एक महत्वपूर्ण कारक है और मसौदा नीति में इसे लागू करने से संबंधित वित्तीय आयामों के बारे में कुछ खास नहीं बताया गया है। उन्होंने इसे लागू करने के लिए वित्तीय समर्थन और उपयुक्त वित्तीय योजना की जरूरत बताई।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि सरकारी वित्त पोषित स्कूल काफी हद तक नियमन के तहत है और इनको जरूरत से कम धन मुहैया हो रहा है। उन्होंने कहा, मसौदा नई शिक्षा नीति में इसका कोई समधान नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक कोई ऐसा कानून नहीं होगा जो सरकार को धन आवंटित करने के लिए बाध्य करे, तब तक इस नीति से भारत में शिक्षा का परिदृश्य नहीं बदलेगा। केब की बैठक में केरल के शिक्षा मंत्री सी रवीन्द्र नाथ ने संघीय ढांचे का विषय उठाया। उन्होंने इस नीति के गंभीर प्रभावों का जिक्र किया और कहा कि यह केंद्रीयकरण की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा, ऐसे में शिक्षा पर खर्च को बढ़ाना देश में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने का एकमात्र रास्ता है। मसौदा नई शिक्षा नीति, निजीकरण एवं व्यवसाईकरण को बढ़ावा देने वाली है और इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है। मध्यप्रदेश, ओडिशा और पंजाब के शिक्षा मंत्रियों ने भी इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त बजटीय आवंटन एवं वित्तीय समर्थन की मांग की। राजस्थान के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह दोतासारा ने बैठक में आंगनवाड़ी कर्मियों पर आधारित कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त कोष की मांग की। केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केब) की 21 सितंबर को हुई विशेष बैठक में नई शिक्षा नीति के मसौदे पर राज्यों सहित विभिन्न पक्षकारों के बीच गंभीर विचार-विमर्श हुआ था। इस पर अधिकारियों का कहना है कि एक बार नीति लागू होने पर संसाधन जुटाने का रास्ता भी निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपना निश्चय व्यक्त किया है कि जहां चाह है, वहां राह है। सूत्रों ने बताया, इस संदर्भ में कारपोरेट सामाजिक जवाबदेही :सीएसआर: एक रास्ता हो सकता है।

नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करतीं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना। साथ में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व कांग्रेस नेता आनंद शर्मा

फड़णवीस का नामांकन एक बार फिर विवादों में

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के चुनावी नामांकन हलफनामे पर नोटरी की मुहर में गलत तारीख को लेकर विवाद छिड़ने के एक दिन बाद निर्वाचन अधिकारी के रविवार के स्वीकृति आदेश में भी एक गड़बड़ी मिली है। फड़णवीस ने नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट से शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। निर्वाचन अधिकारी शेखर घाडगे ने अपने आदेश में पहले मुख्यमंत्री के हलफनामे पर नोटरी का नाम पहले पुरुषोत्तम मोरेश्वर सोनटाके लिखा जबकि असल नाम विवेक पुरुषोत्तम सोनटाके है। बाद में निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय द्वारा गड़बड़ी को दुरुस्त करने के लिए एक प्रत्युत्तर जारी किया गया जिसमें नाम को लेकर एक अन्य गड़बड़ी हो गई और इस बार नाम का जिक्र करते हुए पुरुषोत्तम नरेंद्र सोनटाके बताया गया और अनुरोध किया गया कि इसे वीपी सोनटाके पढ़ा जाए।

राहुल के हटने के बाद युवा कांग्रेस, एनएसयूआई का रुतबा कम हुआ

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के हटने के बाद आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन में भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई की भागीदारी सीमित हो गई है। दरअसल, युवा कांग्रेस ने संगठन की परंपरा के मुताबिक महाराष्ट्र में अपने 13 पदाधिकारियों और हरियाणा में सात पदाधिकारियों को टिकट देने की अनुशंसा की थी। महाराष्ट्र में युवा कांग्रेस से जुड़े सिर्फ तीन लोगों को टिकट दिया गया तो हरियाणा में युवा कांग्रेस के सिर्फ एक नेता शीशपाल केहरवाला को कालावंली विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया। इसी तरह, एनएसयूआई ने हरियाणा में अपने दो पदाधिकारियों शौर्यवीर सिंह के लिए पानीपत (ग्रामीण) और वर्धन यादव के लिए बादशाहपुर से टिकट मांगा था, लेकिन उसे मायूसी ही हाथ लगी। राहुल गांधी के अध्यक्ष रहते पिछले साल युवा कांग्रेस की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में 15 और राजस्थान विधानसभा चुनाव में 12 टिकट दिए गए थे। युवा कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, राहुल जी के अध्यक्ष रहते युवा कांग्रेस की सिफारिश पर पिछले साल मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में 15 और राजस्थान विधानसभा चुनाव में 12 टिकट दिए गए थे, लेकिन इस बार युवा कांग्रेस की उपेक्षा कर दी गई। इसके बावजूद चुनाव में युवा कांग्रेस पूरी मेहनत कर रही है। एनएसयूआई के एक पदाधिकारी ने कहा, हमारे किसी व्यक्ति को टिकट नहीं मिलने से संगठन को बहुत निराशा हुई है। दरअसल, सोनिया गांधी के कमान संभालने के बाद नीति निर्धारण में कई पुराने नेताओं की भूमिका बढ़ने से कभी टीम राहुल का हिस्सा रहे कई युवा नेता खुद को असहज पा रहे हैं।

राजस्थान में कांग्रेस के सामने उपचुनाव का मिथक तोड़ने की बड़ी चुनौती

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान में विधानसभा की दो सीट पर इस माह होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस के सामने जीत हासिल कर यह मिथक तोड़ने की भी चुनौती है कि उपचुनाव के नतीजे आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में नहीं रहते। करीब दस महीने पहले सत्ता में आई कांग्रेस के लिए हालांकि खींवसर और मंडावा सीट पर उपचुनाव होना फायदे का सौदा प्रतीत हो रहा है क्योंकि ए पारंपरिक रूप से कांग्रेस के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में शामिल हैं। कांग्रेस ने इन दोनों सीट पर पुराने चेहरों पर दांव लगाया है। उपचुनाव के पिछले रिकॉर्ड की बात करें तो 1998 से 2018 के बीच 26 सीटों पर उपचुनाव हुआ, जिनमें सत्तारूढ़ पार्टी का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है।

भाजपा के पिछले पांच साल (2013-2018) के कार्यकाल में छह सीटों के लिए उपचुनाव हुआ। इनमें से कांग्रेस ने चार सीटें जीती जबकि भाजपा कोटा दक्षिण सीट पर दोबारा जीत दर्ज करने के साथ धौलपुर सीट को बसपा से छीन केवल दो सीट अपने नाम कर पाई। यह अलग बात है कि 2008-13 के दौरान केवल दो उपचुनाव हुए और दोनों सीटें पूर्व विजेता पार्टी की झोली में ही गईं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा उपचुनाव के परिणाम का राज्य के राजनीतिक समीकरणों पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी की साख जरूर दांव पर लगी है। राजस्थान में दिसंबर 2019 में विधानसभा चुनाव हुए थे। 200 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस के 106 विधायक हैं। इनमें बसपा के वे छह विधायक भी शामिल हैं जो पिछले महीने कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस समय सदन में भाजपा के 72, माकपा, रालोप तथा बीटीपी के दो-दो विधायक हैं। इसके अलावा 13 निर्दलीय विधायक हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में उपचुनाव के तहत खींवसर व मंडावा विधानसभा सीट पर 21 अक्टूबर को वोट पड़ेंगे। कांग्रेस ने मंडावा से रीटा चौधरी को टिकट दिया है। रीटा के पिता रामनारायण चौधरी इस सीट से कई बार विधायक रहे। हालांकि बीते दो विधानसभा चुनाव में नरेंद्र खीचड़ ने कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगाते हुए जीत दर्ज की। खीचड़ के झुंझुनू सीट से सांसद चुने जाने के बाद से ही यह सीट खाली है। रोचक यह भी है कि मंडावा सीट पर बीते दो चुनाव 2014 और 2019 में मुख्य मुकाबला नरेंद्र खीचड़ और रीटा चौधरी में ही रहा है। 2014 में दोनों निर्दलीय मैदान में उतरे तो 2019 में खीचड़ भाजपा और रीटा कांग्रेस की प्रत्याशी थी। इस बार इस सीट पर भाजपा ने कांग्रेस की बागी सुशीला सीगड़ा पर दांव लगाया है।

मुक्तिसंग्राम की 50वीं वर्षगांठ पर बांग्लादेश जाएंगी सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुक्ति संग्राम की 50वीं वर्षगांठ पर बांग्लादेश की यात्रा करने की वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना के निमंत्रण को रविवार को स्वीकार कर लिया। भारत की यात्रा पर आईं शेख हसीना ने रविवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने दोनों देशों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। हसीना ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की 50वीं वर्षगांठ में शामिल होने का न्यौता दिया। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि पार्टी अध्यक्ष ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। हसीना बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के आगामी शताब्दी समारोह और बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की 50वीं वर्षगांठ का जिक्र कर रही थीं। इसके तहत सालभर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन होगा। हसीना से मुलाकात के दौरान सोनिया के साथ पूर्व मंत्री आनंद शर्मा और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। बैठक डेढ़ घंटे तक चली। कांग्रेस के विदेश विभाग के अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि हसीना ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत के सहयोग तथा शेख मुजीबुर रहमान एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बीच विशेष मैत्री संबंध को आभार के साथ याद किया। हसीना ने उस दौर को भी याद किया जब शेख मुजीबुर रहमान की हत्या के बाद उनका परिवार निर्वासन में दिल्ली में रहा। शर्मा के अनुसार सोनिया गांधी ने लगातार तीसरी बार जीतकर प्रधानमंत्री बनने पर हसीना को बधाई दी। मनमोहन सिंह ने भी बांग्लादेश में शानदार आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने के लिए हसीना को बधाई दी। हसीना से मुलाकात के बाद प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, शेख हसीना जी से मुलाकात हुई, जिनसे दोबारा मिलने की काफी समय से इच्छा थी। गहरे निजी नुकसान एवं बुरे वक्त से उबरने की उनकी ताकत और बहादुरी एवं दृढ़ता से अपने विचारों के लिए उनका संघर्ष हमेशा से मेरे लिए एक प्रेरणा है।

सीबीआई ने पांच हजार रिश्वत लेते सीएसडी कैंटीन आगरा के मैनेजर को किया गिरफ्तार

संवाददाता। आगरा

● आरोपी को सीएसडी डिपो के दफ्तर से दबोचा गया है, आरोप है कि मैनेजर योगेश्वर शर्मा कैंटीन में आने वाली गाड़ियों के चालकों से रिश्वत लेता था

आगरा में गाजियाबाद से आई सीबीआई टीम ने शनिवार को सदर क्षेत्र के टैंक चौराहा स्थित सीएसडी कैंटीन के एरिया मैनेजर को पांच हजार रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को सीएसडी डिपो के दफ्तर से दबोचा गया है।आरोप है कि मैनेजर योगेश्वर शर्मा कैंटीन में आने वाली गाड़ियों के चालकों से रिश्वत लेता था। गोपनीय सूचना पर सीबीआई टीम ने आरोपी को सर्विलांस के माध्यम से ट्रैस किया और उसे देर शाम गिरफ्तार कर लिया।सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिकए कैंटीन में तैनात एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि सदर के टैंक चौराहा स्थित सीएसडी डिपो के एरिया मैनेजर योगेश्वर शर्मा ने कैंटीन को माल सप्लाई करने वाली कंपनियों से रिश्वत तय कर रखी थी। जो रिश्वत नहीं देता था उसकी गाड़ियों को कई.कई दिनों तक खड़ा रखता है। वो गाड़ियों के लोडेड सामान को नहीं उतरवाता था। इसके कारण सामान लेकर आए कंपनी के ड्राइवर और अन्य कर्मचारी डिपो में परेशान होते थे।इसकी जानकारी संबंधित निजी कंपनियों के सीनियर अधिकारियों व मैनेजर को दी जाती थी। इसके बाद डिपो में रिश्वत का खेल शुरू होता था। चालक जाकर एरिया मैनेजर से सेटिंग करता था और सामान को जल्दी उतरवाने की मांग करता था।इसके बदले में मैनेजर योगेश्वर चालकों और निजी कंपनियों के मालिकों से रुपयों की मांग करता था। कहता था कि वो उनका सामान गाड़ी पहुंचने के कुछ घंटे बाद ही उतरवा देगा। इसकी जानकारी मिलने के बाद सीबीआई कई दिनों से योगेश्वर को ट्रैस कर रही थी।शनिवार को योगेश्वर ने एक व्यक्ति से पांच हजार रुपये की रिश्वत बतौर गाड़ी से सामान उतरवाने के लिए मांगी थीए जो कि सीएसडी डिपो में पहुंचा था। इसी दौरान सीबीआई ने उस व्यक्ति को पांच हजार रुपये की रिश्वत देकर योगेश्वर के पास भेजा। जैसे ही योगेश्वर ने रिश्वत की धनराशि पकड़ी तो सीबीआई की टीम ने उसे नोटों के साथ रंगे हाथों दबोच लिया।

बी केबिन से टौरिया मन्दिर जाने वाली सड़क पर भरा रहता है गन्दा पानी

संवाददाता। ललितपुर

● छोटे-छोटे बच्चों को भी नहा धोकर इसी गन्दे पानी में से स्कूल जाने के लिए निकलना पड़ रहा है और वाहन चालकों को भी गन्दे पानी में से निकलना पड़ रहा है

मोहल्ला सिद्धनपुरा नेहरू नगर वार्ड नम्बर 01 मे बी केबिन से टौरिया मन्दिर जाने वाली सड़क पर गन्दा पानी भरा होने से जलभराव की समस्या बनी हुयी है। इसी गन्दे पानी में से मुहल्ले वासी, राहगीर निकल रहे है। इसी गन्दे पानी में से छोटे छोटे बच्चों को, महिलाओं को, पुरुषों को टौरिया माता मन्दिर जल चढ़ाने व पूजा अर्चना करने के लिये नहा धोकर निकलना पड़ता है। छोटे छोटे बच्चों को भी नहा धोकर इसी गन्दे पानी में से स्कूल जाने के लिये निकलना पड़ रहा है और वाहन चालकों को भी गन्दे पानी में से निकलना पड़ रहा है। कई बार तो स्कूल के छोटे छोटे बच्चे स्कूल जाते समय तालाब से भरे गन्दे पानी में गिर गये। जिससे उनकी ड्रेस व जूते मोजे कीचड़ से गन्दे हो गये और बच्चे चोटिल तक हो गये और बाहन चालक भी कई बार इसी सड़क के गन्दे पानी में गिर कर चोटिल हो गये और उन्हें अस्पताल दवा कराने जाना पड़ा। इस सड़क से निकलने वाले राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिद्धनपुरा वार्ड नम्बर 01 की पार्षद रामवती रजक ने भी वार्ड मे हो रहे जल भराव की समस्या के सम्बन्ध मे जिलाधिकारी को व नगर पालिका ईओ को लिखित शिकायती पत्र दिये लेकिन अभी तक इस सड़क पर हो रहे जलभराव की समस्या का निराकरण नही किया गया है। अगर नगर पालिका के अधिकारी ये कहते है कि ये रेल्वे की सड़क है। इस सड़क पर कुछ नहीं हो पायेगा तो अभी हाल ही मे कुछ दिन पहले रेल्वे पुल से नेहरू नगर जाने वाली रेल्वे की सड़क पर नगर पालिका द्वारा खराब पड़े हुये पेबरो को बिछाकर ऊपर से मिट्टी डाल दी गयी है। जिससे यहां भी सड़क पर हो रहे जलभराव की समस्या से छुटकारा मिल गया है। सिद्धनपुरा वार्ड नम्बर 01 की पार्षद रामवती रजक ने व श्रद्धालुओ ने एवं मुहल्ले वासियों ने एक बार फिर जिलाधिकारी का व नगर पालिका ईओ का इस सड़क पर हो रहे जलभराव की समस्या की ओर आर्कषित कराते हुये कहा कि इस सड़क की जांच कराकर सड़क पर हो रहे जलभराव की समस्या का निदान कराया जाये जिससे श्रद्धालुओ व मुहल्ले वासियों को यहां से निकलने मे कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

क्विक न्यूज

राजनीति में कुछ भी संभव है: सावंत

पणजी। गोवा मे कांग्रेस के 10 विधायकों के सत्तारूढ़ भाजपा मे शामिल होने के लगभग तीन महीने बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने और अधिक विपक्षी नेताओं के पार्टी मे शामिल होने की संभावना से इनकार नही किया है। सावंत ने शनिवार को यहां कांग्रेस विधायक एलेक्सियो रेजिनाल्डो लॉरेंसो के 50वें जन्मदिवस समारोह मे कहा कि राजनीति मे कुछ भी संभव है। जन्मदिवस समारोह के दौरान गोवा के बंदरगाह मंत्री माइकल लोबो ने दावा किया कि लॉरेंसो निकट भविष्य मे राज्य के उपमुख्यमंत्री बन सकते है। सावंत ने बाद मे पत्रकारो से बातचीत के दौरान इस संभावना से इंकार नही किया कि लॉरेंसो निकट भविष्य मे भाजपा मे शामिल हो सकते है। उन्होने कहा,"लॉरेंसो विपक्ष मे अच्छा काम कर रहे है। वह अच्छा प्रशासन देने मे हमारी मदद कर रहे है क्योंकि (लोकतांत्रिक व्यवस्था मे) अच्छा विपक्ष जरूरी होता है। लॉरेंसो को उपमुख्यमंत्री बनाने के लोबो के दावे के बारे मे पूछे जाने पर सावंत ने कहा, राजनीति मे कुछ भी संभव है, जो आप नही जानते। मैने कहा कुछ भी संभव है। हालांकि कोर्टोरिम से विधायक लॉरेंसो गोवा विधानसभा मे कई मौको पर भाजपा नीत सरकार की आलोचना कर चुके है। उन्होने सत्तारूढ़ पार्टी मे जाने बात से भी इनकार किया है। उन्होने कहा कि कांग्रेस छोड़कर जाने की मेरी कोई योजना नही है। गौरतलब है कि जुलाई मे कांग्रेस के दस विधायक भाजपा मे शामिल हो गए थे, जिससे विधानसभा मे कांग्रेस विधायको की संख्या 15 से घटकर पांच रह गई थी। 40 सदस्ईय गोवा विधानसभा मे भाजपा के फिलहाल 27 विधायक है। इसके अलावा सदन मे कांग्रेस के पांच, गोवा फॉरवर्ड पार्टी के तीन, तीन निर्दलीय और महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी तथा राकांपा का एक-एक विधायक है।

त्रिपुरा से मिजोरम लौटे 51 ब्रू परिवार

नई दिल्ली। त्रिपुरा मे शरणार्थी के तौर पर रहने के बाद विस्थापित ब्रू आदिवासियो से संबंधित लगभग 51 परिवार मिजोरम लौट आए है। अधिकारियो ने रविवार को यह जानकारी दी। मिजोरम मे ब्रू और मिजो समुदायो के बीच नस्लीय हिंसा के बाद करीब 5,400 ब्रू परिवार, जिनमे लगभग 40 हजार लोग है, 1997 से त्रिपुरा के विभिन्न राहत शिविरो मे रह रहे है। त्रिपुरा के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुमार आलोक ने फोन पर बताया, पिछले तीन दिनो मे कुल 51 परिवारो को त्रिपुरा से मिजोरम वापस लाया गया है। केंद्र और त्रिपुरा सरकार को आशा है कि पिछले साल हस्ताक्षर किए गए समझौते के तहत ब्रू परिवार वापसी की इस अंतिम प्रक्रिया के दौरान मिजोरम लौट आएंगे। कुमार ने कहा कि प्रत्एक ब्रू परिवार को एक भूखंड और घर बनाने के लिए सहायता के रूप मे 1.6 लाख रुपए दिए जाएंगे। वापस लौटे प्रत्एक ब्रू परिवार के मुखिया के बैंक खाते मे चार लाख रुपए जमा किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि त्रिपुरा मे ब्रू परिवारो के मिजोरम नही लौटने पर उन्हें दी गई राहत को रोका जा सकता है और वे केवल मिजोरम मे ही राहत के हकदार होंगे। ब्रू नेताओ का एक वर्ग कथित तौर पर निहित स्वार्थों के कारण वापसी का विरोध कर रहा है। अधिकारी ने कहा, हालांकि, कुछ नेताओ के विरोध के बावजूद ब्रू परिवारो के बीच वापस मिजोरम लौटने को लेकर उत्सुकता अच्छा संकेत है। बीते 10 साल मे दो हजार से अधिक परिवार मिजोरम लौट आए है और वहां बिना किसी मुश्किल के रह रहे है। एक और अधिकारी ने कहा, लिहाजा, हम अन्य ब्रू परिवारो को वापस आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है।

ठाणे के जंगलों में तीन महीने में 5,000 से अधिक तालाब बनाए जाएंगे

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले मे पेयजल आपूर्ति तथा सिंचाई के लिए जल मुहैया कराने के लिए अगले तीन महीने मे करीब 5,000 वन तालाब बनाए जाएंगे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीरालाल सोनावने ने बताया कि महात्मा गांधी की जयंती के दिन दो अक्टूबर से परियोजना की शुरुआत हो चुकी है। उन्होने एक बयान मे कहा, जिला परिषद अगले तीन महीने मे समूचे जिले मे वन्य क्षेत्र मे 5,000 तालाब का निर्माण करेगा। यह जिले के किसानो के लिए एक तोहफा होगा जिससे वे समुचित तरीके से जिले मे सब्जी उत्पादन कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि इन वन्य क्षेत्रो मे इन तालाबो के निर्माण से भूमिगत जल का स्तर बढ़ने मे मदद मिलेगी और ए तालाब कुछ समय के लिए जल आपूर्ति करने के लिए उपलब्ध रहेंगे। अधिकारी ने बताया, इससे बड़ी मात्रा मे सब्जियो, अनाज और अन्य रबी फसलो के उत्पादन मे मदद मिलेगी तथा इससे पीने के पानी एवं अन्य उद्देश्यो की भी पूर्ति होगी। इन तालाबो से गर्मी के दिनो मे पानी के टैंकर की आपूर्ति की आवश्कता भी कम होगी।

बस और दो कारों की भिड़ंत से लगी आग, दो जिंदा जले

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के नागाणा थाना क्षेत्र मे शनिवार रात एक तेज गति अनियंत्रित निजी बस की दो कारो से भिडंत होने के बाद एक कार मे आग लग गई जिससे उसमें सवार दो लोगो की जिंदा जलने से मौत हो गई। क्वास गांव के पास माडपुरा टोल फाटक पर गडरा रोड से जयपुर जा रही एक तेज गति की अनियंत्रित निजी बस गाय को बचाने के चक्कर मे दो कारों से टकरा गई, जिससे एक कार मे आग लग गई और उसमें सवार गणपत सोनी उर्फ गणेश (22) और प्रतीक सोनी उर्फ सोनू (18) की जिंदा जलने से मौत हो गई।

पेज एक का शेष

उठा नजरबंदी ...

एवं उपाध्यक्ष से मुलाकात करने की इजाजत मांगी जाए। उन्होंने बताया, वे लोग यह देखकर खुश हैं कि दोनों नेता बिल्कुल ठीक हैं और उनका मनोबल ऊंचा है। जाहिर तौर पर वे लोग इस घटनाक्रम को लेकर खासकर लोगों को कैद किए जाने से दुखी और गुस्सा थे। नेकां नेता ने कहा कि जब भी पार्टी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को रिहा किया जाएगा, पार्टी की कार्यकारी समिति आगे की रणनीति के बाबत निर्णय लेगी।

तीन कॉरोडोरों...

यदि शहर में सड़क की चौड़ाई इतनी नहीं होगी जिस पर दोनों लाइनें एक साथ बनाई जा सकें, उस स्थिति में एक लाइन उस सड़क विशेष पर जबकि दूसरी लाइन समानांतर सड़क पर मुहैया कराई जा सकती है। केंद्र सरकार के प्रस्ताव में दिए गए विकल्प के मुताबिक, पूरी सड़क को रोड ट्रैफिक के लिए बंद कर पैदलयात्रियों के लेन के साथ सिर्फ मेट्रोलाइट ट्रेन को चलाया जा सकता है। मेट्रोलाइट सिस्टम में शेल्टर प्लेटफॉर्म तो होंगे लेकिन एएफसी गेट, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर, एक्सरे और बैगेज स्कैनर नहीं। मंत्रालय द्वारा गिनाई गई खासियतों के अनुसार, टिकट बेचने वाली मशीनें मेट्रोलाइट ट्रेन के भीतर और एनसीएमसी के साथ शेल्टर अथवा अन्य टिकटिंग प्रणाली में लगाई जा सकती हैं। प्रस्ताव में इंटीग्रेटेड रोड और रेल सिगनलिंग सिस्टम की भी अनुशंसा की गई है। इसे प्राथमिकता के आधार पर मुहैया कराने के अलावा शुरुआत में अनुशासन बनाए रखने को ट्रैफिक मार्शलों की तैनाती भी की जा सकती है। मंत्रालय ने गत मार्च में दिल्ली मेट्रो फेज चार के तीन अहम कॉरीडोरों मसलन, एयरोसिटी से तुगलकाबाद, आरके पुरम-आश्रम से जनकपुरी (पश्चिम) और मुकुंदपुर से मौजपुर को मंजूरी दी थी। 24, 948.65 करोड़ की लागत वाले तीनों कॉरीडोर 61.66 किलोमीटर की दूरी कवर करेंगे।

मुंबई की...

29 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि कई गैर सरकारी संगठनों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने आरे कॉलोनी में करीब 2700 पेड़ों की कटाई को अनुमति देने फैसले के खिलाफ चार याचिकाएं दायर की थीं, जिसे बंबई उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इसके बाद एमएमआरसीएल ने शुक्रवार रात कार शेड बनाने के लिए पेड़ों की कटाई शुरू कर दी थी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इलाके में कई पेड़ काटे जा चुके हैं और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि पेड़ों की कटाई पूरी होने तक इलाके में धारा 144 लागू रहेगी। अधिकारी ने कहा, आरे कॉलोनी में प्रवेश के लिए इस्तेमाल होने वाले पांच मुख्य प्रवेश केन्द्रों की पहचान की गई है, जिसमें वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, मेरोल पुलिस प्रशिक्षण शिविर केन्द्र और मुलुंद की ओर से आ रहा एक रास्ता शामिल है। इन रास्तों पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

आज सुनवाई ...

किया गया है। महाराष्ट्र राज्य के आरे वन्य क्षेत्र में पेड़ गिराए जाने के संबंध में रिषव रंजन के छह अक्टूबर, 2019 के पत्र के आधार पर यह निर्णय लिया गया है और इस पत्र को जनहित याचिका के तौर पर दर्ज किया गया है।

सरकारी बंगले ...

फ्लैट 2015 में बिहार से सांसद मोहम्मद अशरफुल हक को आवंटित किया गया था। हक का हाल ही में निधन हो गया। उनके नौकर ने फ्लैट से भावनात्मक जुड़ाव और वहां कीमती सामान रखे होने का तर्क देकर इसे खाली करने से इनकार कर दिया। सम्पदा विभाग की एक टीम दिवंगत सांसद का फ्लैट खाली कराने के लिए तीन बार चक्कर लगा चुकी है लेकिन चाभी के साथ केयरटेकर गायब मिला। दो तीन दिन पहले ही इस फ्लैट को नौकर से खाली कराने में उन्हें सफलता मिल गई और इसे नामग्याल के सुपुर्द कर दिया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने भी कई बार आवासीय समिति से नामग्याल को सरकारी आवास मुहैया कराने को कहा था। नामग्याल, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने पर लोकसभा में दिए अपने प्रभावी भाषण से चर्चा में आए थे। सूत्रों ने बताया कि साउथ एवेन्यू के बंगला नंबर 23 में एक वरिष्ठ नौकरशाह के रहने का मामला भी सामने आया है। यह बंगला केरल से कांग्रेस के सांसद एमआई शाहनवाज को आवंटित किया गया था जिनका गत वर्ष निधन हो गया। पूर्व सांसद कामेश्वर सिंह साउथ एवेन्यू के बंगला नंबर 77 में रह रहे हैं जो कि 2014 में एक सांसद को आवंटित किया गया था। उन्होंने सिंह को बतौर गेस्ट इस बंगले में रहने की इजाजत दी थी। कामेश्वर ने अपनी खराब सेहत का हवाला देकर इस घर में बने रहने की गुजारिश की है। रोचक तथ्य यह है कि सिंह 1967 के लोकसभा चुनाव में सांसद निर्वाचित हुए थे। मेघालय के मुख्यमंत्र कोनार्ड के संगमा ने राज्य सरकार के कोटे से सरकारी बंगला (टाइप सिक्सथ) अपने पास बने रहने देने का अनुरोध किया है। यह घर उनके पिता स्वर्गीय पीए संगमा को आवंटित हुआ था। संगमा की मृत्यु के बाद मंत्रालय 2016 से कई बार कोनार्ड से बंगला खाली करने को कह चुका है। एक अन्य मामले में एक पूर्व महिला सांसद ने मंत्रालय से आग्रह किया है कि पंडारा रोड स्थित उनके ही आवास को सांसद पति को आवंटित कर दिया जाए। नियमानुसार, पूर्व सांसदों को लोकसभा भंग होने के एक महीने के भीतर अपने सरकारी आवास को खाली करना पड़ता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मोदी सरकार के दोबारा सत्ता में आने के बाद कैबिनेट की अनुशंसा पर 25 मई 2019 को तत्काल प्रभाव से सोलहवीं लोकसभा भंग कर दी थी। 19 अगस्त को सीआर पाटिल की अध्यक्षता में लोकसभा की आवासीय समिति ने लगभग 200 पूर्व सांसदों को सरकारी बंगले-फ्लैट खाली करने का निर्देश दिया था। साथ ही आगाह किया था कि सप्ताह भर में ऐसा नहीं किया तो अगले तीन दिनों में उनके घर की तमाम सुविधाएं जैसे बिजली-पानी -पीएनजी कनेक्शन काट दिए जाएंगे। समिति के आदेश के बाद अधिकांश पूर्व सांसदों ने अपने सरकारी आवास खाली कर दिए थे लेकिन 40-50 सांसद अभी तक काबिज हैं।

श्रीगंगानगर ग्राम पंचायतों के बही-खाते ऑनलाइन करने वाली राजस्थान की पहली जिला परिषद

जयपुर। राजस्थान की श्रीगंगानर जिला परिषद की सभी 336 ग्राम पंचायतो के बही-खाते ऑनलाइन हो गए है। इससे इन पंचायतो द्वारा करवाए जाने वाले काम के भुगतान मे गड़बड़ी की संभावना लगभग खत्म हो गई है। राज्य मे इस तरह की उपलब्धि हासिल करने वाली यह पहली जिला परिषद है। उन्होंने बताया कि एक सॉफ्टवेयर के जरिए सभी ग्राम पंचायते अब ऑनलाइन है।

बिहार में वर्षा, बाढ़ से मृतक संख्या 97 हुई

एजेंसी। पटना

बिहार में भारी वर्षा और बाढ़ के कारण विभिन्न घटनाओं में अबतक 97 लोगों की मौत हो चुकी है। आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बाढ़ के दौरान डूबने और भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से अबतक कुल 97 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 10 अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली है। नदी, तालाब एवं पोखर में डूबने अथवा दीवार गिरने से 61 लोगों की मौत एवं 10 अन्य व्यक्ति के घायल होने तथा बाढ़ से डूबने के कारण 36 लोगों की मौत की सूचना मिली है। बिहार के 15 जिलों – पटना, भोजपुर, भागलपुर, नवादा, नालन्दा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, मुंगेर, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल, पूर्णिया जिले में बाढ़ से कुल 1410 गांव की लगभग 20.76 लाख जनसंख्या प्रभावित हुई है। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए 75 राहत शिविर एवं 515 सामुदायिक

● बाढ़ से राज्य में कुल 1410 गांवों की लगभग 20.76 लाख जनसंख्या प्रभावित हुई है

रसोई का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को निकालने एवं आवागमन को सुगम बनाने के लिए कुल 1067 सरकारी एवं निजी नावों का संचालन किया जा रहा है। पुनपुन नदी के जल स्तर में वृद्धि के कारण पटना सदर, पुनपुन, धनरुआ, पालीगंज, सम्पतचक, नौबतपुर एवं फुलवारी शरीफ प्रखण्ड के 25 पंचायतों के अन्तर्गत कुल 53 गाँव के लगभग 87 हजार आबादी प्रभावित हुई है। कुल 41 संचालित समुदायिक रसोई के माध्यम लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। पटना शहर के जल–जमाव वाले क्षेत्रों में जल निकासी के लिए पटना नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। अब तक अधिकांश क्षेत्रों में जल निकासी की जा चुकी है। शेष क्षेत्रों में जलजमाव को खत्म करने के लिए जल की निकासी लगातार की जा रही है। पटना के जल–जमाव वाले क्षेत्रों में 80 पानी टैंकर के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था की गई। पटना शहर में हाल में हुई भारी बारिश के कारण हुए जलजमाव के कारण डेंगू मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। बिहार में जनवरी से लेकर अबतक डेंगू के कुल 980 मामले सामने आए, जिनमें से 640 अकेले प्रदेश की राजधानी पटना के हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हालात से निपटने के लिए पटना शहर के सभी जलजमाव वाले क्षेत्रों में टेमीफॉस का छिड़काव किए जाने के साथ डेंगू से प्रभावित इलाकों में फागिंग किया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए छिडकाव दलों की संख्या 24 कर दी गई है। दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए 10, 11 एवं 12 अक्टूबर को पटना मेडिकल कालेज अस्पताल तथा नालंदा मेडिकल कालेज अस्पताल में डेंगू एवं चिकुनगुनिया के मरीजों की जांच के लिए नि:शुल्क विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

कर्नाटक में लगातार बारिश के चलते एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के कई हिस्सों में लगातार बारिश के चलते बागलकोट जिले के एक गांव में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात मिट्टी के घर की छत गिर जाने से एक युगल और उनके बेटे की मौते पर ही मौत हो गई। दमकल कर्मियों ने मलबे से शवों को बाहर निकाला। मौके पर पहुंचे भाजपा विधायक वीरन्ना चारन्तीमठ ने प्रशासन की तरफ से मृतक के परिजनों को मुआवजा देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, प्रशासन अंतिम संस्कार के लिए 15,000 रुपए दे रहा है और मृतकों के परिजनों को 15 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

पटना में रविवार को बाढ़ का पानी उतरने के बाद सफाई में जुटे नगर निगम के कर्मचारी

बीएसएफ, बीजीबी ने सीमा प्रबंधन को मजबूत बनाने पर सहमति जताई

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल और बांग्लादेश के उसके समकक्ष बल बीजीबी ने प्रभावी सीमा प्रबंधन तंत्र सुनिश्चित करने के लिए सूचना साझा करने और सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों बलों ने आईजी स्तर पर हुई वार्ता में अपनी–अपनी सीमाओं में विकास परियोजनाओं के निर्माण को आगे बढ़ाने का भी फैसला किया है। बीएसएफ के महानिरीक्षक और बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश के क्षेत्रीय कमांडरों के बीच यह वार्ता तीन अक्टूबर से शहर में शुरू हुई थी। दोनों सीमा रक्षक बलों ने सीमा पार से होने वाले अपराधों, नशीली दवाओं की तस्करी के खतरे से लड़ने के लिए एक प्रभावी सीमा प्रबंधन तंत्र बनाने के लिए सूचना साझा करने एवं सहयोग को और बढ़ाने का फैसला किया है। अपराधियों एवं आतंकवादियों की सीमा पार करने की कोशिश को नाकाम करने के लिए स्थानीय स्तर पर खुफिया सूचनाओं के आदान–प्रदान और सुंदरबन इलाके के तटीय इलाकों में गश्ती बढ़ाने के मुद्दों पर भी इस बैठक में चर्चा की गई।

अरुणाचल के राज्यपाल ने केंद्र से राज्य के लिए अखिल भारतीय सेवाओं का अलग काडर बनाने का अनुरोध किया

एजेंसी। नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा ने रविवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलकात की और राज्य से जुड़े कई मुद्दों सहित अखिल भारतीय सेवाओं में अरुणाचल के लिए अलग से काडर बनाने पर चर्चा की। बैठक के दौरान राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री से मुख्यमंत्री पेमा खांडू सहित राज्य सरकार की राज्य के लिए अलग आईएएस काडर बनाने की मांग को स्वीकार करने का अनुरोध किया। मौजूदा समय में केंद्र शासित प्रदेशों और अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम तथा गोवा के लिए एक ही काडर एजीएमयूटी है। आधिकारिक बयान के मुताबिक मिश्रा ने कहा कि यह मांग अरुणाचल प्रदेश में आईएएस अधिकारियों की बढ़ती मांग और राज्य की सेवा के लिए समर्पित अधिकारियों की जरूरत से प्रेरित है।

दो नए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के 31 अक्टूबर को अस्तित्व में आने और एजीएमयूटी का हिस्सा बनने के मद्देनजर मिश्रा ने सिंह से अनुरोध किया कि वह इस काडर से अरुणाचल को अलग करने की संभावना पर विचार करें। प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री, कार्मिक एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी निभा रहे सिंह ने राज्यपाल को बताया कि वह पहले ही कार्मिक मंत्रालय को अरुणाचल प्रदेश सरकार की मांग को लागू करने की संभावना पर विचार करने को कह चुके हैं। सिंह ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश गृह मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं और किसी विकल्प पर गृह मंत्रालय से भी चर्चा करने की जरूरत होगी। हालांकि कार्मिक मंत्रालय इस मामले को गृह मंत्रालय के समक्ष उठाएगा ताकि उसकी राय ली जा सके। उन्होंने राज्यपाल को सूचित किया कि अरुणाचल प्रदेश के लिए केंद्र प्रायोजित अधिकतर लंबित योजनाओं को मंजूरी दे दी गई है और उन पर प्रगति संतोषजनक है।

आरटीआई कार्यकर्ता की मौत के बाद पूरा थाना लाइन हाजिर

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में भूमि विवाद के एक मामले में आरटीआई कार्यकर्ता की रविवार को जमानत के लिए पेशी के दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले में पचपदरा थाना के सभी पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। बालोतरा के क्षेत्राधिकारी सुभाषचंद्र ने बताया कि आरटीआई कार्यकर्ता जगदीश गोलियार का पुश्तैनी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसके चलते शनिवार को दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जगदीश गोलियार (42) सहित दो अन्य को शनिवार को सीआरपीसी की धारा 151 के तहत गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि झगड़े के दौरान गोलियार को शायद अंदरूनी चोटे आई होगी, जिसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद चल पाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार को उन्हें जमानत के लिए तहसीलदार के सामने पेश किया गया था। इस दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जब तीनों लोगों को जमानत के लिए पचपदरा तहसीलदार के समक्ष पेश किया गया, तब गोलियार को छोड़कर शेष दोनों की जमानत प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और गोलियार की जमानत प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही उनकी तबीयत बिगड़ गई और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम सोमवार सुबह न्यायिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में मेडिकल बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

गिरिराज ने बाढ़ के कारण पूजा, मेला का आयोजन नहीं होने पर माफी मांगी

एजेंसी। पटना

केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बाढ़ के कारण पूजा, पंडाल एवं मेला का आयोजन नहीं होने पर बिहार राजग की तरफ से माफी मांगी है। गिरिराज ने रविवार को ट्वीट किया, आज से दुर्गापूजा का मेला शुरू हो गया है...मैं बिहार एनडीए की तरफ से उन सनातनियों से क्षमा मांगता हूं जहां पर बाढ़ के कारण पूजा ,पंडाल एवं मेला का आयोजन नहीं हो पाया है। पटना में हाल में हुई भारी बारिश के बाद जलजमाव को लेकर बिहार में सत्ता में शामिल भाजपा और जदयू के नेताओं के बीच आरोप–प्रत्यारोप चल रहा है। गिरिराज के इस ट्वीट के बारे में पूछे जाने पर जदयू से मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पूजा और इबादत दिल से होती है, पंडाल से पूजा नहीं होती है और राजग की ओर से उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं है। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने ट्वीट कर कहा सनातन धर्म व हिन्दू समाज के मुद्दों की तथाकथित अगुआई की कड़ी में..काश गंगा के घाटों में बाढ़ को लेकर छींटाकशी के बदले, लोग गंगा के पानी में बिहार की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने को लेकर केंद्र में अपनी सरकार से पैरोकारी करते दिखते। जदयू प्रवक्ता संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा, गिरिराज जी, आप केंद्रीय पशुपालन मंत्री हैं। आपको तो इंसानों से ज्यादा जानवरों की चिंता होनी चाहिए। इंसानों का हाल–चाल जानने तो आप निकले नहीं, कम से कम जानवरों का हाल तो जान लेते। अपना दायित्व कब समझेंगे आप? उन्होंने कहा, गिरिराज जी, अगर माफी मांगने का इतना ही शौक है तो बिहार की जनता से इस बात के लिए माफी मांगिए कि आपने केंद्रीय मंत्री रहते आजतक कोई एक काम उनके लिए नहीं किया। विवादित बयानों के जनक से ज्यादा आपकी छवि और कुछ भी नहीं। बहरहाल, बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा और जदयू के इस आरोप–प्रत्यारोप को कुत्ता–बिल्ली वाली लड़ाई की संज्ञा देते हुए रविवार को कहा कि इसमें राज्यवासियों का भारी नुक़सान हो रहा है। तेजस्वी ने सवाल किया, दिनदहाड़े जनादेश की ड़कैती कर जनभावना का अपमान करने वाले मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि क्या इसी दिन के लिए जनादेश का अपमान कर भाजपा संग बिना नीति, सिद्धांत और विचार की अनैतिक सरकार बनाई थी ? इससे बिहार को क्या फ़ायदा हुआ? उन्होंने नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा, प्रतिदिन बिहारवासी आपके अनैतिक कुर्सी प्रेम की सज़ा भुगत रहे हैं। अब आप जनता की अंतरात्मा की आवाज़ सुनिए।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में आयोजित वीर कुटुम्ब रैली में दिखा उत्साह

जम्मू। सेना वर्ष 2019 को ईयर ऑफ द नेक्स्ट ऑफ किन (सैनिकों के परिजनों को समर्पित वर्ष) के रूप में मना रही है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि इसी कड़ी में सेना ने रविवार को सेवानिवृत्त सैनिकों, शहीदों की विधावाओं और उनके परिजनों तक पहुंचने के लिए जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती अखनूर में वीर कुटुम्ब रैली आयोजित की। प्रवक्ता ने बताया कि अखनूर, जाउरियां, खोर, मेरा मंदरियां तहसील के करीब 3000 पूर्व सैनिक, शहीदों की विधावाएं वीर नारी और उनके बच्चे रैली में शामिल हुए जिसका आयोजन क्रॉस्ड स्वॉर्ड्स डिवीजन ने टांडा गांव में किया। उन्होंने कहा कि रैली से पेंशन में विसंगतियां, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और सेना की विभिन्न योजनाओं के विस्तार को लेकर उनकी शिकायतों को सुनने का मौका मिला। प्रवक्ता ने बताया, इस प्रयास को सार्थक बनाने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया और प्रतिभागियों को उपकरण एवं अन्य सामान मुहैया कराए गए।

क्विक न्यूज

मणिपुरी महिला की दुकान से पैसे चुराने वाला गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में रहने वाली एक मणिपुरी महिला की दुकान से कथित रूप से 55,000 रुपए चोरी करने के आरोप में 23 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। वकोला थाने के एक अधिकारी ने बताया कि कलीना उपनगर निवासी आरोपी नितिन सनकप्पा पवार ने शहर में मणिपुरी लोगो को निशाना बनाकर कई ऐसी चोरी और लूटपाट की घटनाओ को अंजाम दिया है। उसे लगता था कि वे भाषा संबंधी अड़चन के कारण अपराध के बाद पुलिस से संपर्क नही करेंगे। नवीनतम मामले में, याओमी कहुंगसन एबंक्सी (40) नामक महिला, जो कलीना मे एक किराना दुकान चलाती है, ने बुधवार को पुलिस से संपर्क कर शिकायत की कि उसकी दुकान पर रखी तिजोरी से 55,000 रुपए चुरा लिए गए।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में एसयूवी कार खाई में गिरी, चार की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले मे रविवार को एक एसयूवी कार के गहरी खाई मे गिर जाने से उसमे सवार चार लोगो की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि डाकोग-टुंडा मार्ग पर भरमौर के तरेला मे एसयूवी कार 600 मीटर गहरी खाई मे गिर गई। राजेंद्र कुमार (30), रमेश कुमार (34), संजीव कुमार (30) और सुरेंद्र कुमार (34) की मौके पर ही मौत हो गई। ड्राइवर बिट्टू को घायल अवस्था मे चंबा के जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस घटना मे लोगो की मौत पर दुख प्रकट किया है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह हादसा लापरवाही की वजह से हुआ।

आत्महत्या के प्रयास से पहले व्यक्ति ने प्रेमिका की हत्या की

मुंबई। यहां सांताक्रूज के एक होटल में 24 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका के चरित्र पर संदेह करते हुए कथित तौर पर उसकी गला घोटकर हत्या कर दी, जिसके बाद उसने खुद भी एक चलते ट्रक के सामने कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। यह घटना शनिवार की है। आत्महत्या के प्रयास के दौरान आरोपी विजय कुमार हरिजन के पैर में फ्रैक्चर हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पटना में दुर्गाष्टमी के अवसर पर शीतला माता मंदिर में पूजा करते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

नीतीश कुमार फिर से जदयू के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक और कार्यकाल के लिए जद(यू) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। उनकी पार्टी ने रविवार को यह घोषणा की। जनता दल यूनाइटेड (जद (यू)) के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी अनिल हेगड़े ने बताया कि इस पद के लिए नीतीश एकमात्र उम्मीदवार थे और रविवार को नामांकन वापस लेने का समय समाप्त होने के बाद उन्हें पार्टी का अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। नीतीश की ओर से पार्टी के नेताओं के समूहों ने नामांकन पत्र के चार सेट दाखिल किए थे। ऐसे वक्त जब भाजपा के साथ जद (यू) का गठबंधन असहज दौर से गुजर रहा है, पार्टी के अविवादित नेता के तौर पर नीतीश राज्य में 21 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जद (यू) का नेतृत्व करेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित भाजपा के कई नेताओं ने राज्य में, खासतौर पर पटना में आई हालिया बाढ़ से निपटने में सरकार की अक्षमता सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर उनके नेतृत्व की आलोचना है। भाजपा के एक अन्य नेता एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) संजय पासवान ने यह मांग की है कि नीतीश मुख्यमंत्री पद के लिए अब भगवा पार्टी के किसी नेता का मार्ग प्रशस्त करें।

वैष्णो देवी मंदिर में भजन प्रस्तुत करेंगे सोनू निगम और अनुराधा पौडवाल

एजेंसी। कटरा (रियासी)

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी के पवित्र गुफा मंदिर में सोमवार को होने वाली एक विशेष आरती के मौके पर पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल और गायक सोनू निगम भजन प्रस्तुत करेंगे। श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम महानवमी पर आयोजित किया जाएगा, जिसे नवरात्र उत्सव का अंतिम दिन माना जाता है। एसएमवीडीएसबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सिमरनदीप सिंह ने पीटीआई–भाषा को बताया कि पौडवाल और निगम रविवार को जम्मू पहुंच गए हैं। सिंह ने बताया कि उत्तर–पश्चिम दिल्ली से सूफी गायक–भाजपा सांसद हंस राज हंस, गुरदास मान, कविता पौडवाल, जसपिंदर नरूला और लखविंदर वडाली ने पिछले सप्ताह मंदिर में प्रस्तुति दी थी। इस नवरात्र, तीर्थयात्रियों को गुफा के बाहर सोने से बने द्वार की पहली झलक देखने को मिली। सिंह ने कहा, यह एक स्थाई द्वार है। इस पर काम तीन महीने पहले शुरू हुआ था। नवरात्र से पहले इसका निर्माण अपने अंतिम चरण में था और इसे तीर्थयात्रियों को समर्पित कर दिया गया है। उन्होंने बताया, द्वार के एक तरफ देवी लक्ष्मी की प्रतिमा होगी और दूसरी तरफ उस पर प्रार्थना लिखी होगी। ऊपरी हिस्से में देवी दुर्गा, भगवान गणेश, भगवान हनुमान सहित अन्य देवी–देवताओं की प्रतिमाएं होंगी। गेट का आधार चांदी से बना होगा, जिसकी परत पर सोना चढ़ा होगा। लगभग 11 किलोग्राम सोना,1,100 किलोग्राम चांदी और11,200 किलोग्राम तांबे से बने द्वार को औपचारिक रूप से। अक्टूबर को तीर्थयात्रियों के लिए समर्पित कर दिया गया। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि नवरात्र के दौरान 3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि गुफा मंदिर में 29 सितंबर से उत्सव की शुरुआत के बाद से रोजाना 40,000 से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

कर्नाटक में विपक्ष के नेता के लिए बैठक

एजेंसी। बेंगलुरु

● कई दावेदार सामने आए

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष का नेता तय करने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री द्वारा रविवार को बुलाई गई बैठक में बैठक में कई नेताओं ने इस पद पर दावा किया जिसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी सामने आ गई। सूत्रों ने यहां पीटीआई भाषा को बताया कि एक निजी होटल में यह तय करने के लिए बैठक बुलाई गई थी कि कौन विपक्ष का नेता होगा , और वहां कई नेताओं ने इस पद पर दावा किया। दस अक्टूबर से विधानसभा का सत्र शुरू होने में मात्र तीन दिन रह गए हैं लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस भाजपा का मुकाबला करने के लिए अब तक विधानसभा में अपना नेता चुन नहीं पाई है। सूत्रों के अनुसार पिछली कांग्रेस जद(एस) गठबंधन सरकार के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता रहे पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के अलावा , पूर्व मंत्री एच के पाटिल , पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ . परमेश्वर समेत कई ऐसे नेता हैं जिन्होंने इस पद पर दावा किया।

हालांकि, कुछ विधायकों ने सिद्धरमैया का विपक्ष के नेता के रूप में समर्थन किया लेकिन अन्य नेताओं खासकर पूर्व लोकसभा सदस्य के एच मुनियप्पा ने उनका विरोध किया। बैठक के बाद पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि मिस्त्री ने विधानसभा में कांग्रेस के नेता के चयन और पार्टी संगठन एवं अंदरूनी लोकतंत्र को मजबूत करने के विषय पर नेताओं के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा , उन्होंने (मिस्त्री ने) अलग – अलग सभी नेताओं की राय मांगी। मिस्त्री कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी हैं। वह राज्य की वर्तमान स्थिति को समझते हैं। वह हमारी पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व का जो भी निर्णय होगा , कर्नाटक में पार्टी के सभी नेताओं के लिए मान्य होगा। मुनियप्पा ने कहा कि उन्होंने मिस्त्री को ऐसे सुझाव दिए हैं जो पार्टी के सबसे अधिक हित में है। जब उनसे पूछा गया कि क्या लंबे समय से कांग्रेस के कार्यकर्ता रहे नेताओं को वरीयता दी जाएगी तो उन्होंने सिद्धरमैया पर प्रहार किया और कहा कि उनसे जवाब की उम्मीद कैसे की जाए जब एक नए व्यक्ति को मुख्यमंत्री बना दिया गया था। सिद्धरमैया पहले जद (एस) में थे और पार्टी से निकाल दिए जाने के बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

त्योहारी मौसम में मध्यप्रदेश में ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल, आपूर्ति ठप

इंदौर। मध्यप्रदेश में पेट्रोल–डीजल पर मूल्य संवर्धित कर (वैट) में पांच फीसद के इजाफे के खिलाफ ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल से पिछले दो दिन में करीब 15 लाख वाणिज्यिक वाहनों के चक्के थमने का दावा किया गया है। इस हड़ताल से त्योहारी मौसम में माल की आपूर्ति पर खासा असर पड़ रहा है। मध्यप्रदेश ट्रक व ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के अध्यक्ष सीएल मुकाती ने रविवार को कहा, हमारी जायज मांगों पर राज्य सरकार के अड़ियल रवैए के खिलाफ शनिवार से शुरू की गई हड़ताल से अब तक ट्रकों और डम्परों समेत 15 लाख छोटे–बड़े वाणिज्यिक वाहनों के चक्के थम चुके हैं और माल की आपूर्ति ठप है। मुकाती ने दावा किया कि ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल के चलते ई–कॉमर्स कम्पनियों ने भी त्योहारी मौसम में अपने ग्राहकों से लिए गए ऑर्डर बड़े पैमाने पर निरस्त कर दिए हैं। उन्होंने एक अनुमान के हवाले से बताया कि इस हड़ताल से पहले, ट्रांसपोर्टरों द्वारा सूबे में हर दिन करीब 200 करोड़ रुपए मूल्य के माल का परिवहन किया जा रहा था। मुकाती ने कहाकि ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल से प्रदेश सरकार के कर राजस्व पर भी जाहिर तौर पर असर पड़ रहा है। प्रदेश सरकार हड़ताल खत्म कराना चाहती है, तो वह पेट्रोल–डीजल पर वैट की वृद्धि का फैसला फौरन वापस ले। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में भारी वर्षा के कारण हुए व्यापक नुकसान से निपटने को आवश्यक धन जुटाने के प्रयासों के तहत पेट्रोल और डीजल पर पिछले महीने पांच–पांच प्रतिशत वैट बढ़ा दिया गया था।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति लिंगप्पा नारायण स्वामी ने रविवार को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। राजभवन में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शपथ दिलाई

बाजार के सीमित दायरे में रहने के आसार

टीसीएस, इंफोसिस के तिमाही नतीजों पर होगी नजर

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजारों के आगामी सप्ताह में सीमित दायरे में कारोबार करने की संभावना है। वैश्विक रुख के साथ टीसीएस, इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों से बाजार की चाल तय होगी। बाजार विश्लेषकों ने यह बात कही है।

अगले सप्ताह मंगलवार को दशहरा के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। एपिक रिसर्च के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मुस्तफा नदीम ने कहा, हम कंपनियों के तिमाही नतीजों के दौर की तरफ बढ़ रहे हैं। अगले सप्ताह आने वाले टीसीएस, विप्रो और इंफोसिस के तिमाही नतीजों से काफी संकेत मिलेंगे। कुछ विशेष क्षेत्रों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा, इसके अलावा व्यापार मोर्चे पर अमेरिका-चीन के बीच चल रही बातचीत पर भी बाजार की नजर रहेगी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के तिमाही नतीजे बृहस्पतिवार और इंफोसिस के परिणाम शुक्रवार को आएंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रबंध निदेशक मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं और तिमाही नतीजों पर उनकी नजर रहेगी। संभावना है कि शेयर बाजार सतर्क रुख अपनाएगा और सीमित दायरे में रहेगा। शेयर बाजार के अगले शुक्रवार को आने वाले औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर नजर रखने की संभावना है। वैश्विक मोर्चे पर, निवेशक फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के बुधवार को जारी होने वाले ब्योरे पर भी नजर रखेंगे।

शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष दस कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) में बीते सप्ताह कुल मिलाकर एक लाख करोड़ रुपए की कमी आई। एचडीएफसी बैंक के एमकैप में सबसे ज्यादा 30,000 करोड़ रुपए से अधिक की कमी दर्ज की गई है। एचडीएफसी बैंक के अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई और बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण घटा है। वहीं, दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और आईटीसी के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की गई है। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,198.62 करोड़ रुपए घटकर 6,50,446.47 करोड़ रुपए पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का एम-कैप 22,866.93 करोड़ रुपए गिरकर 2,67,265.32 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक का पूंजीकरण 15,624.6 करोड़ घटकर 2,98,413.27 करोड़ रुपए रह गया। इसी प्रकार, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14,287.76 करोड़ रुपए कम होकर 4,20,774.52 करोड़ रुपए जबकि एचडीएफसी का एमकैप 10,178.84 करोड़ रुपए गिरकर 3,41,349.33 करोड़ रुपए पर आ गया। बजाज फाइनेंस का एम-कैप 9,437.91 करोड़ घटकर 2,26,309.37 करोड़ रुपए और रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूंजीकरण 824.08 करोड़ रुपए कम होकर 8,28,808.67 करोड़ रुपए रह गया। दूसरी ओर, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 8,236.49 करोड़ रुपए उछलकर 7,79,989.45 करोड़ रुपए और इंफोसिस का पूंजीकरण 4,681.59 करोड़ रुपए बढ़कर 3,40,704.24 करोड़ रुपए हो गया।

सीतारमण आज करेंगी राष्ट्रीय ई-आकलन केंद्र का उद्घाटन

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को आयकर विभाग के राष्ट्रीय ई-आकलन केंद्र (एनईएसी) का उद्घाटन करेंगी। इससे करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच आमना-सामना की जरूरत नहीं पड़ेगी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एनईएसी बेहतर करदाता सेवा, प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप करदाताओं की शिकायतों में कमी लाने तथा कारोबार सुगमता को बढ़ाने की दिशा में कदम है। बयान के अनुसार, नई पहल से आकलन प्रक्रिया में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी। करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच आमना-सामना की जरूरत नहीं होगी। इस नई व्यवस्था में करदाताओं को पंजीकृत ई-मेल और वेब पोर्टल के पंजीकृत खातों पर नोटिस मिलेगा। साथ ही पंजीकृत मोबाइल पर तत्काल एसएमएस मिलेगा। इन संदेशों में मुद्दों का जिक्र होगा जिसके आधार पर मामले को जांच के लिए चुना गया है। करदाता नोटिस का जवाब अपनी सुविधानुसार अपने घर या दफ्तर से दे सकते हैं।

दिल्ली, आसपास के शहरों में सीएनजी पाइप वाली रसोई गैस की दरें घटी

एजेंसी। नई दिल्ली

सीएनजी और पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस के दाम दिल्ली और आसपास के शहरों में कम हुए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लि. (आईजीएल) के अनुसार प्राकृतिक गैस से जुड़े कच्चे माल की लागत में 12.5 प्रतिशत की कटौती से ईंधन सस्ता हुआ है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि वाहनों के लिए कांप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) का दाम दिल्ली में 1.90 रुपए किलो कम हुआ है जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में इसमें 2.15 रुपए किलो की कमी आई है। इस कटौती के बाद दाम दिल्ली में सीएनजी का दाम 45.20 रुपए किलो होगा। वहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में यह 51.35 रुपए किलो होगा। आईजीएल द्वारा अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी की कीमत पहले की ही तरह बनी रहेगी। आईजीएल ने अलग से मोबाइल पर भेजे संदेश में सूचना दी है कि प्राकृतिक गैस के ग्राहकों के लिए कीमत दिल्ली में 90 पैसे प्रति घन मीटर तथा उत्तर प्रदेश में 40 पैसे प्रति इकाई कम होगी। बयान के अनुसार पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस (पीएनजी) के दाम दोनों जगह 30.10 रुपए प्रति घन मीटर होगा। कंपनी ने आईजीएल सीएनजी स्टेशनों पर आईजीएल स्मार्ट कार्ड के जरिए सीएनजी लेने पर नई कैशबैक योजना की भी पेशकश की है। पूरे देश में दिल्ली में सीएनजी सबसे सस्ती होगी। बयान के अनुसार, रात में सीएनजी लेने को बढ़ावा देने के लिए आईजीएल ने एक रुपए प्रति किलो की छूट की पेशकश की है। यह छूट रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक सीएनजी लेने वाले ग्राहकों को दी जाएगी। यह छूट दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में आईजीएल के चुनिंदा सीएनजी स्टेशनों पर दी जाएगी। इससे ग्राहकों के लिए, सीएनजी की कीमत दिल्ली में चुनिंदा सीएनजी स्टेशनों पर रात 12 बजे से सुबह 6 बजे से 44.20 रुपए किलो और नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में 50.35 रुपए किलो होगी। इसके अलावा नकद रहित लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए आईजीएल ने सीएनजी पर 50 पैसे किलो की अतिरिक्त छूट देने की घोषणा की है।

बीपीसीएल के निजीकरण का रास्ता साफ

राष्ट्रीयकरण कानून को 2016 में ही रद्द कर चुकी है सरकार

एजेंसी। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) के प्रस्तावित पूर्ण निजीकरण का रास्ता साफ हो चुका है। सरकार ने चुपके से बीपीसीएल के राष्ट्रीकरण संबंधी कानून को 2016 में रद्द कर दिया था। ऐसे में बीपीसीएल को निजी या विदेशी कंपनियों को बेचने के लिए सरकार को संसद की अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, पहले कहा जा रहा था कि बीपीसीएल का निजीकरण करने को संसद की मंजूरी लेनी होगी।

निरसन एवं संशोधन कानून, 2016 के तहत 187 बेकार और पुराने कानूनों को समाप्त किया गया है। इसमें 1976 कानून भी शामिल है जिसके जरिए पूर्ववर्ती बुरमाह शेल का राष्ट्रीयकरण किया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस कानून को समाप्त कर दिया गया है। ऐसे में बीपीसीएल की रणनीतिक बिक्री के लिए संसद की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी।

सरकार घरेलू ईंधन खुदरा कारोबार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लाना चाहती है जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ाई जा सके। इसी के मद्देनजर सरकार बीपीसीएल में अपनी समूची 53.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रणनीतिक भागीदार को बेचने की तैयारी कर रही है। बीपीसीएल के निजीकरण से घरेलू ईंधन खुदरा बिक्री कारोबार में काफी उथलपुथल आ सकती है। वर्षों से इस क्षेत्र पर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का दबदबा है। इसके अलावा बीपीसीएल के निजीकरण से सरकार को 1.05 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य में से कम से कम एक-तिहाई प्राप्त करने में मदद मिलेगी। चार अक्टूबर को बाजार बंद होने के समय बीपीसीएल का बाजार पूंजीकरण 1.11 लाख करोड़ रुपए था। बीपीसीएल में हिस्सेदारी बेचकर सरकार को 60,000 करोड़ रुपए तक प्राप्त हो सकते हैं। इसमें नियंत्रण तथा ईंधन बाजार प्रवेश प्रीमियम भी शामिल है।

उच्चतम न्यायालय ने सितंबर, 2003 में व्यवस्था दी थी कि बीपीसीएल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) का निजीकरण संसद द्वारा कानून के संशोधन के जरिए ही किया जा सकता है। संसद में पूर्व में कानून पारित कर इन दोनों कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि अब उच्चतम न्यायालय की इस शर्त को पूरा करने की जरूरत नहीं है क्योंकि राष्ट्रपति ने निरसन एवं संशोधन कानून, 2016 को मंजूरी दे दी है और इस बारे में अधिसूचना जारी की जा चुकी है।

कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना लाई टोयोटा

एजेंसी। नई दिल्ली

वाहन क्षेत्र में सुस्ती और मांग में कमी के बीच वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने कर्नाटक के बिदादी में अपनी विनिर्माण इकाई के कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) शुरू की है। टीकेएम, जापान की टोयोटा और किर्लोस्कर समूह का संयुक्त उद्यम है। कंपनी ने संयंत्र में कम से कम पांच साल तक काम करने वाले स्थाई कर्मचारियों और निगरानी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए यह योजना शुरू की है। कंपनी की नव - जीवन योजना 22 सितंबर से शुरू हुई और यह 23 अक्टूबर तक चलेगी। टोयोटा किर्लोस्कर के उपाध्यक्ष शेखर विश्वनाथन ने बताया कि यह योजना पूरी तरह से स्वैच्छिक है और इसका टीकेएम के कारोबार की स्थिति से कोई लेनादेना नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्तीय सुरक्षा के साथ करियर बदलने और कंपनी से अलग होकर अपनी आकांक्षा के अनुरूप लक्ष्य हासिल करने में कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए यह योजना शुरू की गई है। विश्वनाथन ने कहा कि योजना के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों को सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के अलावा क्षतिपूर्ति पैकेज मिलेगा। टीकेएम के देश में करीब 6,500 कर्मचारी हैं। बिदादी में कंपनी के दो कारखाने हैं, जिनकी कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 3.10 लाख इकाई सालाना है। आर्थिक सुस्ती के दौर से गुजर रहीं वाहन कंपनियां कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना पेश कर रही हैं। पिछले महीने हीरो मोटोकॉर्प ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना शुरू की थी।

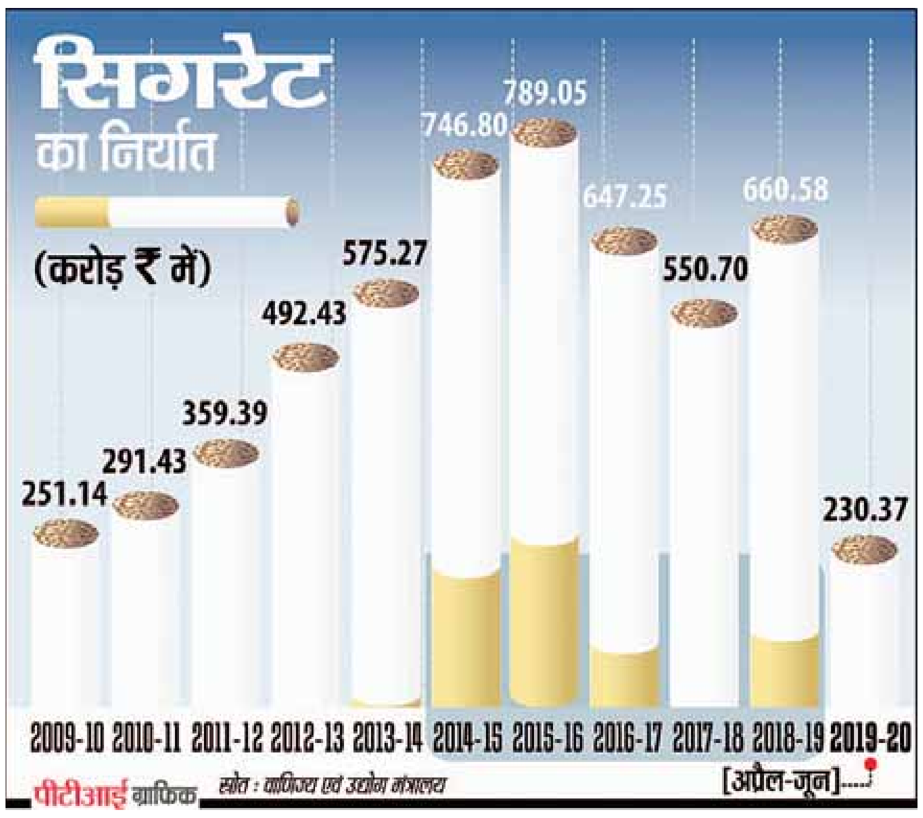

एनसीएलएटी ने रोमेश पावर के खिलाफ दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया को बंद किया

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रोमेश पावर प्रोडक्ट्स के खिलाफ शुरू हुई दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया को रोकने का आदेश दिया है। एनसीएलएटी ने पाया कि कंपनी के एक परिचालन ऋणदाता ने गलत मंशा से याचिका दायर की थी। एनसीएलएटी ने कहा कि रोमेश पावर प्रोडक्ट्स को परिचालन के लिए मदद देने वाली राजधानी ट्रेडिंग कंपनी ने साउथ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी को आपूर्ति किए माल के एवज में भुगतान की चूक को लेकर एनसीएलटी में याचिका दायर की थी। हालांकि राजधानी ट्रेडिंग इस बात से अवगत थी कि इसका भुगतान सीधे तौर पर साउथ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी करेगी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की जयपुर पीठ ने राजधानी ट्रेडिंग की याचिका स्वीकार कर 20 दिसंबर, 2018 को दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दे दिया था। बाद में एनसीएलटी ने 21 फरवरी, 2019 को अपना आदेश वापस लेने से भी मना कर दिया था। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति एस.जे. मुखोपाध्याय की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि रोमेश पावर प्रोडक्ट्स के खिलाफ गलत इरादे से याचिका दायर की गई थी। अतः एनसीएलटी के 20 दिसंबर, 2018 और 21 फरवरी, 2019 के आदेश को निरस्त किया जाता है। एनसीएलएटी ने परिचालन में मदद देने वाली कंपनी तथा कॉरपोरेट ऋणदाता को 30 दिनों के भीतर दिवाला शोधन पेशेवर की फीस और लागत का बराबर-बराबर भुगतान करने को भी कहा। रोमेश पावर के शेयरधारकों ने एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में याचिका दायर की थी।

इस साल आईपीओ से निवेशकों को मिला अच्छा रिटर्न

ग्यारह में से आठ शेयरों ने दिया लाभ

एजेंसी। नई दिल्ली

नकदी जुटाने के लिहाज से इस साल प्राथमिक बाजार (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) निवेशकों के लिए फायदेमंद रहा है। सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों की खरीद-बिक्री वाले बाजार (सेकेंडरी मार्केट) में अत्यधिक उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के लिए प्राथमिक या आईपीओ बाजार आकर्षक रहा है।

आंकड़ों के अनुसार इस साल अबतक सूचीबद्ध कंपनियों में से 70 प्रतिशत के शेयर निर्गम मूल्य से ऊपर के मूल्य पर कारोबार कर रहे हैं और इन शेयरों ने निवेशकों को 95 प्रतिशत तक रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव, अर्थव्यवस्था में नरमी, कमजोर निवेशक धारणा तथा विदेशी निवेशकों द्वारा कोष की निकासी से बाजार में उतार-चढ़ाव रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर आईपीओ की हमेशा अच्छी मांग रही है।

इस साल अब तक सूचीबद्ध 11 कंपनियों के शेयरों के चार अक्टूबर तक के प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया। इसके आधार पर यह बात सामने आई कि आठ के आईपीओ में निर्गम मूल्य के मुकाबले 7 से 95 प्रतिशत तक की अच्छी वृद्धि हुई है। वहीं तीन कंपनियां निवेशकों को आकर्षित करने में विफल रहीं और इनके शेयर निर्गम मूल्य से नीचे कारोबार कर रहे हैं। इंडिया मार्ट इंटेर मेश जुलाई में सूचीबद्ध हुआ। इसके शेयर के भाव में निर्गम मूल्य के मुकाबले बंबई शेयर बाजार में सर्वाधिक 95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उसके बाद नियोजन केमिकल्स का स्थान रहा जिसके शेयर भाव में 76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसी प्रकार, एफल (इंडिया) लि. और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ने अपने निवेशकों को क्रमशः लगभग 49 और 40 प्रतिशत तक रिटर्न दिया। इसके अलावा पॉलिकैब इंडिया, रेल विकास निगम लि., शैलेट होटल्स और स्पंदन स्फूर्ति फाइनेंशियल के आईपीओ निर्गम मूल्य के मुकाबले क्रमशः 24 प्रतिशत, 21 प्रतिशत, 12 प्रतिशत और 7 प्रतिशत मजबूत हुए। वहीं दूसरी तरफ तीन कंपनियां एमएसटीसी, स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर तथा जेल्पमॉक डिजाइन एंड टेक निवेशकों को रिटर्न देने में विफल रहीं। एमएसटीसी मार्च में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। कंपनी का शेयर 24 प्रतिशत टूटा। वहीं अगस्त में सूचीबद्ध स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर का शेयर 23 प्रतिशत से अधिक नीचे आया है। इसी प्रकार, जेल्पमॉक डिजाइन एंड टेक का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 4.5 प्रतिशत नीचे आया है। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के बुनियादी शोध (निवेश सेवा) के प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, पिछले एक साल से कई कारणों से बाजार में उत्साह नहीं है। कुल मिलाकर निवेशकों के बीच धारणा कमजोर रही। ऐसी स्थिति में बेहतर मूल्य वाले आईपीओ ने निवेशकों को अच्छा अवसर दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कुछ कंपनियों का बही-खाता दुरुस्त होने के कारण भी निवेशक इनके शेयरों के प्रति आकर्षित हुए। भारी-उतार-चढ़ाव के बीच बीएसई के सेंसेक्स में इस साल अबतक चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल अबतक कुल 13 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 11,000 रुपए जुटाए हैं। वहीं पिछले साल 2018 में पूरे वर्ष के दौरान 24 कंपनियों ने आईपीओ से 30,959 करोड़ रुपए जुटाए थे। पूंजी बाजार में दस्तक देने वाली कुल 13 कंपनियों में से आईआरसीटीसी और विश्राज शुगर इंडस्ट्रीज के आईपीओ शुक्रवार को बंद हुए। ए कंपनियां इस महीने सूचीबद्ध होंगी।

दिसंबर में फिर ब्याज दर घटा सकता है रिजर्व बैंक: गोल्डमैन सैश

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की द्वैमासिक मौद्रिक समीक्षा में भी ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। ब्रोकरेज कंपनियों का मानना है कि दिसंबर में केंद्रीय बैंक रेपो दर में चौथाई प्रतिशत की और कटौती करेगा। उसके बाद वह कटौती का सिलसिला रोक देगा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने शुक्रवार को रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.15 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि वह वृद्धि को प्रोत्साहन देने तक इस नरम रुख को जारी रखेगा। गोल्डमैन सैश ने एक रिपोर्ट में कहा, हमें इस बात की काफी संभावना दिख रही है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर को चौथाई प्रतिशत और घटाकर 4.90 प्रतिशत पर लाएगी। यह अक्टूबर में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में अतिरिक्त कटौती के हमारे अनुमान से मेल खाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर के बाद रिजर्व बैंक नीतिगत दर में कटौती के सिलसिले को रोकेगा क्योंकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के करीब रहेगी, जिससे दरों में और कटौती की गुंजाइश नहीं बनेगी। उसके बाद मौद्रिक नीति समिति देखेगी कि मौद्रिक रुख में नरमी का क्या असर हुआ है। साथ ही सरकार ने जो घोषणाएं की हैं, उनका क्या प्रभाव पड़ा है।

केरल को दुबई से मिलेगा 10,000 करोड़ का निवेश

तिरुवनंतपुरम। दुबई के निवेशक समुदाय ने केरल में 10 हजार करोड़ रुपए निवेश करने का वादा किया है। राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, डीपी वर्ल्ड ने 3,500 करोड़ रुपए, आरपी समूह ने 1,000 हजार करोड़ रुपए, लुलु समूह ने 1,500 करोड़ रुपए, एस्टर ने 500 करोड़ रुपए तथा कई अन्य छोटे निवेशकों ने 3,500 करोड़ रुपए निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि डीपी वर्ल्ड्स नौवहन एवं मालवहन में, आरपी समूह पर्यटन में, लुलु समूह खुदरा क्षेत्र में तथा एस्टर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में निवेश करेगी।

आर्थिक वृद्धि में जनवरी से सुधार की शुरुआत का अनुमानः पुरी

एजेंसी। मुंबई

एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक आदित्य पुरी ने कहा कि आर्थिक वृद्धि संभवतः निचले स्थान पर आ चुकी है और अगले साल जनवरी से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विस्तार होने लगेगा। पुरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का संकट समाप्त हो चुका है। कुछ कंपनियां, खासकर जिन्होंने रियल्टी क्षेत्र में निवेश किया हुआ है, आने वाले समय में भी दिक्कतों से जूझ सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अचानक से तेजी आएगी या हम तुरंत ही छलांग लगाएंगे। मैं बस यह कह रहा हूं कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, वृद्धि अभी की तुलना में अधिक होती जाएगी। हम संभवतः निचले स्तर पर हैं। उन्होंने कहा कि अधिक सरकारी खर्च, बुनियादी संरचना में निवेश, अर्थव्यवस्था में पैसे झोंकने के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कदम और अच्छे मानसून से वृद्धि को समर्थन मिलेगा। पुरी ने कहा कि देश का आकार बड़ा है इस कारण परिणाम सामने आने में समय लगेगा। उन्होंने कहा कि जनवरी तक वृद्धि में सुधार की शुरुआत होने का अनुमान है। राजकोषीय स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राजकोषीय घाटा बढ़ने की आशंका जायज है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि अधिक विनिवेश, आयकर व जीएसटी के बेहतर संग्रह से इसे पाट लिया जाएगा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के संकट के बारे में उन्होंने कहा कि संकट खत्म हो चुका है लेकिन इसका कोई आसान समाधान नहीं है। चीजें सही होने में समय लगेगा। राजकोषीय मोर्चे पर बढ़ती चिंता से जुड़े सवाल के जवाब में पुरी ने कहा कि राजकोषीय अंतर बढ़ने को लेकर चिंता जायज है लेकिन उन्हें भरोसा है कि विनिवेश, बेहतर जीएसटी और आयकर संग्रह से अंतर को पूरा किया जा सकता है।

भारत के लिए बांग्लादेश मे निवेश के बड़े अवसरः डेलॉयट

एजेंसी। नई दिल्ली

निवेश के अवसरों के बारे में बढ़ती जागरूकता तथा कारोबार सुगमता की स्थिति को और बेहतर करने के लिए लगातार किए जा रहे काम की वजह से बांग्लादेश में भारतीय कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर हैं। डेलॉयट ने यह बात कही है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार जॉयदीप दत्ता गुप्ता ने कहा कि बांग्लादेश में विनिर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर हैं।

उन्होंने कहा, और अधिक प्रचार-प्रसार और निवेश अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। इससे भारत के संभावित निवेशक बांग्लादेश में निवेश के लिए तैयार हो पाएंगे। दत्ता ने कहा कि इसके अलावा नियामकीय ढांचे और वैश्विक सर्वश्रेष्ठ व्यवहार में तालमेल बैठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश द्वारा बुनियादी ढांचा में सुधार के लिए काफी काम किया जा रहा है। उन्हें इसे लगातार जारी रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सरकार भारत से भारी निवेश की उम्मीद कर रही है। वह भारतीय कंपनियों का स्वागत करने को तैयार है।

निर्धारित लक्ष्य से 42 प्रतिशत कम रह सकता है नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन

मुंबई। नियामकीय चुनौतियों, नीति के मोर्चे पर अनिश्चितता और शुल्क में भारी गिरावट की वजह से देश नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने से चूक सकता है। सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 2022 तक 1,75,000 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह लक्ष्य 42 प्रतिशत तक कम रह सकता है क्योंकि पिछले वित्त वर्ष से सौर ऊर्जा परियोजनाएं लगाने वाली कंपनियों की रुचि कम हो रही है। एजेंसी ने नोट में कहा, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सिर्फ 40,000 मेगावाट बढ़कर 2022 में 1,00,400 मेगावाट पर पहुंच सकती है। 2019 में यह 64,400 मेगावाट पर है। इसकी वजह नीति को लेकर अनिश्चितता और शुल्क व्यवस्था में खामियां हैं। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन सरकार के 1,75,000 मेगावाट के लक्ष्य से 42 प्रतिशत कम रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र और राज्यों द्वारा नीलाम की गई 64,000 मेगावाट की परियोजनाओं में से 26 प्रतिशत से अधिक परियोजनाओं को या तो बोली नहीं मिली है या फिर अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिला है जबकि 31 प्रतिशत परियोजनाओं के आवंटन में देरी हो रही है।

उत्तर कोरिया ने परमाणु वार्ता को बताया बेनतीजा

अमेरिका ने कहा अच्छी रही बातचीत

एजेंसी। सोल

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस जाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प

उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा उसके खिलाफ शत्रुता खत्म करने के लिए कदम उठाए जाने तक परमाणु वार्ता जारी रखने का उसका कोई इरादा नहीं है। स्वीडन में वार्ता रुकने के एक दिन बाद उत्तर कोरिया ने यह कहा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फरवरी में हुई एक बैठक के बाद कई महीनों तक चले गतिरोध के बाद यह चर्चा हुई। उत्तर कोरिया ने स्वीडन की वार्ता को बीच में ही छोड़ते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा नए और रचनात्मक समाधान नहीं पेश किया जाना निराश करने वाला है। वहीं, अमेरिका ने कहा है कि वह दो हफ्तों में फिर से बैठक करने को इच्छुक है।

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एक और बैठक का अमेरिका का दावा बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, ऐसी बेकार की वार्ता करने का हमारा कोई इरादा नहीं है...। उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी के मुताबिक प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने अपना पुराना रवैया नहीं छोड़ा तो वार्ता तुरंत टूट जाएगी। उन्होंने कहा, अमेरिका द्वारा शत्रुतापूर्ण नीतियों के खत्म करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाने तक इस तरह की वार्ता की प्योंगयांग की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया की वार्ता का भविष्य अमेरिका के हाथों में है और इसकी समय सीमा इस साल के अंत तक है। हालांकि, अमेरिका ने कहा है कि इस बैठक में अच्छी चर्चा हुई और उत्तर कोरिया की टिप्पणी में वह चीज या भावना नहीं झलकती है जो साढ़े आठ घंटे की चर्चा में हुई।

ट्रंप ने सीनेटर मिट रोमनी के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कटु आलोचक एवं रिपब्लिक पार्टी के सीनेटर मिट रोमनी के खिलाफ महाभियोग चलाने की अपील की है। रोमनी ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप को ‘धोखेबाज’ कहा था और यूक्रेन मुद्दे को संभालने को लेकर उनकी आचोलना की थी। ट्रंप ने शनिवार को ट्वीट किया, मैंने सुना है कि उटा के लोगों को लग रहा है कि अंहकारी सीनेटर मिट रोमनी को वोट देकर उन्होंने बड़ी गलती। मैं इससे सहमत हूंउ वह एक मूर्ख व्यक्ति हैं। मिट रोमनी के खिलाफ महाभियोग चलाया जाना चाहिए। ट्रंप ने एक और ट्वीट किया, डेमोक्रेट न केवल 2020 के चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं, बल्कि 2016 के चुनाव को लेकर भी उन्होंने ऐसा ही प्रयास किया। गौरतलब है कि ट्रंप ने चीन और यूक्रेन से पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ जांच का अनुरोध किया था, जिसे लेकर रोमनी ने शुक्रवार को ट्रंप की आलोचना की थी।

हांगकांग में प्रदर्शनकारियों ने कई जगह रास्ता रोका और सड़क पर सामान में आग लगा दी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें खदेड़ा

इमरान खान कल पहुंचेंगे चीन

एजेंसी। बीजिंग

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचेंगे और इस दौरान वह राष्ट्रपति शी चिनफिंग समेत देश के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे तथा क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री बनने के बाद खान की चीन की यह तीसरी यात्रा है। इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह राष्ट्रपति शी की पूर्वनियोजित हाई प्रोफाइल भारत यात्रा से कुछ दिन पहले हो रही है। अगले सप्ताह होने वाली अपनी भारत यात्रा के दौरान शी चेन्नई के पास मामल्लपुरम में दूसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री खान मंगलवार को चीन आएंगे जबकि उनकी या शी की भारत यात्रा पर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के 70वें स्थापना दिवस को मनाने के लिए चीन में राष्ट्रीय दिवस अवकाश के तहत इस वक्त एक अक्टूबर से एक सप्ताह तक छुट्टियां मनाई जा रही है।

पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एपीपी की रविवार की खबर के अनुसार खान राष्ट्रपति शी तथा चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग के साथ अलग-अलग बैठक करेंगे और क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय महत्व वाले मुद्दों पर चर्चा करेंगे। खान की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत द्वारा पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को हटाने के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान के सदाबहार मित्र चीन ने कश्मीर मुद्दे पर इस्लामी देश का समर्थन किया है। इसके विदेश मंत्री वांग ने कहा है, ऐसी कोई कार्वाई नहीं होनी चाहिए जो मौजूदा स्थिति को बदले। खबर के अनुसार खान इस दौरान कृषि, औद्योगिक एवं सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग के अलावा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) खाका के तहत परियोजनाओं के विस्तार भी चर्चा करेंगे। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रविवार की खबर के अनुसार भारत के अलावा शी नेपाल की भी यात्रा करेंगे। 1996 के बाद किसी चीनी राष्ट्रपति की यह पहली नेपाल यात्रा होगी।

पुर्तगाल में फिर से सोशलिस्ट पार्टी की जीत के आसार

एजेंसी। लिस्बन

पुर्तगाल में पिछले कुछ साल तक मितव्ययिता उपायों को अपनाए जाने के बाद ठोस आर्थिक विकास की बदौलत लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा की सोशलिस्ट पार्टी के जीतने के आसार हैं। कोस्टा की जीत यूरोप में अन्य जगहों पर मध्य वामपंथी दलों को नकारे जाने और धुर दक्षिणपंथी, लोकलुभावन घोषणाएं करने वाले दलों के उभार की प्रवृत्ति के चलन के उलट रह सकती है। शुक्रवार को प्रकाशित अंतिम ओपिनियन पोल में सोशलिस्ट पार्टी (पीएस) को निकटतम प्रतिद्वंद्वी मध्य दक्षिणपंथी सोशल डेमोक्रेट्स (पीएसडी) को हासिल 25-30 प्रतिशत समर्थन की तुलना में 36-39 प्रतिशत मत मिले।

पोप ने अमेजन के जंगलों की आग के लिए विध्वंसकारी हितों को जिम्मेदार ठहराया

एजेंसी। वेटिकन सिटी

पोप फ्रांसिस ने अमेजन क्षेत्र में रहने वाले गरीब एवं मूल निवासियों की रविवार को पैरोकारी की और इस इलाके को तबाह करने वाली आग के लिए जिम्मेदार रहे विध्वंसकारी हितों की निंदा की। पोप ने अमेजोनिया क्षेत्र के नौ देशों के बिशपों और मूल निवासियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, हितों के लिए लगाई गई आग बर्बादी लाती है जैसी कि हाल की अमेजोनिया आग से हुई, यह धर्म सिद्धांतों वाली आग नहीं है। उन्होंने कहा कि ईश्वर द्वारा दी गई अग्नि गर्माहट देती है। वहीं दूसरी ओर विध्वंस करने वाली यह आग उस वक्त भड़क उठती है जब लोग सिर्फ अपने और खुद के समूह के विचारों को बढ़ावा देना चाहते हैं। विश्व के सबसे बड़े वर्षा वन में हाल ही में लगी आग ने दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस बारे में 80 पृष्ठों के दस्तावेज में कहा गया है, धरती मां की रोने की आवाज सुनिए, जिन पर हमले किए गए और विकास के आर्थिक मॉडल ने गंभीर जख्म दिए...।

पेरिस जलवायु कार्यकर्ताओं ने वैश्विक प्रदर्शन शुरू किया

पेरिस (एजेंसी)। जलवायु एवं पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए शुरू की गई मुहिम इक्स्टिंगशन रिबेलियन (एक्स आर) के तहत दुनिया भर में सिलसिलेवार प्रदर्शन किए जाने की योजना से कुछ घंटे पहले पेरिस के एक मॉल में सैकड़ों की संख्या में जलवायु कार्यकर्ता एकत्र हुए और विरोध जताया। एक्स आर की स्थापना पिछले साल ब्रिटेन में अकादमिक जगत के लोगों ने की थी। यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता पर्यावरण आंदोलन बन गया है। मॉल में जलवायु कार्यकर्ताओं के शनिवार को दिन भर मौजूद रहने से खरीददारों को असुविधा हुई। दक्षिण पूर्व पेरिस स्थित इटली-2 मॉल में कार्यकर्ताओं को पुलिस का सामना करना पड़ा। जलवायु कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर थाम रखे थे जिस पर लिखा था -- पेट्रोल नहीं, पूंजीवाद को जलाओ। सविनय अवज्ञा शुरू करने के लिए सोमवार को दुनिया भर के 60 शहरों में प्रदर्शन करने की जलवायु कार्यकर्ताओं की योजना से पहले यह घटनाक्रम हुआ। ये अहिंसक प्रदर्शन मुख्य रूप से यूरोप, उत्तर अमेरिका, आस्ट्रेलिया में होंगे।

चीनी अधिकारी को मुक्के मारते व्यक्ति का वीडियो वायरल, चीन में आक्रोश

हांगकांग (एजेंसी)। हांगकांग में एक लोकतंत्र समर्थक के चीनी अधिकारी को मुक्का मारने के वीडियो ने चीन में आक्रोश पैदा कर दिया है जिससे हांगकांग और चीन के बीच ध्रुवीकरण फैलता दिखाई दे रहा है। पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों द्वारा शुक्रवार को बनाई गई वीडियो में हांगकांग के वाणिज्यिक जिले में एक रैली से इतर नकाब पहने प्रदर्शनकारी जेपी मॉर्गन के प्रवेश पर सफेद शर्ट पहने एक व्यक्ति को लगातार मुक्के मारता दिख रहा है।

ब्लूमबर्ग न्यूज की खबर के अनुसार वह व्यक्ति अमेरिकन बैंक में काम करता है। उन्होंने कहा है कि बैंक स्टाफ को भेजे गए आंतरिक ज्ञापन के तहत अपने कार्यालयों के बाहर सुरक्षा बढ़ा रही थी। हालांकि यह साफ नहीं हुआ कि झड़प की शुरुआत कैसे हुई। फुटेज में मंडारिन बोल रहा व्यक्ति छायाकारों से घिरा दिख रहा है और गुस्साई भीड़ चीन लौट जाओ के नारे लगा रही है।

तापेई में रात के समय होने वाले वार्षिक आर्ट फेस्टिवल को देखते लोग

सिरिसेना श्रीलंका के राष्ट्रपति पद की दौड़ में नहीं

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से रविवार को इंकार किया क्योंकि वह 16 नवंबर को होने वाले इस चुनाव के लिए जमानत की रकम जमा नहीं करा सके। पर्चा दाखिल करने के लिए जमानत जमा कराने की अंतिम समय सीमा रविवार को दोपहर 12 तक थी, जिसके आधार पर सोमवार को पर्चा दाखिल किया जाएगा। कुल 41 उम्मीदवारों ने जमानत की रकम जमा करवाई है लेकिन उसमें सिरिसेना का नाम नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए रिकार्ड 41 उम्मीदवारों ने जमानत के तौर पर नकद राशि जमा कराई है। ए अलग-अलग राजनीतिक दलों से तथा निर्दलीय समूहों के उम्मीदवार हैं। यह इस पद के लिए चुनाव में जमानत राशि जमा कराने वाले उम्मीदवारों की अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।

इसके अतिरिक्त 1982 के बाद यह पहला मौका है जब निवर्तमान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री अथवा विपक्ष का नेता उम्मीदवार नहीं है। राष्ट्रपति सिरिसेना, प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे और मुख्य विपक्षी नेता महिंदा राजपक्षे विभिन्न कारणों से इस बार चुनाव मैदान में नहीं हैं। शनिवार की रात राजपक्षे के साथ महत्वपूर्ण वार्ता करने वाले सिरिसेना ने गोटाभाया राजपक्षे की उम्मीदवारी का समर्थन करने का निर्णय किया है। गोटाभाया अब मुख्य विपक्षी उम्मीदवार हैं।

नीदरलैंड में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर अहिंसा मार्च समेत कई आयोजन

एजेंसी। द हेग

नीदरलैंड में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर अहिंसा मार्च और प्रदर्शनी समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। नीदरलैंड में भारतीय दूतावास ने गांधी अहिंसा फाउंडेशन और अन्य समूहों के साथ एक साइकिल रैली, स्मृति सभा और विद्यालय संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रमों की शुरुआत 29 सितंबर को साइकिल रैली से हुई। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि खराब मौसम के बावजूद बच्चों समेत बड़ी संख्या में साइकिल के शौकीन लोग गांधीवादी दर्शनों की सादगी और प्रासंगिकता के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए नीदरलैंड में भारत के राजदूत वेणु राजमौनी तथा गांधी अहिंसा फाउंडेशन के नेताओं के साथ रैली में शामिल हुए। साइकिल रैली द हेग की सड़कों से गुजरी। इसके अलावा राजदूत राजमौनी ने एक अक्टूबर को द हेग के सिटी हॉल के प्रांगण में लाइफ एंड मैसेज ऑफ गांधी‘ को लेकर चार दिवसीय प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। वहीं 24 सितंबर से तीन अक्टूबर के बीच स्वंयसेवक‘ फॉलो द महात्मा अभियान को लेकर नीदरलैंड के 28 विद्यालयों और 2400 से अधिक छात्रों के बीच पहुंचे और गांधी के अहिंसा के संदेश और वर्तमान विश्व में इसकी प्रासंगिकता के बारे में चर्चा की।

बापू के संदेशों के प्रसार के लिए शहर में अहिंसा मार्च निकाला गया। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब द हेग में अंहिसा मार्च निकाला गया। अहिंसा मार्च में 300 स्कूली बच्चों और 150 लोगों ने शिरकत की। भारतीय राजदूत राजमौनी ने दो अक्टूबर को द हेग के हरित क्षेत्र और नीदरलैंड के सबसे पुराने वनों में से एक हागसे बोस में एक प्रतीकात्मक लाल बीच का पेड़ लगाया।

ट्वीट लाइक करने पर तुर्की ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया

अंकारा (तुर्की) (एजेंसी)। तुर्की में अमेरिकी दूतावास के आधिकारिक ट्विटर खाते से एक ट्वीट को लाइक करने पर तुर्की ने विरोध दर्ज कराने के लिए एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। इस ट्वीट में कहा गया था कि तुर्की को देश के राष्ट्रीय दल के नेता के बिना एक राजनीतिक युग के लिए तैयार रहना चाहिए। खबरों के मुताबिक ए नेता बीमार चल रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी दूतावास के प्रभारी को रविवार को तलब किया गया, हालांकि दूतावास ने बयान जारी किया था कि उसके ट्विटर एकाउंट से गलती से एक असंबद्ध पोस्ट लाइक हो गया था और इसके लिए माफी भी मांगी गई। कई लोगों के मुताबिक इस ट्वीट से लगता है कि राष्ट्रवादी नेता डेवलेट बहसेली का जल्द निधन हो सकता है।

ब्रैड पिट से तलाक पर एंजेलिना ने कहा, बहुत दुख हुआ था

एजेंसी। लंदन

प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली का कहना है कि ब्रैड पिट से तलाक के बाद उन्हें लगा कि वह अपने आप को थोड़ा खो चुकी हैं। जोली ने कहा कि जब उनका रिश्ता टूट गया, तब उन्हें गहरा दुख हुआ था।

हॉलीवुड के दो शीर्ष सितारों ने शादी के दो साल बाद 2016 में अपना रास्ता अलग करने का फैसला किया था। जोली ने कहा, मुझे नहीं पता कि मेरा भाग्य क्या है, लेकिन मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि मैं बदलाव के दौर से गुजर रही हूं, जैसे अपनी जड़ों की तरफ लौटना, खुद को पाना, क्योंकि, मैंने खुद को थोड़ा खो दिया था। मुझे लगता है कि ब्रैड के साथ मेरा संबंध जब खत्म हो रहा था, और जब हमारे अलगाव की शुरुआत हुई थी, तब मुझे यह एहसास होना शुरू हुआ। जोली ने फ्रांसीसी पत्रिका मदाम को बताया, वह एक जटिल वक्त था, जब मुझे खुद के होने का एहसास नहीं हो रहा था। भले ही यह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन मुझे महसूस हो रहा था। मुझे तब बेहद गहरा दुख हुआ था।

कोलकाता में जन्मी मिस इंग्लैंड ने बच्चों के लिए धन जुटाने में मदद की

लंदन (एजेंसी)। भारतीय मूल की मिस इंग्लैंड-2019 भाषा मुखर्जी ने कोलकाता में सड़कों और झुग्गियों में रहने वाले बच्चों के लिए काम कर रही ब्रिटेन की एक धर्मार्थ संस्था के लिए धन जुटाने में मदद की है। कोलकाता में बचपन बिताने वाली पेशे से चिकित्सक मुखर्जी अगले महीने होने वाली मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की तैयारियों से समय निकालकर शुक्रवार रात लंदन में होप फाउंडेशन के चंदा इक्ट्ठा करने के कार्यक्रम में शामिल हुईं।

कार्यक्रम के टिकटों की बिक्री और नीलामी तथा कई तरह के दान के जरिए संस्था के लिए 20,000 पाउंड से अधिक की धनराशि एकत्रित हुई।

पूर्वी इंग्लैंड के लिंकोलनशर में फिलहाल जूनियर डॉक्टर के तौर पर काम कर रहीं 23 वर्षीय भाषा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि भाग्य लोगों का साथ ले आता है। मैं कोलकाता से हूं। लिहाजा होप फाउंडेशन मेरे लिए बेहद खास है।

इराक के नजफ में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मारे गए व्यक्ति के अंतिम संस्कार के पूर्व प्रार्थना करते लोग

शमी और जडेजा के झटके से टूटी दक्षिण अफ्रीकी टीम

तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना

पहला टेस्ट भारत ने जीता, दक्षिण अफ्रीका को 203 रनों हराया

एजेंसी। विशाखापत्तनम

मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा द्वारा झटके गए नौ विकेट की बदौलत भारत ने पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 203 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत के 395 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम शमी (35 रन पर पांच विकेट) और जडेजा (87 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 63.5 ओवर में 191 रन पर ढेर हो गई। रविचंद्रन अश्विन ने भी 44 रन देकर एक विकेट चटकाया। शमी ने करियर में पांचवीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। दक्षिण अफ्रीका की हार का अंतर और बड़ा होता लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सेनुरान मुथुस्वामी (108 गेंद में नाबाद 49) और 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे डेन पीट (107 गेंद में 56 रन) ने नौवें विकेट के लिए 91 रन की रिकार्ड साझेदारी करके भारत के जीत के इंतजार को बढ़ाया। मुथुस्वामी और पीट की इस साझेदारी से पहले भारत में दक्षिण अफ्रीका की ओर से नौवें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकार्ड फेनी डिविलियर्स और एलेन डोनाल्ड के नाम दर्ज था जिन्होंने 60 रन जोड़े थे। साथ ही पीट द्वारा बटोरे रन भारत में चौथी पारी में आठवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए किसी खिलाड़ी का सर्वाधिक स्कोर भी है। इससे पहले का रिकार्ड न्यूजीलैंड के नाथन एस्टल के नाम था जिन्होंने अक्टूबर 2003 में अहमदाबाद में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 51 रन बनाए थे। भारत को इस जीत से 40 अंक मिले और उसने तीन मैचों में तीन जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के शीर्ष पर कुल 160 अंक के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दक्षिण अफ्रीका का चैंपियनशिप का यह पहला मैच था। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 11 रन से की जल्द ही उसने 70 रन तक आठ विकेट गंवा दिए लेकिन पीट और मुथुस्वामी ने इसके बाद भारत के इंतजार को बढ़ाया। सुबह के सत्र में 15 मिनट का इजाफा भी किया गया जिससे कि भारत जीत की औपचारिकता पूरी कर सके लेकिन पीट और मुथुस्वामी ने मेजबान टीम को निराश किया। पहले चार दिन बल्लेबाजों को पिच के कारण अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन पांचवें दिन गेंदबाज हावी रहे। स्पिनर गेंद को तेजी से टर्न कराने में सफल रहे जबकि तेज गेंदबाजों को असमान उछाल से फायदा मिला। अश्विन ने दिन के दूसरे ओवर में ही थ्यूनिस डि ब्रून (10) को बोल्ड करके सबसे तेज 350 टेस्ट विकेट के श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के रिकार्ड की बराबरी की। इन दोनों ही स्पिनरों ने अपने 66वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। शमी ने इसके बाद तेंबा बावुमा (00), दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस (13) और पहली पारी में शतक जड़ने वाले क्विंटन डिकाक (00) को बोल्ड करके दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। बावुमा कम उछाल के साथ तेजी से अंदर आती गेंद को क्रीज में पीछे होकर खेलने के प्रयास में चूक गए जबकि डुप्लेसिस ने अंदर आती गेंद पर शाट नहीं खेलने का फैसला किया और अपना आफ स्टंप गंवा बैठे। शमी ने इसके बाद इनस्विंगर पर डिकाक को बोल्ड करके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर पांच विकेट पर 60 रन किया। जडेजा ने पारी के 27वें ओवर में सलामी बल्लेबाज ऐडन मार्कराम (39), वर्नन फिलेंडर (00) और केशव महाराज (00) को पवेलियन भेजा। मार्कराम ने जडेजा को उन्हीं की गेंद पर वापस कैच थमाया जबकि फिलेंडर और महाराज को बाएं हाथ के इस स्पिनर ने लगातार गेंदों पर पगबाधा किया। पीट और मुथुस्वामी ने हालांकि इसके बाद लंच तक भारतीय गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। पीट ने जडेजा पर डीप मिडविकेट के ऊपर से मैच का 36वां छक्का मारा जिससे टेस्ट मैच में सर्वाधिक छक्कों का नया रिकार्ड बना। मैच में कुल 37 छक्के लगे। लंच के बाद भी भारत को सफलता के लिए 18वें ओवर तक इंतजार करना पड़ा जब पीट शमी की गेंद को विकेटों पर खेलकर पवेलियन लौटे। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का मारा। पीट ने आउट होने से पहले कामचलाऊ स्पिनर रोहित शर्मा की गेंद पर दो रन के साथ 86 गेंद में करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया। शमी ने इसके बाद कागिसो रबादा (18) को विकेटकीपर रिद्धिमान साहा के हाथों कैच कराके भारत को जीत दिलाई।

शमी - 5 विकेट

जडेजा - 4 विकेट

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी: सात विकेट पर 502 रन पर घोषित, दक्षिण अफ्रीका पहली पारी: 431,**भारत दूसरी पारी:** चार विकेट पर 323 रन पर घोषित,**दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी:** ऐडन मार्कराम का एवं बो जडेजा 39,डीन एल्गर पगबाधा बो जडेजा 02, थ्यूनिस डि ब्रून बो अश्विन 10,तेंबा बावुमा बो शमी 00,फाफ डुप्लेसिस बो शमी 13,क्विंटन डिकाक बो शमी 00,सेनुरान मुथुस्वामी नाबाद 49,वर्नन फिलेंडर पगबाधा बो जडेजा 00, केशव महाराज पगबाधा बो जडेजा 00,डेन पीट बो शमी 56 कागिसो रबादा का साहा बो शमी 18,**अतिरिक्त:** 04,**कुल:** 63.5 ओवर में सभी विकेट खोकर: 191 रन,**विकेट पतन:** I-4, 2-19, 3-20, 4-52, 5-60, 6-70, 7-70, 8-70, 9-161,**गेंदबाजी:** अश्विन 20-5-44-I। जडेजा 25-6-87-4 शमी 10.5-2-35-5 इशांत 7-2-18-0 रोहित I-0-3-0

संधू दूसरे, राशिद पांचवें और मदप्पा नौंवे स्थान पर रहे

तामसुई (चीनी ताइपे)। भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू ने रविवार को यहां मरक्यूरिस ताईवान मास्टर्स के अंतिम दौर में अंत में डबल बोगी जिससे उन्हें संयुक्त दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। संधू और फिलीपीस के मिगुएल ताबुएना ने 72 का कार्ड खेला जिससे दोनों संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। थाईलैंड के सूरादित योंगचारोनचाई ने अंतिम दौर में 70 का कार्ड खेलकर अपनी करियर की सबसे बड़ी इनामी राशि हासिल की। अन्य भारतीयों में राशिद खान 67 का कार्ड खेलकर संयुक्त पांचवें जबकि विराज मदप्पा 65 के कार्ड से संयुक्त नौवें स्थान पर रहे। इससे तीन भारतीय शीर्ष 10 में शामिल रहे। खालिन जोशी संयुक्त 19वें, एस चिक्कारंगप्पा संयुक्त 37वें और चिराग कुमार संयुक्त 40वें स्थान पर रहे।

वोल्फ ने जीता हीरो महिला इंडियन ओपन, अनिका सर्वश्रेष्ठ भारतीय

गुरूग्राम। भारत की शीर्ष अमेच्योर गोल्फर अनिका वर्मा रविवार को यहां हीरो महिला इंडियन ओपन के अंतिम दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलकर पांचवें स्थान पर रही। अनिका ने कुल तीन अंडर पार 285 का स्कोर बनाया। 15 साल की अनिका देश की सर्वश्रेष्ठ पेशेवर गोल्फर त्वेसा मलिक से एक शाट आगे रही जिन्होंने एक अंडर 287 के कुल स्कोर से संयुक्त छठा स्थान हासिल किया। आस्ट्रिया की क्रिस्टीन वोल्फ ने अंतिम दौर में एक भी बोगी नही की और 69 का कार्ड खेलकर पहला लेडीज यूरोपीयन टूर खिताब हासिल किया। उनका कुल स्कोर 11 अंडर 277 रहा।

तेज गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन : कोहली

स्पिन मुफीद पिच पर उम्दा गेंदबाजी

एजेंसी। विशाखापत्तनम

कप्तान विराट कोहली ने रविवार को यहां भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की प्रशंसा की जिन्होंने स्पिनरों के मुफीद धीमे विकेट पर भी शानदार प्रदर्शन दिखाया। मोहम्मद शमी ने खतरनाक तेज गेंदबाजी स्पैल की बदौलत पांच विकेट अपने नाम किए जिससे भारत ने रविवार को यहां शुरूआती टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 191 रन पर समेटकर 203 रन से जीत हासिल की। भारत ने इस तरह तीन मैचों की श्रृंखला में I-0 की बढ़त ले ली। यह पूछने पर कि भारतीय तेज गेंदबाज अब भारत की टेस्ट जीत में ज्यादा अहम भूमिका निभा रहे हैं तो कोहली ने कहा, यह सिर्फ जज्बे की बात है। अगर तेज गेंदबाज सोचेंगे कि स्पिनरों को ही सारा काम करना होगा तो इससे टीम में उनके स्थान के साथ न्याय नहीं होगा। कोहली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, वे छोटे स्पैल के लिए कहते हैं ताकि वे अपना शत प्रतिशत दे सकें। तभी आप देख रहे हो कि शमी, इशांत, जसप्रीत और उमेश अच्छा कर रहे हैं। यह सिर्फ जज्बा है कि आप कितनी भी मुश्किल परिस्थितियों में टीम के लिए अच्छा खेलना चाहते हो। पहली पारी में तेज गेंदबाजों में सिर्फ इशांत शर्मा ने ही एक विकेट झटका था। लेकिन शमी ने दूसरी पारी में विपक्षी टीम को हिला दिया और 35 रन देकर पांच विकेट चटकाकर कप्तान की प्रशंसा का पात्र बने। कोहली ने कहा, शमी दूसरी पारी में मुख्य गेंदबाज रहे। सभी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के हिसाब से खरे उतरे। रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। अश्विन ने पहली पारी में सात विकेट झटके जबकि जडेजा ने कुल छह (दो और चार) विकेट हासिल किए। कोहली ने रोहित शर्मा की प्रशंसा के पुल बांधे जिन्होंने टेस्ट सलामी बल्लेबाज के तौर पर पदार्पण मैच में दोनों पारियों में शतक जड़े। उन्होंने मयंक अग्रवाल भी तारीफ की जिन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक जमाया। कोहली ने कहा, मयंक और रोहित ने शानदार खेल दिखाया। पुजारा ने भी दूसरी पारी में अच्छा किया। मौसम के कारण और धीमी होती पिच पर उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भी अपनी टीम के प्रयास की प्रशंसा की और साथ ही स्वीकार किया कि शमी की दूसरी पारी में गेंदबाजी ने बड़ा अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, हमने कड़ी चुनौती दी लेकिन दूसरी पारी मुश्किल थी। इस तरह के मैच के बाद आप हमेशा बैठकर सोच सकते हो कि आप क्या कर सकते थे। पांचवें दिन की पिच पर चीजें तेजी से होती हैं लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट की प्रकृति ही है।

हमें पुणे में और अधिक आत्मविश्वास से जाना होगाः डुप्लेसिस

विशाखापत्तनम। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसिस को लगता है कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली करारी हार के बावजूद टीम के पहली पारी के प्रदर्शन से उन्हें फिर से आत्मविश्वास हासिल करने मे मदद मिलेगी। चार साल पहले भारत से करारी हार झेलने के बाद कईयो ने दक्षिण अफ्रीका से चुनौती पेश करने की उम्मीद नही की थी। हालांकि उन्होने काफी बेहतर जज्बा दिखाने के बाद भारत के पहली पारी के 502 रन के जवाब मे 431 रन बनाए। अंतिम दिन उनकी बल्लेबाजी ने उन्हे निराश किया जिसमे मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा ने हालात का पूरा फायदा उठाते हुए भारत को 203 रन से जीत दिलाई। डुप्लेसिस ने कहा, हां, पहली पारी मे हमने जिस तरीके से बल्लेबाजी की, उस पर काफी गर्व है। काफी नए खिलाड़ी हमारी टीम मे हैं। हमारे पास एक और मौका था लेकिन हम फायदा नही उठा सके। हमने सचमुच अच्छा खेल दिखाया। सीनियर खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी दिखाई, क्विनी (क्विंटन डि कॉक) और डीन (एल्गर) ने शानदार शतक जड़े और उप महाद्वीप मे 400 रन बनाना कभी भी इतना आसान नही होता। दूसरी पारी मे 400 रन बनाने के बारे मे, हमें लगा कि हम मैच मे थे। हमे दूसरी पारी मे कुछ बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नही हो सका।

अश्विन ने मुरलीधरन के रिकार्ड की बराबरी

सबसे तेज 350 टेस्ट विकेट लिया

विशाखापत्तनम। भारत के शीर्ष आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रविवार को अपने 66वे टेस्ट मे सबसे तेज 350 विकेट हासिल करने के श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के रिकार्ड की बराबरी की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी मे 27वी बार पारी मे पांच या इससे अधिक विकेट चटकाने वाले अश्विन ने पांचवे दिन थ्यूनिस डि ब्रून को बोल्ड करके यह उपलब्धि हासिल की। अश्विन ने बीसीसीआई.टीवी से कहा, बेशक, लंबे समय तक खेलने से ऐसी चीजे होती है, हम इस तरह की चीजो को लेकर कोई योजना नही बनाते। मै अपने करियर मे जहां पहुंचा, इन सारे रिकार्ड के संदर्भ मे मै भाग्यशाली हूं। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि मै प्रक्रिया और मूल चीजो पर बरकरार रहूं और चीजो को अधिक से अधिक सरल रखूं। सुबह के सत्र मे अश्विन ने अपनी पांचवी गेंद पर ही भारत को पहली सफलता दिलाई। दक्षिण अफ्रीका की टीम 395 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। अपनी तैयारी के संदर्भ मे अश्विन ने कहा, मै जितनी बेहतर संभव हो उतनी बेहतर तैयारी करना चाहता था, मैच से पहले पूरी तरह तैयार होना चाहता था, मैच के लिए जाते हुए सर्वश्रेष्ठ मानसिक और शारीरिक स्थिति मे होने का प्रयास कर रहा था। इस आफ स्पिनर ने कहा, ए सारी चीजे मेरे दिमाग मे चलती रहती है और मै मैच से पहले जितना अधिक संभव हो उतना बेहतर तैयार होना चाहता हूं। दिसंबर 2018 के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे अश्विन अगस्त-सितंबर मे वेस्टइंडीज मे दो टेस्ट की श्रृंखला मे नही खेले थे और इस दौरान बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा को टीम मे प्राथमिकता दी गई थी। मौजूदा श्रृंखला के पहले टेस्ट से पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हालांकि कहा था कि घरेलू हालात मे अश्विन भारतीय टीम की पसंद बने हुए है।

मेरा काम खास तरीके से खेलना और मैं ऐसा करने का प्रयास करता रहूंगाः रोहित

एजेंसी। विशाखापत्तनम

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने रविवार को कहा कि उसका काम खास तरीके से खेलना है जैसे कि टीम उनसे उम्मीद करती है। सलामी बल्लेबाज के रूप में अपने पहले ही टेस्ट में 32 साल के रोहित ने दोनों पारियों में शतक जड़ते हुए 176 और 127 रन बनाए जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 203 रन से जीत दर्ज की। मुंबई के इस बल्लेबाज ने मैन आफ द मैच पुरस्कार हासिल करने के बाद कहा, यहां मेरा काम खास तरीके से खेलना है, वे मेरे से यही उम्मीद करते हैं। और मैं ऐसा करने का प्रयास करता रहूंगा। सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत के उप कप्तान रोहित ने कहा कि लंबे प्रारूप में पारी का आगाज उनके लिए हैरानी भरी चीज नहीं थी क्योंकि कुछ साल पहले ही उन्हें बता दिया गया था कि उन्हें ऐसा मौका मिल सकता है। रोहित ने कहा, कुछ साल पहले ही मुझे बता दिया गया था कि एक दिन मैं शायद पारी का आगाज कर सकता हूं। यहां तक कि नेट्स पर भी मैं नई गेंद से अभ्यास करता था। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह हैरानी भरा था। उन्होंने कहा, शीर्ष पर यह मेरे लिए शानदार मौका था। इस मौके के लिए आभारी हूं, यह ध्यान में रखते हुए कि मैंने पहले ऐसा कभी नहीं किया था। रोहित ने आक्रामक और रक्षात्मक खेल का शानदार मिश्रण किया। उन्होंने मैच में विश्व रिकार्ड 13 छक्के मारे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दूसरी पारी में 10 चौकों और सात छक्कों की मदद से 149 गेंद में शतक पूरा किया। रोहित ने कहा, दूसरी पारी में मुझे कुछ शाट खेलने का प्रयास करना पड़ा। यह काम कर गया लेकिन शायद यह काम नहीं भी करता। गेंदबाज आजकल काफी चालाक हो गए हैं लेकिन मैंने अपने ऊपर भरोसा किया और किस्मत भी बहादुरों का साथ देती है। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान कई रिकार्ड बनाए। वह सलामी बल्लेबाज के रूप में अपने पहले ही टेस्ट में दो शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। इन रिकार्ड के बारे में पूछने पर रोहित ने कहा, इस टेस्ट में काफी चीजें हुईं जिनके बारे में रिकार्ड के संदर्भ में मुझे जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा पूरा ध्यान लुत्फ उठाने और टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचाने पर था। क्रीज पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहता था। ध्यान टेस्ट मैच जीतने पर था और मुझे लगता है कि आज हमने लगभग सभी चीजें सही की। दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाने वाले मोहम्मद शमी की सराहना करते हुए रोहित ने कहा कि तेज गेंदबाजों को लगातार स्टंप को निशाना बनाने का फायदा मिला। बल्लेबाजी करना हमेशा मुश्किल होता है क्योंकि विकेट धीमा था और गेंद नीचे रह रही थी। हमने योजना बनाई कि दोनों तेज गेंदबाज स्टंप को निशाना बनाएंगे। पिछले चार-पांच साल से हम एक दूसरे का अच्छा समर्थन कर रहे हैं। दूसरी पारी में असमान उछाल और रिवर्स स्विंग से हमें मदद मिली। यह दिख रहा था कि स्टंप के करीब गेंद पर बल्लेबाज असहज थे और आप नतीजा देख सकते हैं।

शमी ने रिवर्स स्विंग की कला में महारत हासिल कर ली है

विशाखापत्तनम। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को लगता है कि मोहम्मद शमी का रिवर्स स्विंग कला मे महारत हासिल करना भारत के लिए धीमी पिचो पर बड़ा फायदेमंद साबित हो रहा है। शमी ने टेस्ट मैच मे पांचवी बार पांच विकेट हासिल किए जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 203 रन से आसानी से मात दी। रोहित ने पारी का आगाज करते हुए पदार्पण टेस्ट मे दोनो पारियो मे शतक जड़े। उन्होने कहा, हमने उसे इस तरह की परिस्थितियों मे आज ही गेंदबाजी करते हुए नही देखा, बल्कि पहले भी देखा है। मुझे अब भी याद है जब कोलकाता मे 2013 मे हमने एक साथ पदार्पण किया था तो पिच हालांकि बिलकुल इस जैसी नही थी लेकिन चौथे और पांचवे दिन, पिच थोड़ी धीमी हो गई थी। इन पिचो मे कैसे गेंदबाजी की जाए। जब वह जान जाता है कि कुछ मदद मिलेगी तो वह रिवर्स स्विंग हासिल कर लेता है। रोहित को लगता है कि रिवर्स स्विंग को डालना इतना आसान नही होता। उन्होने कहा, जब गेंद रिवर्स हो रही होती है तो तब गेंदबाजी करना आसान नही होता। आपको सही क्षेत्र मे गेंद डालनी होती है, सुनिश्चित करना होता है कि गेंद आफ-स्टंप की ओर ही हो और यह मिडिल-स्टंप पर हिट करे। उसने अब इस कला मे महारत हासिल कर ली है, वह पुरानी गेंद से भी रिवर्स स्विंग हासिल कर लेता है।

ओसाका को चीन ओपन खिताब

बार्टी को हराया

एजेंसी। बीजिंग

नाओमी ओसाका ने रविवार को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एशले बार्टी को शिकस्त देकर चीन ओपन खिताब अपने नाम किया। जापान की दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ओसाका ने 110 मिनट में बार्टी को 3-6 6-3 6-2 से पराजित किया।

यह ओसाका की लगातार दूसरी खिताबी जीत है, उन्होंने पिछले महीने अपने घरेलू पैन पैसिफिक ओपन में भी ट्राफी जीती थी। यह 2019 में ओसाका के लिए तीसरा और संक्षिप्त कैरियर में पांचवां खिताब है।

जोकोविच ने जापान ओपन का खिताब जीता

तोक्यो। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच कंधे की चोट से जुड़ी सभी चिंताओं को दूर करते हुए रविवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट का

जापान ओपन टेनिस

खिताब जीता। कंधे की चोट के कारण अमेरिकी ओपन से हटने सर्बिया के जोकोविच ने फाइनल में आस्ट्रेलिया के क्वालीफायर जान मिलमैन को 6-3, 6-2 से हराया। पहली बार जापान में किसी टूर्नामेंट में खेल रहे जोकोविच ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। बाएं कंधे में चोट के कारण अमेरिकी ओपन से हटने के बाद जोकोविच पहली बार किसी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे थे।

भारत टेस्ट श्रृंखला से पहले एनसीएल में खेलेंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रीय चयनकर्ता और पूर्व कप्तान हबीबुल बशर ने कहा कि देश के शीर्ष क्रिकेटरों को भारत के टेस्ट दौरे के लिए चयन की दौड़ में बरकरार रहने के मद्देनजर राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के पहले दो दौर में खेलना होगा। हालांकि शाकिब अल हसन और लिटन कुमार दास इस समय कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं जिन्हें छूट दी जाएगी। ए टीम में खेल रहे और अन्य बांग्लादेशी क्रिकेटरों को भारत दौरे के लिए चुने जाने के लिए एनसीएल में खेलना होगा। यह भी पता चला है कि भारत दौरे से पहले नव नियुक्त गेंदबाजी सलाहकार डेनियल विटोरी 25 अक्टूबर को शिविर से जुड़ेंगे। भारत दौरा तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से शुरू होगा जिसके बाद दो टेस्ट मैच इंदौर (14 से 18 नवंबर) और कोलकाता (22 से 26 नवंबर) में खेले जाएंगे। एनसीएल में खेलने संबंधित फैसला अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में मिली हार के बाद किया गया है।

तमिलनाडु ने लगातार छठी जीत हासिल की

हजारे ट्राफी : त्रिपुरा को हराया

एजेंसी। जयपुर

तमिलनाडु ने अभिनव मुकुंद (84) और बाबा अपराजित (87) के शानदार अर्धशतकों से रविवार को यहां विजय हजारे ट्राफी क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में त्रिपुरा को 187 रन से हराकर लगातार छठी जीत हासिल की। तमिलनाडु ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 315 रन बनाने के बाद त्रिपुरा को 34.3 ओवर में 128 रन पर समेट दिया जिसमें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने तीन विकेट हासिल किए जिससे टीम ने चार अंक अपने नाम किए। मुकुंद और अपराजित ने दूसरे विकेट के लिए 128 रन की भागीदारी निभाई। एक अन्य मैच में सेना ने राहुल सिंह गहलौत के नाबाद 124 रन की मदद से जम्मू कश्मीर पर सात विकेट से जीत हासिल कर चार अंक अपने खाते में जोड़े। राजस्थान और रेलवे के बीच मैच टाई रहा जिससे दोनों को दो दो अंक मिले। राजस्थान की टीम 47.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में रेलवे की टीम 50 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 206 रन ही बना सकी।

संदीप के सात विकेट, पंजाब ने हरियाणा को हराया

वड़ोदरा। तेज गेंदबाज संदीप शर्मा के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पंजाब ने रविवार को यहां विजय हजारे ट्राफी राष्ट्रीय एक दिवसीय टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप बी मैच में हरियाणा को तीन विकेट से शिकस्त दी। संदीप ने 19 रन देकर सात और सिद्धार्थ कौल ने तीन विकेट झटके जिससे हरियाणा की टीम 16 ओवर में महज 49 रन पर सिमट गई। पंजाब ने हालांकि लगातार अंतराल पर विकेट गंवा दिए जिसमें अजीत चहल (32 रन देकर चार विकेट) ने शुरूआती विकेट प्राप्त किए। लेकिन लक्ष्य छोटा था जिससे पंजाब की टीम 15.1 ओवर में सात विकेट पर 50 रन बनाकर जीत हासिल करने में सफल रही।

शादरिना से हारकर सरिता बाहर

●विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

एजेंसी। उलान-उदे (रूस)

पूर्व चैंपियन एल सरिता देवी रविवार को यहां राउंड आफ 32 में रूस की नतालिया शादरिना के खिलाफ हार के साथ विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप से बाहर हो गईं। पहले दौर में बाई हासिल करने वाली चौथी वरीय सरिता अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहीं और उन्हें 0-5 से हार झेलनी पड़ी।

भारत को एक और निराशा दिन की अंतिम बाउट में देखनी पड़ी जिसमें पदार्पण कर रही नंदिनी (81 किग्रा) जर्मनी की इरिना निकोलेटा शोनबर्गर के सामने नहीं टिक सकीं और उन्हें 0-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। नई दिल्ली विश्व महिला चैंपियनशिप 2006 की स्वर्ण पदक विजेता सरिता एक दशक से भी अधिक समय में इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपने पहले पदक के लिए चुनौती पेश कर रहीं थी। कई बार की एशियाई चैंपियन मणिपुर की यह मुक्केबाज पहले तीन मिनट में पूरी तरह नियंत्रण में दिखी और उन्होंने अपनी विरोधी पर अधिक मुक्के बरसाए। शादरिना हालांकि अगले दो दौर में वापसी करने में सफल रही और उन्होंने सरिता को बाहर का रास्ता दिखाया। सरिता साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के पहले एथलीट आयोग की सदस्य बनने की दौड़ में भी शामिल हैं जिसे मौजूदा प्रतियोगिता के दौरान औपचारिक रूप दिया जाएगा। नंदिनी शुरू से ही जूझती दिखी और तकनीकी रूप से बेहतरीन निकोलेटा जैसी चुस्ती नहीं दिखा सकीं। दूसरे दौर में इस भारतीय मुक्केबाज को प्रतिद्वंद्वी को सिर के पीछे हिट करने के लिए चेतावनी भी मिली। उन्हें मुकाबले के दौरान चेहरे पर कट भी लग गया। स्वीटी बूरा (75 किग्रा) और जमुना बोरो (54 किग्रा) अपने अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुकी हैं।

प्रागनानंदा और आर्यन के अंडर 18 में संयुक्त बढ़त

विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप

एजेंसी। मुंबई

भारत के आर प्रागनानंदा ने रविवार को यहां विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप के कड़े मुकाबले को ड्रा कराया जबकि दिव्या देशमुख ने शानदार जीत दर्ज की।

जीएम प्रागनानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए अंडर-18 ओपन में ईरान के आईएम आर्यन घालोमी से 39 चाल के बाद अंक बांटे। इससे प्रागनांनदा छठे दौर के बाद पांच अंक लेकर आर्यन के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

देश के अन्य जीएम में पी इनियान को 50 चाल के बाद जर्मनी के वालेनटिन बकल्स से ड्रा से संतोष करना पड़ा। दिव्या ने अंडर 14 बालिका वर्ग में कजाखस्तान की लिया कुरमांगलिएवा को मात दी जिससे उनके 4.5 हो गए।

हसमुद्दीन, सिवाच और आशीष प्री अंतिम-8 में पहुंचे

●राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

एजेंसी। बद्दी (हिमाचल प्रदेश)

छह अक्टूबर (भाषा) मोहम्मद हसमुद्दीन (57 किग्रा), सचिन सिवाच (57 किग्रा) और आशीष कुमार (75 किग्रा) सहित शीर्ष मुक्केबाजों ने रविवार को यहां चौथी एलीट राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में आसान जीत से प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

सेना का प्रतिनिधित्व कर रहे राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदकधारी हसमुद्दीन ने महाराष्ट्र के शशिकांत यादव को 5-0 से मात दी। विश्व युवा चैम्पियन (2016) सिवाच ने मुकाबले में शुरू से दबदबा बनाया और ताकतवर मुक्कों की बदौलत गोवा के प्रहलाद पांडा को आरएससी से चित्त किया। रेलवे के सिवाच के प्रदर्शन को देखकर रैफरी ने तीसरे दौर में बाउट रोक दी और उन्हें विजेता घोषित किया। मिडिलवेट वर्ग में 2019 एशियाई चैम्पियनिशप के रजत पदकधारी आशीष कुमार ने तेलंगाना के ज्ञानेश्वर कुर्मा पर जमकर मुक्के बरसा दिए जिससे दूसरे ही दौर में बाउट रोकनी पड़ी। वेल्टरवेट में हिमाचल प्रदेश के अयान परिहार ने दिल्ली के अभिलाष को मात दी। ओलंपियन डिंको सिंह, राजेंद्र प्रसाद, वी देवराजन, जितेंद्र और एल लकड़ा 300 से ज्यादा मुक्केबाजों के प्रदर्शन को देखने के लिए मौजूद थे। प्रतियोगिता के फाइनल 10 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

भारतीय महिला जिमनास्टों ने विश्व चैंपियनशिप में किया निराश

एजेंसी। स्टुटगार्ट (जर्मनी)

भारतीय महिला जिम्नास्टों का प्रदर्शन यहां विश्व कलात्मक जिमनास्टिक चैम्पियनशिप में निराशाजनक रहा क्योंकि इनमें से कोई भी व्यक्तिगत स्पर्धाओं के फाइनल्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाईं। महिलाओं के आल-राउंड क्वालीफिकेशन में प्रणति नायक 45.832 अंक और प्रणति दास 45.248 अंक से क्रमश: 127वें और 132वें स्थान पर रहीं। वॉल्ट स्पर्धा में प्रणति नायक ने अपने पहले प्रयास में 14.200 अंक जुटाए लेकिन दूसरे प्रयास में न्यूट्रल डिडक्शन के कारण वह फाइनल्स से बाहर हो गईं। वह वॉल्ट क्वालीफिकेशन में 27वें स्थान पर रहीं। वहीं अनइवन बार्स क्वालीफिकेशन में प्रणति नायक 10.566 अंक से, प्रणति दास 9.916 अंक से और अरूणा रेड्डी 8.925 अंक से क्रमश: 164वें, 182वें और 193वें स्थान पर रहीं। बैलेंस बीम क्वालीफिकेशन में भी हाल ऐसा ही रहा, जिसमें प्रणति दास (10.866), अरूणा रेड्डी (10.200) और प्रणति नायक (9.933) क्रमश: 138वें, 164वें और 174वें स्थान पर रहीं। फ्लोर एक्सरसाइज क्वालीफिकेशन में प्रणति दास (11.466) और प्रणति नायक (11.133) क्रमश: 151वें और 179वें स्थान पर रहीं जबकि अरूणा रेड्डी फिनिश नहीं कर सकीं।

भारत का अभियान मिश्रित सफलता के साथ समाप्त

● विश्व एथलेटिक्स : मैराथन में गोपी 21वें स्थान पर

एजेंसी। दोहा

एशियाई चैंपियन गोपी थोनाकल रविवार को यहां पुरुष मैराथन में 21वें स्थान पर रहे जबकि भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अभियान का अंत मिश्रित सफलता के साथ किया।

भारत की 27 सदस्ईय टीम से किसी पदक की उम्मीद नहीं थी लेकिन इस विश्व चैंपियनशिप में टीम ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले, पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज और महिला भाला फेंक के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही। लंबी कूद में 2003 में अंजू बाबी जार्ज का कांस्य पदक विश्व चैंपियनशिप में अब तक भारत का एकमात्र पदक है। फाइनल में जगह बनाने वाले स्टीपलचेज धावक अविनाश साब्ले और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीम ने तोक्यो ओलंपिक 2020 के लिए भी क्वालीफाई किया जबकि भाला फेंक में अनु रानी आठवें स्थान पर रही। अनु भाला फेंक के फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं जबकि अविनाश ने तीन दिन में दो बार अपना राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा। बीजिंग में 2015 विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में तीन भारतीयों ने जगह बनाई थी जबकि 2017 में लंदन में हुई विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में सिर्फ एक भारतीय पहुंचा था। गोपी ने दो घंटे 15 मिनट और 57 सेकेंड का समय लिया और स्पर्धा को पूरा करने वाले 55 धावकों में शीर्ष हाफ में जगह बनाई। इस स्पर्धा का आयोजन लगभग 29 डिग्री सेल्सियस तापमान और लगभग 50 प्रतिशत आर्द्रता में किया गया। मध्यरात्रि से ठीक पहले हुई मैराथन की शुरुआत 73 धावकों ने की थी लेकिन 18 खिलाड़ी इसे पूरा नहीं कर पाए। चीन में 2017 में दो घंटे 15 मिनट और 48 सेकेंड के समय के साथ एशियाई मैराथन जीतने वाले गोपी ने मार्च में सोल में दो घंटे 13 मिनट और 39 सेकेंड का अपना सत्र का और निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। गोपी हालांकि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे जिसका क्वालीफाइंग स्तर दो घंटे 11 मिनट और 30 सेकेंड था। इथोपिया के लेलिसा देसिसा (दो घंटे 10 मिनट और 40 सेकेंड) और मोसिनेट गेरेम्यू (दो घंटे 10 मिनट और 44 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर कब्जा जमाया जबकि कीनिया के एमोस किपरुतो ने दो घंटा 10 मिनट और 51 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। शनिवार को भारत की पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने निराश किया जबकि भाला फेंक में शिवपाल सिंह भी विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गए। जिस्ना मैथ्यू, एमआर पूवम्मा, वीके विस्मया और वेंकटेशन सुभा की भारतीय महिला टीम तीन मिनट 29 . 42 सेकेंड के समय के साथ हीट एक में छठे और पहले दौर की हीट में कुल 11वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में विफल रही। टीम ने हालांकि मई में जापान के योकोहामा में आईएएएफ विश्व रिले के दौरान तीन मिनट 31.93 सेकेंड के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार किया। बाद में अमोज जेकब, मोहम्मद अनस, के सुरेश जीवन और नोह निर्मल टाम की पुरुष टीम भी तीन मिनट 3.09 सेकेंड के समय के साथ दूसरी हीट में सातवें और 16 टीमों में कुल 13वें स्थान पर रहते हुए प्रतियोगिता से बाहर हो गई। इससे पहले शिवपाल सिंह भी क्वालीफिकेशन दौर में कुल 24वें स्थान पर रहते हुए भाला फेंक के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। चौबीस साल के शिवपाल ने 75.91 मीटर से शुरुआत की और फिर 78.97 मीटर का प्रयास किया। शिवपाल का तीसरा प्रयास फाउल रहा जिससे वह विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 86.23 मीटर है। क्वालीफाइंग में 84 मीटर की दूरी तय करने वाले या कम से कम 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई। गत चैम्पियन जर्मनी के योहानेस वेटर 89 . 35 मीटर के साथ क्वालीफाइंग में शीर्ष पर रहे।

सीओए की नोटिस पर टीएनसीए ने उठाई आपत्ति

●किसी राज्य इकाई के अनुपालन की जांच का अधिकार नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने प्रशासकों की समिति (सीओए) के कारण बताओ नोटिस पर कड़ी आपत्ति उठाई और करारा जवाब दिया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त संस्था के पास उसके अनुपालन की जांच का कोई अधिकार नहीं है। बीसीसीआई की आम सालाना बैठक 23 अक्टूबर को होनी है। सीओए ने तमिलनाडु, हरियाणा और महाराष्ट्र को नोटिस जारी किया और कहा कि उनके द्वारा संशोधित संविधान का अनुपालन नहीं करने से संभवत: उनकी भागीदारी पर रोक लगाई जा सकती है। सीओए नोटिस के जवाब में टीएनसीए ने लिखा, इस मामले में सीओए के पास इस कथित आरोप से किसी भी संघ को बीसीसीआई की 23 अक्टूबर 2019 को होने वाली आम सालाना बैठक में भाग लेने और मत देने से डिस्क्वालीफाई करने का कोई अधिकार नहीं है। पत्र में कहा गया, क्योंकि यह मामला अभी विचाराधीन है, सभी संघों को भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए और उनकी भागीदारी की वैधता का मुद्दा भी इस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए जाने अंतिम फैसले के आधार पर किया जाना चाहिए। टीएनसीए ने साथ ही सीओए को याद दिलाया कि उनका काम केवल स्थिति रिपोर्ट दायर करना है।

खिलाड़ी संघ चुनाव के लिए कीर्ति आजाद ने चुनाव घोषणा पत्र जारी किया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद अगर भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) के 11 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में खिलाड़ियों के प्रतिनिधि के चुनाव में जीत दर्ज करते हैं तो पेंशन, चिकित्सा बीमा और हाल में संन्यास लेने वाली प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को एकमुश्त अनुग्रह राशि जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहते हैं। बीसीसीआई की महत्वपूर्ण शीर्ष परिषद में आईसीए के खिलाड़ी प्रतिनिधि के चुनाव में आजाद को पूर्व भारतीय क्रिकेटरों अंशुमन गायकवाड़ और डोडा गणेश से टक्कर मिलेगी। इस पद के लिए चौथे उम्मीदवार सौराष्ट्र और भारत ए के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर राकेश ध्रुव हैं। दिल्ली के पूर्व कप्तान और 1983 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य आजाद को भरोसा है कि वह अतीत के कई प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के जीवन में अंतर पैदा कर पाएंगे जो गुमनामी और गरीबी में जी रहे हैं।

आजाद ने कहा, मैं, अशोक मल्होत्रा (आईसीसीए का नया अध्यक्ष बनना लगभग तय), सुरिंदर खन्ना (आईपीएल शीर्ष परिषद में खिलाड़ी प्रतिनिधि) एक समूह के रूप में एक साथ हैं। बीसीसीआई के चुनावों के लिए पहली बार आजाद ने 13 सूत्रीय चुनाव घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र के बिंदू इस प्रकार हैं: एक प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले भी प्रत्एक क्रिकेटर को पेंशन दी जाएगी (फिलहाल पात्रता सीमा 25 मैच)। क्रिकेटरों को दी जाने वाली मौजूदा पेंशन राशि में वृद्धि। प्रत्एक क्रिकेटर और उसके परिवार के आश्रितों सदस्य को ग्रुप मेडिकल इंश्योरेंग कवर। पांच साल पहले संन्यास लेने वाले सभी क्रिकेटरों को एकमुश्त अनुग्रह राशि (फिलहाल 2005 से पहले संन्यास लेने वालों को दी जाती है)। रणजी ट्राफी और जूनियर राष्ट्रीय (आयु वर्ग) खिलाड़ियों को होने वाले भुगतान से जुड़ी विषमताओं और विसंगतियों को हटाना। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के समान यात्रा बीमा शामिल है।

अभ्यास करती श्रीलंका की टीम

यूपी योद्धा ने पुणेरी पल्टन को हराया

●प्रो कबड्डी लीग

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

घरेलू टीम यूपी योद्धा ने हरफनमौला प्रदर्शन से रविवार को यहां प्रो कबड्डी लीग मैच में पुणेरी पल्टन को 43-39 से शिकस्त दी। कप्तान और मुख्य डिफेंडर नीतेश कुमार यूपी योद्धा के स्टार रहे जिन्होंने हाई फाइव (छह टैकल अंक) अंक जुटाए। हालांकि घरेलू टीम ने सत्र के सात प्ले आफ में जगह बना ली है लेकिन फिर भी उसने पुणेरी पल्टन के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ तक 29-15 की बढ़त बना ली थी।

पटना पाइरेट्स की जीत में चमके प्रदीप नरवाल

ग्रेटर नोएडा। तीन बार की चैम्पियन पटना पाइरेट्स ने प्रदीप नरवाल के 36 अंक की बदौलत रविवार को यहां प्रो कबड्डी लीग में सत्र के अंतिम मैच में बंगाल वारियर्स को 69-41 से हराया। प्रदीप के इस प्रदर्शन से उनके इस सत्र में 302 अंक हो गए हैं जिससे पटना ने एक मैच में सर्वाधिक अंक के अपने ही रिकार्ड की बराबरी की। मैच में कुल 110 अंक बने जो भी प्रो कबड्डी लीग का रिकार्ड है। इस मैच में दोनों टीमों के पास गंवाने के लिए कुछ नहीं था।

कुंगफू के जन्मदाता बोधिधर्म का जन्मदिन मनाया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय कुंगफू संघ के तत्वाधान में स्थानीय ड्रैगन एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट और उत्तर प्रदेश कुंग फू एसोसिएशन ने संजय गांधी पुरम लखनऊ में कुंग फू के जन्मदाता बोधिधर्म का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर अनेक कुंग फू के अभिभावकों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और बोधिधर्मा को पुष्प अर्पण किया । संस्थान के प्रदेश कुंग फू एसोसिएशन के सैकड़ों खिलाड़ियों ने इस अवसर पर श्रद्धा स्वरूप 10 किलो का एक केक काटकर के उनके जन्मदिन को मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर चंद्रसेन वर्मा मैनेजिंग डायरेक्टर मीडिया मैट्रिक्स उपस्थित रहे । युवा खिलाड़ियों ने बोधिधर्मा के द्वारा सिखाई गई आज से लगभग ढाई हजार वर्ष की कला लोहान का प्रदर्शन किया । इस मौके पर एक पिक्कर सेवंथ सेंस का प्रदर्शन किया । इस अवसर पर श्रीमती मंजू महासचिव भारतीय कुंगफू संघ ने बताया कि बोधिधर्मा के बारे में जानकारी दी। आयोजक ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि बोधिधर्मा ने भारत से चीन में जाकर के अध्यात्म बढ़ाने के लिए उन्होंने आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया और कालांतर में पूरे विश्व में फैल गई और आज पूरे विश्व में नाम से जानी जाती है। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार गौतम ने व्याख्यान करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यक्तित्व का उदाहरण हजारों वर्षों में एक बार ही प्राप्त होता है जहां पर लगातार 9 वर्षों तक भूखे प्यासे रहकर के अनवरत साधना करके अपनी आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाता है । इस अवसर पर मुख्यमंत्री के कटआउट वाली की एक सेल्फ ी प्वाइंट का भी उद्घाटन किया।

रेइना ने पेनल्टी बचाई, एसी मिलान ने जिनोआ को हराया

मिलान। गोलकीपर पेपे रेइना ने इंजरी टाइम में पेनल्टी बचाई जिससे एसी मिलान ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिरी ए फुटबाल टूर्नामेंट में यहां जिनोआ को 2-। से हराया। दोनों टीमों को आखिर में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। रेइना को मैच से पहले जियानलुइगी डोनारुमा के बीमार होने के कारण मैदान पर उतारा गया। स्पेन के इस गोलकीपर की शुरुआत खराब रही जब वह डेन लेसी स्कोन की दूसरी फ्री किक को समझ नहीं पाए और जिनोआ ने बढ़त बना ली। थियो हर्नांडेज ने 51वें मिनट में मिलान को बराबरी दिलाई जबकि छह मिनट बाद फ्रेंक केसी ने पेनल्टी पर गोल दागकर अपनी टीम को 2-। से आगे किया। रेइना ने इसके बाद इंजरी टाइम में पेनल्टी पर स्कोन के प्रयास को विफल करते हुए मिलान की जीत सुनिश्चित की। मिलान की टीम पहले छह मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज कर पाई है जो पिछले 81 साल में उसका सबसे खराब प्रदर्शन है।

Office of the Superintending Engineeer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency,
Project Circle No 02 Kanker, District North Basrtar Kanker

NIT No. 167/ TS 1587/CGRRDA/2019 Kanker, Date 04.10.2019

E-Procurement Tender Notice

The Superintending Engineer, Chhattisgarh Rural Road Development Agency, Project Circle No. 02 Kanker on behalf of Governor of Chhattisgarh invites the percentage rate bid in electronic tendering system for construction of 03 number of Words (Length-6.90 km) under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna of 2018-19 Batch-I (100-249) with estimated cost Rs. 376.35 Lacs in District Narayanpur (Including GST) including their maintenance for five year from the eligible contractors registered with unified registration system (e-registration), Date of release of invitation for Bids through e-procurement 09.10.2019 After 17:30 hours.

Availability of Bid Document and mode of submission : The bid document is available online and should be submitted online in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities. The bidder are required as submit (i) Online payment receipt / Challan submitted by bidder for form of tender and (ii) Online payment receipt / Challan / NEFT submitted by bidder for bid security (EMD) and (iii) scan copy in appropriate form of original affidavit regarding correctness of information furnished with bid document as per provision of clause 4.4B(a)(i) of ITB.

Last Date / Time for receipt of bid through e-procurement as per time schedule For further details please log on to **https://eproc.gov.in**. In future of any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

(Mukesh Santoshi)
Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Project Circle No. 02 Kanker Dist. Kanker

Samvad-22966/6
E mail ID : sejdp2@gmail.com

अरशान वकील कहते हैं कि विभिन्न एडटेक स्टार्ट अप्स ने मौजूदा योग्यता खामियां दूर करने के लिए आनलाईन कोर्स प्रस्तावित किए हैं ताकि इंजीनियरिंग छात्र नौकरी हेतु तैयार हों

दूर करें रोजगार की राह की बाधाएं

भारत हर साल बड़ी संख्या में इंजीनियर पैदा करता है लेकिन उनमें से अधिकांश नियुक्ति के लिए फिट नहीं होते हैं। यह नयी समस्या नहीं है। असलियत में, मैक्किंसे स्टडी ने दावा किया था कि देश में केवल एक चौथाई इंजीनियर रोजगार-योग्य हैं।

जेपी मॉर्गन द्वारा सहायता प्राप्त हालिया अध्ययन ने यह भी दिखाया कि पचास फीसदी से कम नियोक्ताओं को संप्रेषण, अंग्रेजी, वित्तीय साक्षरता, एवं समस्या समाधान जैसी योग्यताएं मिलती हैं जिनकी उन्हें तलाश होती है। दुर्भाग्यवश, इस समस्या का समाधान करने के लिए कोई विशेष प्रगति नहीं हुई है।

हाल तक, हमने विभिन्न जानकारियां हासिल की हैं जो भारतीय इंजीनियरिंग कालेजों से स्नातक कर रहे छात्रों की रोजगार योग्य गुण में गिरावट का इशारा करती हैं। हाल में रोजगारयोग्यता आंकलनकारी संस्था एस्पायरिंग माइंड्स द्वारा किए गए एक सर्वे ने बताया कि अस्सी फीसदी इंजीनियरिंग स्नातक नॉलेज इकानमी में किसी भी नौकरी के लिए रोजगार योग्य नहीं हैं।

हालांकि आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रमुख इंजीनियरिंग कालेजों के स्नातकों की मांग अधिक है, मगर इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों का प्रतिशत बहुत मामूली है। शेष या तो नौकरी पाने में विफल रहते हैं या रोजगार योग्यता की अपनी कमी के कारण कम वेतन वाली नौकरियां करते हैं। अब, लाजिम प्रश्न यह है कि वे कौन सी प्रमुख चुनौतियां हैं जिनका इंजीनियरिंग के छात्र नौकरियां पाने के दौरान सामना करते हैं?

अधिकांश उम्मीदवारों को लगता है कि इंटरव्यू प्रक्रिया उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि उनमें 95 फीसदी से अधिक ने अपनी रोजगार योग्यता बढ़ाने के लिए किसी न किसी प्रकार के प्रशिक्षण में भाग लिया होता है, मगर यह अधिकांशतया कालेज प्रदत्त प्रशिक्षण होते हैं। छात्रों के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि नियोक्ता ऐसे उम्मीदवार तलाशते हैं जिनके पास अपनी अकादमिक योग्यता के अलावा भी कुछ प्रस्तावित करने के लिए होता है। आज के निरंतर उभरते रोजगार परिदृश्य में केवल विविधतापूर्ण योग्यताओं वाले लोग ही इंडस्ट्री-योग्य माने जाते हैं।

यह उचित समझ तथा अच्छी संप्रेषण योग्यताओं के बिना नौकरी का अवसर प्राप्त करना लगभग असंभव है। कंपनियां ऐसे लोग चाहती हैं जो न केवल तकनीकी रूप से सक्षम हों बल्कि वे स्वयं बेहतर समझने तथा विचार या योजना को आम श्रोताओं को स्पष्ट ढंग से समझाने में भी सक्षम हों। बीते सड़सठ सालों की अवधि में, भारत ने आनलाइन कोर्स, वीडियो ट्यूटोरियल्स, व्यवहारिक समझदारी प्रशिक्षण प्रस्तावित करने वाले तथा मांग के अनुसार सजीव व्याख्यान देने वाले अनगिनत एडटेक स्टार्ट-अप्स का उभार देखा है। इन कंपनियों का उद्देश्य वर्तमान योग्यता कमी को दूर करना है।

> एडटेक मंच भारत में शिक्षा क्षेत्र को नयी छवि प्रदान कर रहे हैं

तकनीक की बढ़ती स्वीकार्यता से, देश के सभी हिस्सों के इंजीनियरिंग छात्र कक्षा से बाहर का अतिरिक्त ज्ञान पाने तथा नयी योग्यताओं में महारत हासिल करने के लिए आज इंटरनेट आधारित शिक्षण मंचों की ओर मुड़ रहे हैं।

शिक्षण पोर्टल्स के आगमन ने हजारों बेरोजगार छात्रों को न केवल अपनी संज्ञानात्मक व विश्लेषणात्मक योग्यताएं निखारने , बल्कि संप्रेषण योग्यताओं में भी सक्षम बनाया है जो वर्तमान में आईटी इंडस्ट्री में नौकरी हासिल करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। भारत के कुल इंजीनियरिंग स्नातकों का एक मामूली हिस्सा ही अंग्रेजी में दक्ष है और यह अक्सर उनके लिए इंटरव्यू के दौरान सबसे बड़ी बाधा है। हालांकि कई छात्र मूल अंग्रेजी जानते हैं, मगर वे आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी बोलने में पर्याप्त सहज नहीं होते हैं जो उन्हें बड़ा नुकसान पहुंचाता है।

स्नाताकों के रोजगारयोग्य बनने में योगदानकारी तकनीकी योग्यताओं की कमी पर लगातार ज्यादा जोर है, जिन्हें अक्सर नजरंदाज कर दिया जाता है, कभी कभी उनकी बेरोजगारी का समान या एक बड़ा कारण है। इंडस्ट्री के लिए तैयार इंजीनियरिंग छात्र के निर्माण में एडटेक कंपनियों का योगदान मजबूत हुआ है लेकिन यह अभी भी बहुत शुरुआती अवस्था में है। द्वितीय व तृतीय श्रेणी वाले शहरों के छात्र, विशेष कर, एप आधारित शिक्षण मंचों को अधिक सुविधाजनक तथा आसानी के कारण पारंपरिक शिक्षण केन्द्रों से सस्ता पाते हैं।

आसानी के अलावा, एडटेक मंचों की लोकप्रियता बढ़ाने का एक और मुख्य कारक है इनकी उपलब्धता- ये मंच आम तौर पर निशुल्क तथा हमेशा पहुंच योग्य हैं। कोई भी व्यक्ति , जिसके पास स्मार्टफोन है या जिसके पास जीयो फोन जैसे फीचर फोन भी हैं तथा एक बेहतर इंटरनेट कनेक शन है, नयी योग्यताएं विकसित कर सकता है। इसके अलावा, इन मंचों के पीछे की तकनीक वैयक्तिक तथा अधिक प्रभावी शिक्षण पाने का अवसर प्रदान करती है।

एडटेक मंच भारत में शिक्षा क्षेत्र को नयी छवि प्रदान कर रहे हैं। जब इंजीनियरिंग दायरे की बात आती है, तो वे, नौकरी के आवेदन के दौरान छात्रों को जिन समस्याओं व चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वे उस मौके पर उनकी सहायता कर रहे हैं। यह अभी भी अत्यंत शुरुआती अवस्था में है और अभी एक लंबा सफर तय होना है लेकिन गुणवत्ता व पहुंच में वृद्धि पहले ही नजर आती है और हम योग्यता खामियों को दूर करने की राह पर हैं।

– (लेखक इनगुरू के संस्थापक सीईओ हैं।)

स्कॉलरशिप

द युनिवर्सिटी आफ अरिजोना अमरीका

में फ्रेशमेन इंटरनेशनल ट्यूशन ग्रांट प्रोग्राम प्रस्तुत कर रही है। शैक्षणिक अवार्ड अत्यंत मेधावी विदेशी छात्रों के लिए उपलब्ध है जो युनिवर्सिटी में स्प्रिंग सेमेस्टर में अपना अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम शुरू करने जा रहे हैं। यहां विश्व भर से उम्मीदवार आवेदन योग्य हैं।

लाभ: मूल कोर्स में 3.25 या उससे अधिक अनवेटेड जीपीए के साथ विदेशी भागीदार 4000 से 10000 डॉलर का अवार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

योग्यता: अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम के लिए किये गये आवेदन को अवार्ड का आवेदन भी समझा जाएगा। अरिजोना के प्रोपोजिशन 300 के तहत व्याख्या अनुसार आवेदक को अपनी कानूनी उपस्थिति की जांच करनी होगी।

आवेदक को प्रदत्त सूची से दाखिला मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान प्राप्त जीपीए गणना पर विचार करना होगा। जीपीए गणनाओं को गणित, विज्ञान, स्थानीय भाषा, दूसरी भाषा, सामाजिक विज्ञान व फाईन आर्ट्स समेत मूल कोर्सवर्क समझते हैं।

भाषा आवश्यकता: जिन आवेदकों की राष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी नहीं है, उन्हें अपनी अंग्रेजी भाषा योग्यता प्रदर्शित करने के लिए टीओईएफलएल या आईईएलटीएस करने की सलाह है

आवेदन कैसे करें: किसी भी औपचारिक आवेदन की आवश्यकता नहीं है।

आवेदन की अंतिम तिथि: आवेदन की अंतिम तिथि 1 नवंबर, 2019 है।

द युनिवसिटी आफ बेडफोर्डशायर यूके

में स्पोर्ट इंटरनेशनल अवार्ड प्रस्तावित कर रहा है। यह प्रोग्राम उन अत्यंत मेधावी छात्रों के लिए खुला है जो युनिवर्सिटी से अंडरग्रेजुएट तथा पोस्टग्रेजुएट डिग्री कोर्सवर्क में शामिल होंगे।

राष्ट्रीयता: यूके, पूर्वी यूरोप, तथा अंतर्राष्ट्रीय छात्र

स्कालरशिप राशि: 660 पाऊंड, 1540 पाऊंड, 1160 पाऊंड, और 1660 पाऊंड।

योग्यता: आवेदकों ने यूजी व पीजी डिग्री कोर्सवर्क में दाखिला लिया हो। अपनी औपचारिक अकादमिक अर्हताओं की प्रतियां व प्रमाणपत्र, एक पेज का निजी वक्तव्य, अपना वर्तमान पासपोर्ट की छाया प्रति संलग्न करें।

भाषा आवश्यकताएं: युनिवर्सिटी बैचलर या मास्टर डिग्री में प्रवेश के लिए अंग्रजी भाषा आवश्यकताओं को संतुष्ट करने वाली न्यूनतम शर्तों के रूप में स्वीकार करती है।

आवेदन कैसे करें: पंजीकरण कराने के बाद, अभ्यर्थी पूर्ण अवार्ड आवेदन को डाऊनलोड तथा उसे sportscholarships@beds.ac.uk पर जमा कर सकते हैं ।

आवेदन की अंतिम तिथि: आवेदन करने की अंतिम तिथि है 18 अक्टूबर, 2019।

जर्मनी में वैश्विक स्वीकार्यता वाली गुणकारी शिक्षा

शालिनी सक्सेना बताती हैं कि जर्मन युनिवर्सिटी की डिग्री किस तरह रोजगार अवसरों के दरवाजे खोल सकती है।

एक इंजीनियरिंग डिग्री और वो भी दुनिया के शीर्ष संस्थानों की, एक ऐसा सपना है जो प्रत्येक भारतीय छात्र देखता है। लेकिन प्रतियोगिता तथा इसमें होने वाले खर्चों के कारण हर कोई इसे महसूस करने में सक्षम नहीं है। इन दोनों समस्याओं का समाधान है जर्मनी। 350 से अधिक राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयो भारतीय छात्रों की उनके सपने साकार करने में सहायता करती हैं, इसके तहत वे उन्हें सस्ती विश्वस्तरीय बेहतर शिक्षा प्रदान करती हैं। सर्वोच्च नौ तकनीकी विश्वविद्यालय – टीयू-9 – अपनी उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाने जाते है और इनमें गारंटीशुदा प्रवेश भारत में हर कोई चाहता है।

शिक्षण का दर्शन तथा इसका समय पर क्रियान्वयन तब सामने आता है जब कोई इस देश में पढ़ने का फैसला करता है क्योंकि यह बहुत कम विकसित देशों में से एक है जो, विशेषकर इंजीनियरिंग, आईटी, प्रबंधन, विज्ञान, औषधि, वास्तुकार्य एवं रचनात्मक संप्रेषण के क्षेत्रों में, शिक्षण की सार्वभौमिक भावना का प्रतीक हैं। यह देश दुनिया भर के प्रोफेसरों व छात्रों के लिए विकास एवं नवोन्मेषन के इन क्षेत्रों में अध्ययन कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न उल्लेखनीय गतिविधियों का केन्द्र बना है। इन क्षेत्रों में प्रगति एवं विकास इस हद तक उल्लेखनीय बना है कि यह छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दायरे में सर्वोत्तम बनने का दावा करने वाला या महत्वाकांक्षा रखने वाला एक निर्णयकारी पैमाना बन गया है।

सबसे दिलचस्प रूप में, जो प्रगति व सफलता, इस देश के शिक्षण केन्द्रों ने इन क्षेत्रों में हासिल की है, वो महत्वाकांक्षी लोगों के लिए उनके अपने देशों में प्रचलित सफलता का प्रयास करने के लिए रूपांतरकारी साबित हुई है। शिक्षण व अध्यापन अपने भावी नागरिकों को रास्ता दिखाना मात्र नहीं है बल्कि शिक्षा की परम उन्नति के साथ साथ, दुनिया के अन्य हिस्सों के लोगों को भी रास्ता दिखाना है।

बहुसांस्कृतिक विरासत यहां एक और कारक पाती है जो शिक्षण स्थितियों को उन लोगों के लिए प्रभावी व अनुकूल बनाती है जो समझने में विश्वास करते हैं और शिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न अवधारणाएं साझा करते हैं।

यदि दुनिया में रुझान हैं कि आज के कार्पोरेट जगत के निरंतर बदलते आयामों की पूर्ति के लिए ग्राहक केन्द्रित सांस्कृतिक बदलाव में विशेषज्ञता हासिल के लिए कुछ भी किया जाए तो यह किसी भी सच्चे पेशेवर के लिए सर्वाधिक प्रेरणादायी अनुभव होना चाहिए जो सफलता पाने के लिए अपनी खुद की सीमाएं तोड़ना पसंद करता है। यहीं पर प्रमुख कालेजों व विश्वविद्यालयों में विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों ने अत्यंत उच्च वैश्विक स्वीकार्यता वाली गुणकारी शिक्षा की महत्ता को ऊपर उठाया है। यहां अध्ययन करने के इच्छुक भारतीय छात्र के लिए, वह अकेला नहीं होता, जब वह अपने घर से निकल कर यहां आता है। इन विश्वविद्यालयों में लगभग 12 फीसदी छात्र बाहरी देशों से आते हैं।

अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में, यहां पर रहने का खर्च उचित है। खाने, किराए पर रहने, पहनने व सांस्कृतिक गतिविधियों की लागत यूरोपीय औसत के बराबर है। छात्रों के लिए अनेक प्रकार की रियायतें भी उपलब्ध हैं। व्यक्ति को थिएटरों, संग्रहालयों, आपेरा हाऊसों, सिनेमाओं, तैराक स्थलों, व अन्य संस्थान रियायती दामों पर देखने व उपयोग करने को मिल सकते हैं। आपको बस करना यह है कि छात्र परिचय पत्र प्रस्तुत करना होगा। जर्मनी एक सुरक्षित देश है। चाहे आप एक बड़े शहर में रहते हैं या ग्रामीण इलाके में, आप दिन या रात कभी भी बगैर कोई विषेश सावधानी बरते आ-जा सकते हैं। समुद्र तटों व पहाड़ों, मध्ययुगीन केन्द्रों व गहमागहमीपूर्ण महानगर, और सबसे महत्वपूर्ण है, जबरदस्त प्राकृतिक स्थल। जर्मनी एक विविधतापूर्ण देश है जिसकी कई खूबियां हैं। जर्मनी में रहने का अर्थ है तमाम अन्य देशों से घिरे मध्य यूरोप में रहना तथा विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होना।

प्रासंगिक व अप्रासंगिक डाटा, सूचना व ज्ञान

माइंड इट

एक समय था, लगभग बीस पच्चीस साल पहले जहां लोगों को कोई भी जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने तन व मन के जरिए थोड़ा प्रयास करने पड़ते थे। आज बस एक बटन दबाने की देर है कि आपकी हथेली पर पर्याप्त से अधिक जानकारी पहले से तैयार मिलती है।

इस तेजी से उभरते तकनीकी युग के लिए हमारे वैज्ञानिकों का शुक्रिया जहां, एक तरफ इन तकनीकी उन्नतियों ने हमें हमारे जीवन सुविधा प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर, उन्होंने हमारे तन व मन को अपनी प्रत्येक आवश्यकताओं के लिए तकनीकी पर बुरी तरह आश्रित बना दिया है। हमारा मन जो एक समय ज्ञान की खोज में कड़ी मेहनत कर रहा था, आज के समय में इसके पास सूचना के भंडार तक की पहुंच उपलब्ध है। सूचना का कितना बड़ा हिस्सा व्यक्ति के लिए सचमुच अनिवार्य है?

जैसा कि वे कहते हैं, यदि किसी उपभोक्ता को मुफ्त में कोई उत्पाद मिलता है तो सुनिश्चित हों कि ग्राहक स्वयं उत्पाद है। सूचना सिर्फ एक सूचना या आंकड़ा है, जब तक कि यह प्रत्यक्ष अनुभव की पड़ताल से होकर नहीं गुजरती। प्रत्यक्ष अनुभव से यह सूचना ज्ञान में बदल जाती है।

इस वर्तमान दौर की तुलना में, गैर तकनीकी युग में ज्ञान हासिल करना आसान था जहां व्यक्ति अधिक प्रत्यक्ष अनुभव हासिल कर सकता था और अधिक प्रमुख आंकड़ों से निपटना पड़ता था।

आज के दौर में, चूंकि आपका मन अधिकांशतया दोयम आंकड़े से निपट रहा है, इसीलिए अनुभव, विचार या गतिविधियां भी सापेक्ष स्तर पर अधिक हैं।

आपके दिमाग में बहुत ज्यादा डाटा आने से, भले ही आप किसी भी भौतिक परिस्थिति में हों, मन के लिए बहुत सामान्य बात होती है कि वो बेचैन हो जाता है, जिसके कारण उसमें एकाग्रता का अभाव उत्पन्न होता है।

'यह सब मन में है।' आपने अपने जीवन में कम से कम एक बार यह कथन सुन रखा होगा। अपने विचारों, निर्णय कार्यों व गतिविधियों को नियंत्रित करने की प्रक्रिया में आपका मन आपके शरीर द्वारा एकत्रित व उत्पादित सत्तर फीसदी ऊर्जा सोख लेता है। आपका मन हर चीज को नियंत्रित करता है इसीलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि यह आपके नियंत्रएण में हो। यदि ऐसा नहीं है, तो यह वास्तव में आपके जीवन में उथल पुथल मचा सकता है। समझदारी के साथ अपनी चेतन अवस्था में आपने मन को साधें। आप फिर भी अपने आसपास घटती कुछ बाह्य परिस्थितियों को नियंत्रित न कर पाएं, लेकिन अपने मन के उचित नियंत्रण से, आप उन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर सकते हैं नतीजतन ऊर्चा खपत तथा संरक्षण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा जो एक खुशहाल जीवन की ओर ले जाएगा।

> इस सूचना युग में, आपको प्रासंगिक व अप्रासंगिक डाटा, सूचना व ज्ञान, सापेक्ष व यथार्थ के बीच चुनाव करना पड़ेगा। आपका मन प्रदान होने वाले सूचना डाटा के साथ काम करेगा और उसके अनुरूप विचार व कार्य रचेगा, आपको उस डाटा की गुणवत्ता के प्रति समझदार बनना होगा जो आपकी इन्द्रियों ने ग्रहण किया गया तथा आपके मन में दर्ज हुआ है। आप कैसे सुनिश्चित करते हैं कि आपका मन आपको प्रेषित की जाने वाली इस सूचना का गुलाम नहीं है? अपना उत्तर तलाशें।

आपकी इन्द्रियां विभिन्न अनुभवों के जरिए आपको सूचना देती हैं और आपकी सोच में वृद्धि करती हैं। जब आपकी सोच किसी घटना या परिस्थिति से अंतर्क्रिया करती है, तो यह अन्य अनुभवों व संबंधित विचार उत्पन्न करती हैं। आपकी सोच व घटना की अंतर्क्रिया के बीच, एक अपेक्षा होती है, और यह अपेक्षा आपकी प्रभावकारी परतों का परिणाम है। यदि घटना आपकी अपेक्षाओं पर खरी उतरती है तो यह सकारात्मक विचार व गतिविधियों में बदलती है और जब ऐसा नहीं होता है तो परिणाम भी विपरीत होता है।

समस्त अपेक्षाओं का कारण आपकी प्रभावकारी परतें तथा आपकी पांच इन्द्रियों से आती इन प्रभावकारी परतों की खुराक हैं। इसीलिए, पांच इन्द्रियां आपके समस्त विचारों व संबंधित गतिविधियों का मूल कारण बन जाती हैं। आपकी इन्द्रियां उन समूची सूचना की जानकारी का काम करती है जो आपके मन में उमड़ रही हैं, वे आपके मन और बाह्य जगत के बीच का संपर्क सूत्र हैं। अपने मन को नियंत्रित करने के लिए आपको अपने विचारों को नियंत्रित करना होगा और अपने विचारों को नियंत्रित करने के लिए आपको अपनी इन्द्रियों को नियंत्रित करना होगा। इस टाईम लाइन पर, धरती काफी तकनीकी उन्नति देख रही है जो इस दुनिया को रहने की एक छोटी जगह बना रही है। इस सूचना युग में, आपको प्रासंगिक व अप्रासंगिक डाटा, सूचना व ज्ञान, सापेक्ष व यथार्थ के बीच चुनाव करना पड़ेगा। आपका मन प्रदान होने वाले सूचना डाटा के साथ काम करेगा और उसके अनुरूप विचार व कार्य रचेगा, आपको उस डाटा की गुणवत्ता के प्रति समझदार बनना होगा जो आपकी इन्द्रियों ने ग्रहण किया गया तथा आपके मन में दर्ज हुआ है। आप कैसे सुनिश्चित करते हैं कि आपका मन आपको प्रेषित की जाने वाली इस सूचना का गुलाम नहीं है? अपना उत्तर तलाशें।

– लेखक अचला शर्मा, कोरपीलर्स: अ जर्नी टू योर कोर की रचनाकार है। वह वक्ता व कोच भी हैं।